शनिवार
13 अप्रैल 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
आपकी आवाज

चिराग ने विपक्षियों पर साधा निशाना, कहा संयमित भाषा बोलें 2

ईरान-इजराइल में बढ़ा तनाव, भारत ने कहा- इन देशों की यात्रा से बचें

- भारत सरकार ने ईरान और इजराइल को लेकर ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है
- कहा- जो लोग इजराइल या ईरान में रह रहे हैं, वे भारतीय दूतावासों से संपर्क कर अपना रजिस्ट्रेशन कराएं

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत सरकार ने ईरान और इजराइल को लेकर ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए सभी भारतीयों को सलाह दी जाती है कि वे अगली सूचना तक ईरान या इजराइल की यात्रा न करें। इसके साथ-साथ जो लोग इजराइल या ईरान में रह रहे हैं, उनसे अनुरोध है कि वे वहां भारतीय दूतावासों से संपर्क करें और अपना रजिस्ट्रेशन कराएं। अपनी सुरक्षा को लेकर अत्यधिक सावधानी बरतें।

दरअसल, दशकों से एक दूसरे के धूर विरोधी रहे ईरान और इजराइल आमने-सामने हैं। दूतावास पर हमले के बाद ईरान पूरी तरह से जंग के लिए तैयार है। माना जा रहा है कि अगले 24 से 48 घंटे में ईरान इजराइल पर हमला कर सकता है। 1 अप्रैल को दूतावास पर हुए हमले में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कमांडर और उसके कई सदस्यों की मौत हो गई थी। जिसके बाद दोनों देशों के बीच में तनाव चरम पर आ गया। विदेशी मीडिया वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान सबसे पहले इजराइल की सीमाओं को निशाना बना सकता है। फिलहाल दोनों देशों की सेनाएं पूरी तरह से अलर्ट मोड पर हैं। ईरान की ओर से हमले के अंदेशा को देखते हुए अमेरिका भी अलर्ट है।

ईरान को अमेरिका ने जारी की है चेतावनी

इजरायल पर हमले को लेकर ईरान को अमेरिका ने चेतावनी जारी की है। वहीं ब्रिटिश विदेश कार्यालय ने इजरायल में ब्रिटिश नागरिकों से तुरंत देश छोड़ने की अपील की है। वहीं फ्रांस ने अपने नागरिकों को ईरान और इजरायल की यात्रा करने से परहेज करने के लिए कहा है और तेहरान में फ्रांसीसी राजनयिकों के परिवारों को फ्रांस वापस भेज दिया गया है। मध्य पूर्व में भारी तनाव को देखते हुए फ्रांस ने अपने नागरिकों को इजरायल, ईरान, लेबनान से दूर रहने की सलाह दी है। ईरान से जंग के खतरे का आकलन करने के लिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सेना के बड़े जनरलों के साथ बैठक करेंगे। वहीं अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि वह इजरायल और अमेरिकी ठिकानों पर हमला न करें। वहीं इजराइल 24-48 घंटों के भीतर सीधे ईरानी हमला होने के हिसाब से तैयारी कर रहा है। अमेरिकी दूतावास ने अपने कर्मचारियों से कहा है कि वे अगली सूचना तक मध्य इजरायल, जेरूसलम या बेशेर्बा से बाहर यात्रा न करें। दूसरी ओर इजरायली सेना (आईडीएफ) और मोसाद ने इजरायल पर सीधे ईरानी हमले की हालत में ईरान में हमले की योजना को मंजूरी दी।

ईडी, सीबीआई का राजनीतिक हथियार के रूप में हो रहा इस्तेमाल: राहुल गांधी

एजेंसी/चेन्नई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में एक रैली को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान भाजपा पर हमला बोलते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि केंद्र सरकार ईडी, सीबीआई, आईटी का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के रूप में कर रही है। चुनाव आयुक्तों को प्रधानमंत्री चुन रहे हैं। चुनाव से दो महीने पहले कांग्रेस पार्टी के बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाते हैं। सीएम गिरफ्तार किए जाते हैं। विपक्षी नेताओं को धमकी दी जाती है। कहा कि पूरा विचार यह सुनिश्चित करना है कि भारत में लोग बाढ़ राहत के लिए पैसे मांगते हैं, जब तमिल मछुआरे सहायता मांगते हैं, तो केंद्र उन्हें कुछ नहीं देती है। उनको जंतर मंतर पर जाने के लिए मजबूर किया गया, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। राहुल गांधी ने कहा कि हमने तय किया है कि हम किसानों को कानूनी एमएसपी की गारंटी देंगे।

सीएम नीतीश कुमार पूर्ववर्ती सरकार पर जमकर बरसे

लालू ने 15 साल राज किया, पर बिहार के लिए कुछ नहीं किया

- नीतीश कुमार ने लगाए आरोप- कहा- लालू यादव ने बिहार में पहले अपने राज किया फिर पत्नी राबड़ी देवी को सीएम बना दिया
- लालू राज में बिहार का क्या हाल था, किसी से छुपा नहीं है। शाम में कोई घर से बाहर नहीं निकलता था

केटी न्यूज/नवादा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को नवादा में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एनडीए के प्रत्याशी विवेक ठाकुर के लिए वोट मांगा। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने लालू परिवार पर जमकर हमला बोला। कहा कि 15 साल तक पति-पत्नी ने राज किया लेकिन बिहार के लिए कुछ नहीं किया। पहले अपने राज किया फिर पत्नी को बैठा दिया। बिहार में शाम में कोई अपने घर से बाहर नहीं निकलता था। क्या हालत था पहले? तेजस्वी पर तंज कसते हुए सीएम ने कहा कि आजकल क्रेडिट लेते रहता है। अब बेटा ही बोलते रहता है कि हमने किया है। अरे, क्या काम किए हो? अनाप-शनाप बोलते रहता था, इसलिए हम हटा दिए और फिर इधर आ गए। अब हमेशा के लिए यहीं रहेंगे।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि आपलोग याद कीजिए अगर हमलोग नहीं आते तो अभी तक घर में बैठे रहते। कोई नहीं पढ़ पाते और आगे बढ़ पाते। हमलोगों ने कितना काम किया। शिक्षा का विकास हुआ। जब पहली बार ही मौका मिला तो 50 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण दिया। इसके बाद कई राज्यों ने भी इसको अपना लिया। सीएम नीतीश कुमार ने परिवारवाद पर हमला बोलते हुए कहा कि आप देखिए तो एक ही परिवार का कितना आदमी चुनाव लड़ रहा है। 18 साल से हैं लेकिन मैंने अपने परिवार के एक भी सदस्य को चुनाव नहीं लड़वाया। इनलोगों को मौका मिलता है तो पति-पत्नी, बेटा और बेटी इन्हीं सब को आगे बढ़ा रहा। आप देखिए न एक ही परिवार के कई लोग चुनाव लड़ रहे हैं। कितना लोगों को टिकट मिल रहा है? हमलोग काम करते हैं। लेकिन, यह लोग कमाने में लगे रहते हैं।

नीतीश कुमार ने कहा कि कहीं भी इनलोगों ने वृक्षा रोपण नहीं करवाया। यह लोग तो किसी को नौकरी भी नहीं देते थे। जब हमलोग आए तो आठ लोगों को नौकरी दी। इसके बाद 10 लाख नौकरी और रोजगार दिया। इस बार चार लाख युवाओं को नौकरी मिल गई। हमलोगों ने 10 लाख रोजगार का वादा किया है। पांच लाख लक्ष्य पूरा हा गया। अभी सब काम हो रहा है कि लालू परिवार वाले राज करना चाहते हैं। इससे पहले लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद नीतीश कुमार पहली बार चुनावी दौरे पर शुक्रवार को नालंदा पहुंचे। चुनावी रोड शो में नवादा जाने के दौरान उन्होंने बिहार शरीफ के अंबेडकर चौराहा स्थित देवीसराय में एनडीए प्रत्याशी कौशलेंद्र कुमार के पक्ष में कार्यकताओं का अभिवादन किया।

नीतीश कुमार बुजुर्ग हो गए हैं, कुछ लोग नहीं चाहते हैं कि वह भाषण दें: तेजस्वी यादव

पटना। पटना से रवाना होते वक्त तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसा है। तेजस्वी ने कहा कि सभा करने और रोड शो में जाने का सबको अधिकार है लेकिन नीतीश कुमार बुजुर्ग हो गए हैं। कुछ लोग नहीं चाहते हैं कि वह भाषण दें। लेकिन अच्छी बात है वह चुनाव में रोड शो पर निकले हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में मुद्दों की बात नहीं हो रही है। बिहार में समस्या क्या है, इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। उन्होंने कहा नौजवानों का पलायन कैसे रुके इस पर कोई चर्चा नहीं है। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा कैसे मिले। इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी, 15 लाख रुपए और 2 करोड़ रोजगार का क्या हुआ? गंगा सफाई की योजना का क्या हुआ? इस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नहीं कोई बात नहीं कह रहे हैं। तेजस्वी यादव ने विकास की बात करते हुए कहा कि जब तक ग्राउंड की समस्या पर बात नहीं होगी। तब तक समस्याओं का समाधान नहीं होगा।

बागी हुए तेजस्वी के हनुमान अमरेश राय राजद के खिलाफ मैदान में ठोकेंगे ताल

समस्तीपुर। बिहार में समस्तीपुर जिले के उजियारपुर लोकसभा सीट से राजद ने आलोक कुमार मेहता को टिकट दिया है। इससे राजद खेमे में बगावती तेवर सामने आए हैं। युवा राजद के पूर्व जिलाध्यक्ष अमरेश राय उजियारपुर क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ने का एलान किया है। ये कभी तेजस्वी के हनुमान कहे जाते थे। दरअसल, समस्तीपुर जिले के उजियारपुर लोकसभा सीट से एनडीए से केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, तो राजद की ओर से पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता को उम्मीदवार बनाया गया है। बता दें कि अमरेश राय खुद को तेजस्वी यादव का हनुमान कहते थे, लेकिन आलोक कुमार मेहता और नित्यानंद राय को बाहरी उम्मीदवार बता कर बाहरी बनाम स्थानीय का नारा दिया है। अमरेश राय ने 24 अप्रैल को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में हेलीकॉप्टर से नामांकन करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि जनविश्वास यात्रा के दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को इस बात अवगत कराया था कि वे अपनी पत्नी राजश्री को उजियारपुर से चुनाव लड़ाए, नहीं तो किसी स्थानीय उम्मीदवार को टिकट दिया जाए। लेकिन राजद ने ऐसा नहीं किया। ऐसे में हम निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन करने पर मजबूर हो गए हैं।

वहीं, राजनीतिक विशेषज्ञ बताते हैं कि यादव जाति से आने वाले अमरेश राय अगर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन पत्र दाखिल करते हैं, तो सीधे तौर पर राजद के प्रत्याशी आलोक मेहता को नुकसान पहुंचाने का काम करेंगे. इसका सीधा फायदा भाजपा के प्रत्याशी नित्यानंद राय को मिलेगा।

ममता सरकार ने बंगाल को आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बना दिया है: भाजपा

ममता बनर्जी ने किया पलटवार

एजेंसी/कोलकाता

बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में पश्चिम बंगाल से दो आरोपियों की शुक्रवार को गिरफ्तारी से राज्य में राजनीतिक घमासान शुरू हो गया। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस शासन ने राज्य को आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बना दिया है। भाजपा की टिप्पणी पर टीएमसी और पश्चिम बंगाल पुलिस ने प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसमें कहा गया कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने राज्य पुलिस की मदद से आरोपी को गिरफ्तार किया। सीएम ममता बनर्जी ने भी बीजेपी के आरोपों पर पलटवार किया है। उन्होंने बीजेपी की आलोचना की और कहा कि बेंगलुरु विस्फोट मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी राज्य पुलिस की त्वरित कार्रवाई के कारण ही संभव हो सकी है।

सीएम बनर्जी ने कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, सुना है कि भाजपा के एक नेता कह रहे थे कि बंगाल सुरक्षित नहीं है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से दो घंटे के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन राज्यों के बारे में क्या जहां आप सत्ता में हैं? उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, गुजरात और बिहार के बारे में क्या कहना है?

पश्चिम बंगाल में भाजपा के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने एक्स पर पोस्ट किया, एनआईए ने रामेश्वरम कैफे विस्फोट में दो मुख्य संदिग्धों, हमलावर मुसव्विर हुसैन शाजिब और उसके साथी अब्दुल मथीन अहमद ताहा को कोलकाता से हिरासत में लिया। दोनों संभवतः कर्नाटक के शिवमोगा में आईएसआईएस सेल से संबंधित हैं। दुर्भाग्य से, पश्चिम बंगाल ममता बनर्जी के तहत आतंकवादियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बन गया है। मालवीय के पोस्ट के कुछ ही मिनट के भीतर, टीएमसी नेता कुणाल घोष ने दावा किया कि आरोपियों को एनआईए ने पश्चिम बंगाल पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, पश्चिम बंगाल पुलिस ने बेंगलुरु-कैफे विस्फोट के संबंध में गिरफ्तारी के माध्यम से बहुत बढ़िया काम किया है। यहां तक कि एनआईए ने भी अपने बयानों में इसे स्वीकार किया है।

पीएम मोदी और सीएम योगी के संकल्प को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे यूपी के किसान

80 में 80 के लक्ष्य तक पहुंचाने में ट्रंप कार्ड साबित होंगे किसान

- किसानों की आय में वृद्धि के लिए राज्य और केंद्र द्वारा संचालित योजनाओं का यूपी के किसानों को मिला भरपूर लाभ
- निजी नलकूपों से सिंचाई के लिए किसानो को मुफ्त बिजली का योगी सरकार ने दिया है तोहफा

केटी न्यूज ब्यूरो/लखनऊ

नलकूपों से सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली का संकल्प पूरा करना रहा हो या फिर गन्ना मूल्य के भुगतान से लेकर नई चीनी मिलों की स्थापना, डबल इंजन सरकार ने प्रदेश के किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए जो कार्य किया है, उसका परिणाम 2024 के आम चुनावों में देखने को मिलने जा रहा है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम योगी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार के द्वारा चलाई गई योजनाओं का भरपूर लाभ उठाने वाले प्रदेश के अन्नदाता किसान अपने मताधिकार का उपयोग करते समय सरकार की किसानों को समर्पित नीतियों को अवश्य ध्यान में रखेंगे। ये वही नीतियां हैं, जिन्होंने प्रदेश के किसानों की आय में वृद्धि कर उन्हें आत्मनिर्भर और संपन्न बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। कुल मिलाकर प्रदेश के करोड़ों किसान पीएम मोदी और सीएम योगी के 80 में 80 सीटों के लक्ष्य को पूरा करने में ट्रंप कार्ड साबित होंगे।

जो कहा वो किया: प्रदेश की योगी सरकार ने अन्नदाता किसानों के लिए सिर्फ योजनाएं और नीतियां बनाईं ही नहीं, बल्कि उन्हें अंजाम तक भी पहुंचाया। इसका सबसे ताजा उदाहरण किसानों को निजी नलकूपों से सिचाई के लिए मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना है। योगी सरकार ने हाल ही में इसका ऐलान करके अपने संकल्प को पूरा किया है। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के 1.5 करोड़ किसानों और उनके परिजनों (6-7 करोड़ के करीब) को सीधा लाभ मिलने जा रहा है। इसके तहत किसानों को एक अप्रैल 2023 से निजी नलकूप पर कोई भी बिल देने की आवश्यकता नहीं होगी। यही नहीं, यदि इसके पहले का भी यदि कोई बिल बकाया है तो सरकार उसके लिए ब्याज रहित और आसान किस्तों में बिल चुकाने के लिए योजना लाएगी।

गन्ना किसानों को मिली मजबूती: गन्ना किसानों के लिए भी सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं, जिससे उनकी आय में गुणात्मक वृद्धि हुई है। इसके तहत वर्तमान योगी सरकार द्वारा 2017 से अब तक लगभग 2.50 लाख करोड़ का गन्ना मूल्य भुगतान कराया गया है। यही नहीं, विगत 07 वर्षों में प्रदेश सरकार ने गन्ना समर्थन मूल्य में 55 रुपए प्रति क्विटल की वृद्धि की है। इससे प्रदेश का गन्ना किसान आत्मनिर्भर और संपन्न हुआ है। इसके अतिरिक्त सरकार ने मार्च 2017 से अब तक 03 नई चीनी मिलों की स्थापना की है, जबकि 05 चीनी मिलों के पुर्नसंचालन एवं 38 चीनी मिलों में क्षमता विस्तार से कुल 1,07,100 टीसीडी की अतिरिक्त पेराई क्षमता का सृजन हुआ जिससे लगभग 1,17,810 लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हुआ है। यही नहीं, चीनी मिलों की दैनिक पेराई क्षमता जो वर्ष 2017 से पूर्व, 7.50 लाख टीसीडी थी, वह बढ़कर अब 8.36 लाख टीसीडी हो गई है। इसके अलावा प्रदेश में बड़े पैमाने पर किसानों को फसली ऋण उपलब्ध कराया गया है। वहीं किसान क्रेडिट कार्ड के तहत 2023-24 में दिसंबर 2023 तक 46.41 लाख किसानों को लाभान्वित किया गया है।

2.68 करोड़ किसानों को मिला किसान सम्मान निधि का लाभ

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत केंद्र सरकार ने किसानों को न्यूनतम आय सहायता के रूप में 6 हजार रुपए प्रति वर्ष प्रदान करने की पहल की, जिसके तहत देश में कुल 12 करोड़ और प्रदेश के 2.68 करोड़ अन्नदाता किसान लाभान्वित हो रहे हैं। फरवरी 2024 तक प्रदेश भर में पात्र किसानों को 68,139 करोड़ रुपए डीबीटी के माध्यम से उनके खातों में भेजे जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त किसानों को कृषि यंत्र खरीदने के लिए और सोलर पंप्स की स्थापना के लिए भी आर्थिक मदद उपलब्ध कराई गई है।

पलटवार: मीसा भारती ने पीएम मोदी को जेल भेजे जाने का दिया था बयान

राजद के गढ़ में चिराग ने विपक्षियों पर साधा निशाना, कहा... संयमित भाषा बोलें

केटी न्यूज/गया

गया लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को पहले फेज में मतदान होना है। चुनावी सरगमि तेज है। गुरुवार को लोजपा रामविलास पार्टी के सुप्रीमो चिराग पासवान की चुनावी सभा राजद के गढ़ बेलागंज विधानसभा क्षेत्र में हुई। चुनावी सभा को संबोधित करते हुए चिराग पासवान विपक्षियों पर जमकर बरसे। मीसा भारती के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जेल भेजे जाने के बयान पर कहा कि विपक्ष के नेता किस तरह की भाषा का प्रयोग करते हैं, यह निंदनीय है। इस तरह की भाषा का प्रयोग कर दुनिया में क्या संदेश देना चाहते हैं। यह कौन लोग बोल रहा है जिन पर भ्रष्टाचार का आरोप है। जिनके परिवार के सदस्य लालू यादव, तेजस्वी यादव समेत परिवार के कई लोगों के ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हुए हैं। ऐसे में मुझे लगता है इस तरह की भाषा सिर्फ और सिर्फ बदले की भावना

दशार्ता है। वहीं उन्होंने कहा कि कई लोग है, जो भ्रमित करने का प्रयास कर रहे है। कई ऐसे लोग भी हैं, जातपात और मजहब के नाम पर राजनिति कर रहे हैं। जातियों में बांट कर बिहार के युवाओं का भविष्य बर्बाद किया है। महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने का काम किया है। उनके हक और अधिकारों को छीनने का काम किया है। ऐसे में जरुरी है, हमलोगो को एक होकर ऐसे लोगों को चिह्नित करें। चिराग पासवान ने राजद प्रत्याशी कुमार सर्वजीत पर निशाना साधते हुए कहा कि में उनके पृष्ठभूमि पर नहीं जाना चाहते है। मैं नहीं जानना चाहता कि कब कैसे उनके परिवार के साथ दुर्घटना घटी थी। जिस तरीके से उस वक्त बिहार के अधिकांश जिले नक्सल से प्रभावित होते थे। बिहार के कई जिला विकास के नाम से नहीं सिर्फ नक्सलवाद के लिए जाना जाता था।

भोजपुरी स्टार पवन सिंह बसपा से लड़ सकते हैं चुनाव

पटना। भोजपुरी स्टार पवन सिंह ने बहुजन समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती से मुलाकात की हैं। संभावना जताई जा रहा है कि भोजपुरी एक्टर बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं। दो दिन पहले ही उन्होंने काराकाट से लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। हालांकि, अब तक पवन सिंह की ओर से बसपा से टिकट मिलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इसके पहले पवन सिंह को भाजपा ने आसनसोल से टिकट दी थी। लेकिन उन्होंने आसनसोल से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था।काराकाट में तीन उम्मीदवारों के बीच कड़ी टक्कर काराकाट से एनडीए ने उपेंद्र कुशवाहा तो महागठबंधन ने भाकपा (माले) के राजाराम सिंह को उम्मीदवार बनाया है। पवन सिंह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा है कि मैंने अपनी मां से वादा किया था कि इस बार चुनाव लड़ूंगा। मैंने निश्चय किया है कि मैं 2024 का लोकसभा चुनाव काराकाट से लड़ूंगा। दरअसल, पवन सिंह आरा के बाद काराकाट से चुनाव लड़ना चाहते थे। इसको लेकर उन्होंने दिल्ली में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी। लेकिन एनडीए ने यहां से उपेंद्र कुशवाहा को अपना प्रत्याशी बनाया है। काराकाट सीट पर अभी जेडीयू के महाबली सिंह सांसद हैं। उन्होंने उपेंद्र कुशवाहा को हराया था।

पप्पू यादव ने मजिस्ट्रेट को दे डाली धमकी दुश्मनी 26 के बाद दिखेगा, प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/पूर्णिया

पूर्णिया सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले पप्पू यादव एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। पप्पू यादव पर इस बार अधिकारियों को धमकाने का आरोप है, जिसकों लेकर निर्दलीय प्रत्याशी पप्पू यादव के खिलाफ आर्दश आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। मामला कांड संख्या 256/ 2024 के तहत केहाट थाना में दर्ज किया गया है। पप्पू यादव पर धमकी देने का आरोप पूर्णिया पूर्व सीओ सह दंडाधिकारी संजीव कुमार शर्मा ने अर्जुन भवन स्थित निर्दलीय प्रत्याशी पप्पू यादव के कार्यालय में प्रचार वाहन को जब्त करने पहुंचे थे। पदाधिकारी का आरोप है कि उन्हें पप्पू यादव ने धमकी देते हुए कहा कि आप दोबारा इस रोड पर आने की फिर से हिम्मत नहीं कीजिएगा और बोरिया-बिस्तर लेकर तैयार रहिएगा। गाड़ी घर में लगी हुई है और उसमें झंडा लगेगा। गाड़ी सड़क पर तो चल नहीं रही है। हम मोदी, नीतीश- लालू नहीं हैं, समझ जाइए। पप्पू यादव ने कहा कि दुश्मनी 26 अप्रैल के बाद दिखेगी। अभी यहां से चले जाइए।प्रचार वाहन गाड़ी की जांच के दौरान पप्पू यादव ने कही यह बात इस संदर्भ में केहाट थानाध्यक्ष कौशल कुमार ने बताया कि गुरुवार को आरएन शाह चौक

समाहरणालय रोड में दंडाधिकारी पूर्णिया पूर्व प्रखंड के अंचलाधिकारी संजीव कुमार शर्मा के द्वारा गाड़ियों के कागजात की जांच पड़ताल की जा रही थी। इसी क्रम में एक प्रचार वाहन गाड़ी और प्रचार वाहन से सबंधित कागजात दिखाने का इशारा किया। लेकिन ड्राईवर वहां से प्रचार गाड़ी निर्दलीय प्रत्याशी पप्पू यादव के आवास पर लेकर चला गया। दंडाधिकारी के नेतृत्व में जब पुलिस की टीम वहां पहुंची तो निर्दलीय प्रत्याशी पप्पू यादव के द्वारा धमकी भरे लहजे में बात की। इस मामले को लेकर केहाट थाना में आचार संहिता उल्लंघन मामले को लेकर मामला दर्ज किया गया है। मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है।

राज्यपाल और केके पाठक के बीच बढ़ा टकराव

पटना। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने राज्यपाल के आदेश पर गंभीर आपत्ति जताई है। उन्होंने राजभवन सचिवालय को शिक्षा विभाग के कार्य में हस्तक्षेप नहीं करने की सलाह भी दे डाली है। कअर केके पाठक ने राज्यपाल सचिवालय को इस संबंध में लेटर लिखा है। राज्यपाल सचिवालय को लिखे अपने पत्र में केके पाठक ने कहा है कि आपको धारा 9(7)(2) शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने राज्यपाल सह कुलाधिपति से सवाल पूछा है कि चांसलर को यूनिवर्सिटी के अधिकारियों के बीच विद्रोह भड़काने और अराजकता पैदा करने की अनुमति है क्या, आगे लिखा है कि चांसलर शक्ति का प्रयोग कर आदेश की अवहेलना नहीं कर सकते। यह अधिकार आपको नहीं है। राज्यपाल सचिवालय की ओर से 21 दिसंबर 2023 को दिए गए आदेश का हवाला देते हुए केके पाठक ने कहा है कि किस कानून के मुताबिक आप प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा से संबंधित मामले को निपटने का अधिकार रखते हैं। केके पाठक ने पूछा है कि किस अधिकार से आपने सभी वीसी को शिक्षा विभाग की बैठक में शामिल नहीं होने का आदेश दिया। केके पाठक ने राज्य विधायिका द्वितीय अधिनियम धारा 7 का जिक्र करते हुए कहा है कि इसके तहत चांसलर, कुलपति, रजिस्ट्रार, डीन जैसे अन्य अधिकारियों के साथ-साथ यूनिवर्सिटी का एक अधिकारी होता है।

चुनावी मौसम में बिहार में फटा बम, चार मासूम झुलस

बांका। बांका में बम फटने से चार मासूम बच्चे गंभीर रूप से जख्मी हो गए। आननफानन में सभी घायल बच्चों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में घायलों का प्राथमिक उपचार कर भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। घ्घटना धोरैया थाना क्षेत्र के अहीरों गांव की है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। घटना में मोहम्मद इस्माइल अंसारी का पुत्र कुर्बान और मुस्तफा के साथ मोहम्मद सद्दाम का पुत्र सनल्लाह और मोहम्मद असी शहनाई का पुत्र अब्बू अलीफा सभी खेल रहे थे।

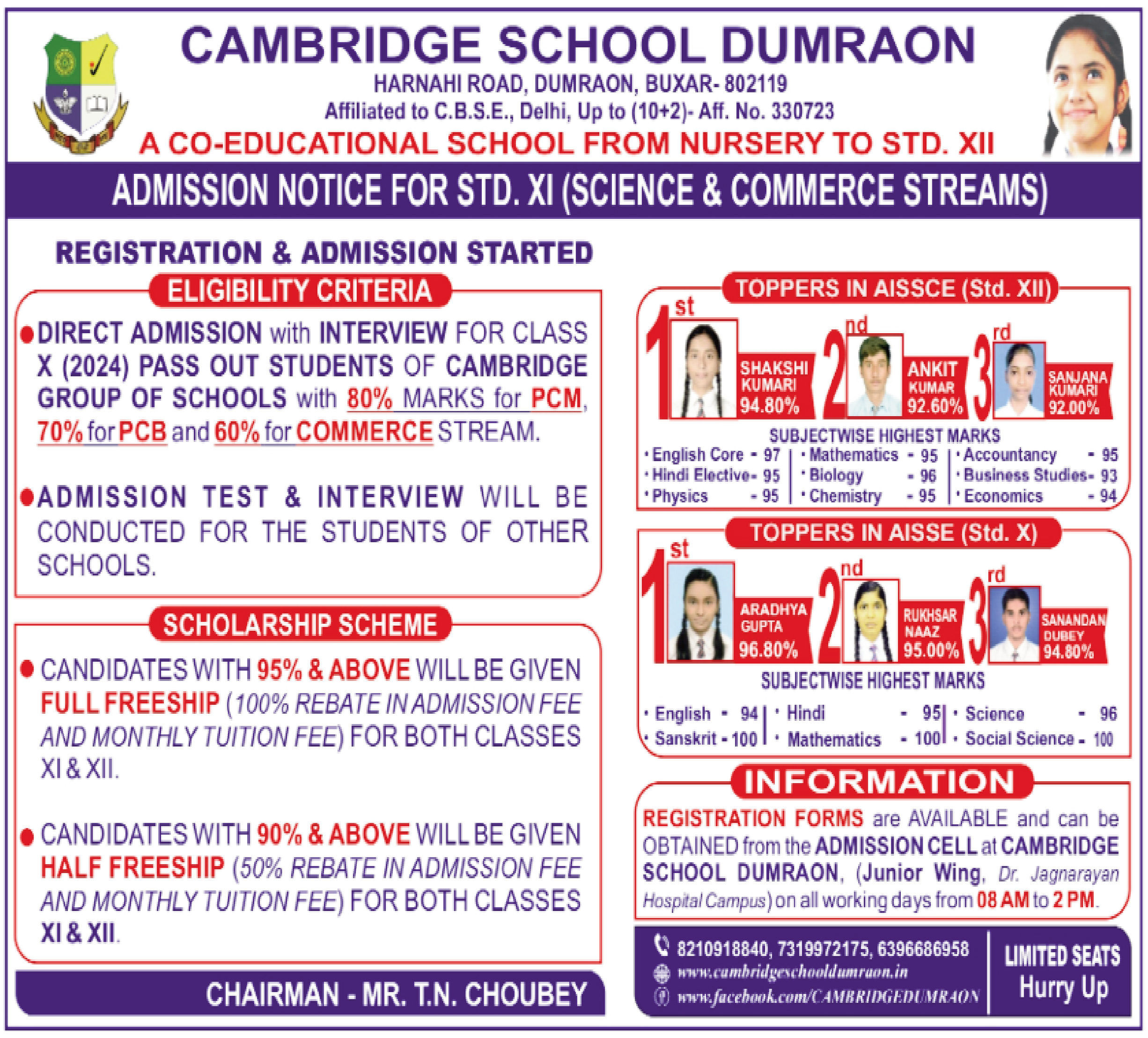

भारतीय नववर्ष की खुशी में राष्ट्र सेविका समिति ने किया पथ संचलन

केटी न्यूज/डुमरांव

शुक्रवार को भारतीय नववर्ष के आगमन की खुशी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की महिला विंग राष्ट्र सेविका समिति द्वारा पथ संचलन कर अपनी ताकत दिखाई गई। यह पहला मौका था जब राष्ट्र सेविका समिति ने वर्ष प्रतिपदा की खुशी में सड़क पर उतर पथ संचलन की। पथ संचलन नगर के हरिजी के हाता स्थित खेल मैदान में शाखा संचालन के बाद निकाला गया। जो हरिजी के हाता से निकल, स्टेशन रोड, गोला रोड, चौक रोड, राजगढ़ चौक पहुंचकर पुनः राजगढ़ चौक से चौक रोड होते हुए शहिद गेट, पुराना थाना रोड, नया तालाब पथ, नया थाना स्टेशन रोड होते हुए हरिजी के हाता खेल मैदान में पहुंचकर पथ संचलन का समापन किया गया। पथ संचलन के दौरान सेविका बहनों द्वारा भारत माता की जय, वंदे मातरम आदि गगनभेदी नारे लगाए जा रहे थे। इस मौके पर राष्ट्र सेविका समिति की भोजपुर विभाग कार्यवाहिका ओम ज्योति भगत ने कही कि वर्ष प्रतिपदा हिन्दू पंचाग के तहत नये साल का पहला दिन है। उन्होंने कहा कि इसी दिन भगवान विष्णु का प्रथम अवतार, विक्रम संवत का शुभ आरंभ, महर्षि गौतम का जन्म दिवस, भगवान श्रीरामचंद्रजी का राज्याभिषेक, आर्य समाज की स्थापना, वरुणावतार, झूलेलाल का जयंती, सम्राट विक्रमादित्य के राज्याभिषेक, एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार का जन्म वर्ष प्रतिपदा के दिन ही हुआ था। वर्ष प्रतिपदा के दिन से हिंदुओं के प्रत्येक घरों में शक्ति की आराधना की जाती है। विभाग कार्यवाहिका ने कहा कि राष्ट्र सेविका समिति महिलाओं के बीच कार्य करती है। समिति की संकल्पना है तेजस्वी राष्ट्र का पुनर्निर्माण करना। स्थापना काल से लेकर आज तक समिति राष्ट्र की पुनर्निर्माण में लगी हुई है। मौके पर नगर कार्यवाहिका मीनाक्षी कुमारी, नगर सह कार्यवाहिका अंकिता कुमारी, पूर्व नगर कार्यवाहिका वंदना भगत, जिला कार्यवाहिका पूनम चौबे, जिला संपर्क प्रमुख बबीता सोनी, नगर धार्मिक प्रमुख प्रमिला पांडेय, नगर संपर्क प्रमुख सुनीता राय, जिला तरुणी प्रमुख मीनाक्षी देवी, अंजू शर्मा, प्रगति, सरोज केसरी, प्रतिभा, डॉ जी कुमारी, संगीता, रेखा, सरिता, प्रिंसी, पूनम, प्रीति आदि सैकड़ो महिलाएं उपस्थित रही।

एक नजर

युवाओं को अपने प्रदेश में मिले रोजगार: आनंद

केसठ। प्रखंड के नया बाजार में एक कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्र मौजूद थे, वही कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला परिषद सदस्य धनंजय कुमार आर्य ने व संचालन अरुण मिश्रा एवं अविनाश मिश्रा ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने कहा कि समाज सेवा के लिए हमने आईपीएस की नौकरी छोड़ दी है। हम एक बड़े एवं बेहतर प्लेटफार्म के तहत जनता के विकास के लिए कार्य करूंगा। इसके लिए सांसद बनना जरूरी है। ताकि जनता की आवाज बनकर संसद में अपनी बात उठा सकूं। जिले की मूलभूत सुविधाओं को पूरा कर सकूं।उन्होंने कहा कि इसके लिए युवाओं को कमर कस कर तैयार रहने की जरूरत है। वही शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार समेत अन्य ज्वलंत समस्याओं को लेकर उन्होंने अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि यह कारवां लगातार चलता रहेगा। उन्होंने आम लोगों से आगामी चुनाव में सहयोग करने को लेकर अपील की। मौके पर राजेंद्र प्रसाद, राजकुमार दुबे, पप्पू तिवारी, प्रशांत कुमार समेत सैकड़ो लोग मौजूद थे।

अर्द्धनिर्मित शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

डुमरांव। शांतिपूर्ण व निष्पक्ष तरीके से लोकसभा चुनाव कराने को लेकर डुमरांव पुलिस शराब के खिलाफ अनवरत छापेमारी अभियान चला रही हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को स्थानीय पुलिस ने शहर के सफाखाना रोड के दलित टोले में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर सैकड़ो लीटर अर्द्धनिर्मित शराब को पकड़ा और उसे विनष्ट किया। इस दौरान पुलिस ने 14 लीटर देसी शराब को भी बरामद किया। अर्द्धनिर्मित शराब खाली पड़े परती जमीन के नीचे दर्जनों गैलन में छिपाकर रखा गया था, जिसे पुलिस ने खुदाई कर पकड़ा। इस दौरान पुलिस को देख तस्कर भागने लगा, जिसे पुलिस की टीम ने दौड़ा कर एक दबोच लिया। पकड़े गये तस्कर की पहचान दलित टोले के रहने वाले मल्लू मुसहर के रूप में हुई हैं। इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष अनीशा राणा ने बताया कि पुलिस आरोपी के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर उसे जेल भेजने की कार्रवाई कर रही हैं। उन्होंने कहा कि शराब तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। गौरतलब है कि इसके पहले भी पुलिस उक्त बस्ती से शराब की खेप बरामद कर चुकी है।

एससी एसटी छात्रवास बैठे अनशन पर

केसठ। प्रखंड के रामपुर खेल मैदान के समीप स्थित पिछड़ा अतिपिछड़ा आवासीय छात्रवास में शुक्रवार को प्राचार्य के कार्यशैली से नाराज छात्र अनशन पर बैठ गए। मिली जानकारी के अनुसार 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती पर बच्चों द्वारा डीजे बजाकर कार्यक्रम करने की मांग कर रहे थे। वही प्राचार्य राम प्रवेश रजक इस पे राजी नहीं थे। प्राचार्य नियमों का हवाला दे छात्रों को डीजे बजाने की अनुमति नहीं दे रहे थे। साथ ही छात्रवास में छात्रों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। छात्रवास के छात्रों ने बताया की कंप्यूटर क्लास, खेल सामग्री, पानी की समस्या, लाइट कटने पर अंधेरे में रहना पड़ता है। साथ ही शिक्षकों की समस्या व शौचालय की सफाई नहीं होने से निकल रहे दुर्गन्ध आदि समस्या झेलनी पड़ रही है। बच्चों के अनशन पर बैठने की सूचना मिलने पर भीम आर्मी जिला अध्यक्ष और प्रदेश उपाध्यक्ष सुदर्शन यादव बौद्ध अपने कार्यकताओं के साथ पहुंच छात्रों का समर्थन करने लगे। इसकी सूचना मिलते ही जिला कल्याण पदाधिकारी तथा बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा छात्रवास पहुंच बच्चों की समस्याओं को सुना और सभी समस्याओं से जिले के वरीय अधिकारियों से अवगत करा निदान करने का भरोसा दिलाया। हालांकि, छात्र प्राचार्य के बर्खास्तगी की मांग पर अड़े रहे। छात्रों ने यह भी बताया की प्राचार्य बच्चों को गोली मारने की धमकी देते है और गाली गलौज भी करते है। वही उनकी पत्नी भी बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करती है। टंकी में पानी भरने पर पानी कमरे में टपकने लगता है। बच्चों की सारी बाते सुन बीडीओ ने प्राचार्य के बर्खास्तगी के लिए रिपोर्ट जिला में भेजने का आश्वासन दिया। जिसके बाद छात्रों ने अपना अनशन तोड़ा। इस संदर्भ में बीडीओ ने बताया कि बच्चों ने विद्यालय के प्राचार्य पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए बर्खास्तगी की मांग किए है। बच्चों की शिकायत पर जांच में कई खामियां भी उजागर हुई है। जिसकी जानकारी जिले के संबंधित विभाग को लिखा जायेगा। बता दें कि अभी एक अप्रैल को ही डीएम अंशुल अग्रवाल ने इस छात्रवास को सुचारू रूप से संचालित किए और जीविका दीदी के रसोई का उद्घाटन किए थे। वही पूर्व से भी ये छात्रवास विवादों से घिरा रहा है। इसके निर्माण के गुणवत्ता पर भी सवाल उठते रहे है।

खबरें फटाफट

वाहन जांच में पिकअप से एक लाख रुपया जब्त

नावानगर। लोक सभा चुनाव को लेकर क्षेत्र के पुलिस बल द्वारा वाहनों की जांच की जा रही है। गुरुवार को डुमरांव-बिक्रमगंज सड़क मार्ग पर पचधरवा पुल के पास पुलिस ने सघन वाहन चेकिंग चलाया। इस दौरान एक पिकअप वाहन के चालक से एक लाख रुपए पुलिस ने बरामद किया है। बरामद रुपए को पुलिस ने सीज किया है। वही यातायात नियमों का अवहेलना करने वाले वाहनों से भी पुलिस ने जुमार्ना वसूला है। बताया जाता है कि थानाध्यक्ष नंदू कुमार के नेतृत्व में थाना के सीमावर्ती पचधरवा पुल के पास सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। तभी रोहतास की ओर जा रही एक पिकअप वाहन की तलाशी के दौरान चालक के पास से एक लाख रुपया बरामद किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि चालक विश्वामित्र कुमार रोहतास जिला अंतर्गत दावथ थाना के जमसोना गांव का निवासी बताया जाता है। मोटी रुपए बरामद होने के बाद चालक द्वारा उस राशि की कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद राशि जब्त कर सीओ रानी कुमारी की मौजूदगी में सीज किया गया है। जिनके द्वारा अग्रेतर करवाई की जा रही है। वही दर्जनों बाइक व चारपहिया वाहनों द्वारा यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों से 7500 रुपया जुर्माना वसूला गया।

पीएनबी ने मनाया 130 वीं स्थापना दिवस

डुमरांव। पंजाब नैशनल बैंक का 130 वीं स्थापना दिवस शाखा डुमरांव में धूमधाम से मनाया गया। शाखा परिसर को रंगीन गुब्बारों से सजाया गया था। इस अवसर पर बैंक के वरिष्ठ ग्राहकों को भी आमंत्रित किया गया था। इस मौके पर डुमरांव नगर के बिहार पेंशनर समाज के अध्यक्ष कपिल मुनि प्रसाद को भी आमंत्रित किया गया था। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पीएनबी की भूमिका काफी संतोषप्रद और सराहनीय रही है। इस दौरान महिला कैशियर पिंकी कुमारी ने केक काटकर कार्यक्रम की शुरूआत की। सेवा निवृत्त डॉ बी एल प्रवीण ने बताया कि पीएनबी हमारे देश का सबसे पुराना बैंक है। इसका लाभांश लगभग हर बार तुलनात्मक रूप से अधिक ही रहता है।

राजनैतिक दलों को पम्पलेट छपवाने के लिए दो गवाहों की जरूरत

बोले डीएम...चुनाव में उल्लंघन करने वाले प्रेस संचालकों पर होगी सख्त कार्रवाई

- डीएम ने प्रेस संचालकों के साथ बैठक कर दी निर्वाचन आयोग के निर्देशों की जानकारी

केटी न्यूज/बक्सर

लोक सभा आम निर्वाचन 2024 में अभ्यर्थियों एवं राजनैतिक दलों के प्रचार सामग्री के छपाई से संबंधित निर्वाचन आयोग के निर्देश एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 ए के अनुपालन के संबंध में शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में सभी प्रेस प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की गई। यह बैठक समाहरणालय परिसर अवस्थित कार्यालय कक्ष में की गई थी। बैठक में जिला पदाधिकारी ने उपस्थित सभी प्रेस प्रतिनिधियों (बादल, जय महावीर, सर्वोदय, हिन्दुस्तान, विश्वामित्र) को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए आयोग द्वारा निर्गत निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी और बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों का उल्लंघन करने वाले प्रेस संचालकों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही बैनर, पोस्टर एवं पम्पलेट को छापने के क्रम में सभी प्रेस प्रतिनिधियों को अपना नाम, दुकान का नाम एवं पता अवश्य रूप से अंकित करने का निर्देश दिया गया। राजनैतिक दलों के द्वारा बैनर, पोस्टर एवं पम्पलेट छपवाने के लिए सभी प्रेस प्रतिनिधियों को अपने दो गवाहों के नाम के साथ शपथ पत्र भरकर समर्पित करना होगा। सभी प्रेस प्रतिनिधि यह सुनिश्चित करेंगे कि बैनर, पोस्टर एवं पैम्पलेट पर ऐसी कोई आपतिजनक टिप्पणी न हो, जिससे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हो। जिला पदाधिकारी द्वारा नोडल पदाधिकारी, अभ्यर्थी व्यय लेखा अनुश्रवण कोषांग को सभी प्रेस प्रतिनिधियों को घोषणा पत्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में पीजीआरओ संजय कुमार, अपर समाहर्ता गिरिजेश कुमार सहित सभी प्रेस प्रतिनिधि उपस्थित थे।

डीएम ने की लोक शिकायत की सुनवाई

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर। जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के द्वारा लोक शिकायत की द्वितीय अपील की सुनवाई शुक्रवार को समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई। इस दौरान लोक शिकायत अधिकार निवारण से संबंधित 16 मामलों पर सुनवाई की गई। जिसमें सात मामलों का निष्पादन किया गया। इस दौरान डीएम ने अपने मातहतों से लोक शिकायत के मामलों का त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम जनता को किसी तरह की परेशानी न हो, इसका ख्याल रखना है। सुनवाई में स्थापना उप समाहर्ता, भूमि सुधार उप समाहर्ता, कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल, जबकि वीडियो कांफ्रेसिंग पर बक्सर, राजपुर, डुमरांव सीओ डुमरांव एसडीओ, कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग डुमराव, सहायक विद्युत अभियंता कोरान सराय, एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

गेहूं की कटनी का समय हुआ निर्धारित

केसठ। प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति ठप रहेगी। विदित हो कि क्षेत्र में गेहूं की फसल पूरी तरह से पक कर तैयार हो चुकी है। गेहूं के कटाई का कार्य शुरू हो चुका है। वही अबतक बिजली तारों के शॉर्ट सर्किट के कारण अगलगी की कई घटनाएं हो चुकी है। गर्मी तथा तेज पछिया हवा के कारण एक छोटी सी चिंगारी भी अगलगी की कारण बन रही है। इसे देखते हुए बिजली कंपनी ने दिन में ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद करने का निर्णय लिया है। ताकि गेहूं की फसल में होने वाली आगजनी की घटनाओं को रोका जा सके। वहीं क्षेत्र में तेजी से गर्म हवा चल रही है। इसके अलावा खेतों के ऊपर से बिजली के हाईटेंशन तार गुजर रहे हैं तेज हवा चलने से तार आपस में टकराते हैं। इनके टकराने से चिंगारी उत्पन्न होती है। जिसे खेत में खड़ी फसल में आग लगने की संभावना बनी रहती है। बिजली विभाग के निर्देश पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति गांवों में बंद रहेगी। जेएलएम राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि गेहूं की फसल खेतों में पककर तैयार हो चुकी है। इसकी कटाई भी शुरू हो गई है। हर साल गेहूं की फसल में आगजनी होने की घटनाएं को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

नहाय खाय के साथ चैती छठ पूजा शुरू, आज खरना का प्रसाद ग्रहण करेगी व्रती

- नगर परिषद ने स्थानीय छठ घाटों की साफ-सफाई का कार्य किया युद्ध स्तर पर शुरू

केटी न्यूज/डुमरांव

लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार से नहाए खाए के साथ प्रारंभ हो गया। इसको लेकर उत्साह चरम पर है। छठव्रती और उनके स्वजन पूरी निष्ठा के साथ तैयारी में जुटे हैं। पर्व को लेकर नगर के बाजारों में चहल-पहल है। बाजार में छठ को लेकर सामग्रियों की दुकानें सजने लगी है। जिन घरों में छठ पूजन की तैयारी चल रही है, वहां छठ के गीत सुनने को मिला। भीषण गर्मी व तपती धूप के कारण अपेक्षाकृत कम लोग छठ पर्व मनाते हैं। नगर परिषद द्वारा घाटों की सफाई को लेकर तत्पर दिखें। नगर से लेकर ग्रामीणों क्षेत्रों में छठ घाटों की सफाई शुरू हो गई है। छठिया पोखरा मंदिर परिसर व आसपास के इलाके में भी सफाई का काम चल रहा है। चार दिवसीय अनुष्ठान महापर्व छठ व्रत का चार दिवसीय अनुष्ठान आज नहाए खाए से शुरू हो गया। आज शनिवार को खरना है। दिन भर पूरे उपवास के बाद संध्या बेला में पवित्र नदी, सरोवर आदि में स्नान कर रखना का प्रसाद तैयार करेंगे। चन्द्रमा के अस्त होने के पहले वर्ती प्रसाद ग्रहण करेंगे उसके बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत प्रारम्भ होगा। 14 अप्रैल रविवार को व्रतीं डूबते सूर्य को अर्घ्य प्रदान करेंगे। 15 अप्रैल सोमवार को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य प्रदान करने के साथ ही महाव्रत छठ सम्पन्न होगा। चेयरमैन सुनिता गुप्ता व उपचेयरमैन विकास ठाकुर ने बताया कि छठ व्रती को कोई परेशानी न हो, इसको लेकर नप प्रयासरत है।

चयनित अमृत भारत स्टेशनों के चल रहे निर्माण कार्यों की जांच को पहुंचे जीएम

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर मॉडल स्टेशन बनेगा, जहां स्टेशन पर यात्रियों को कई तरह की अंतराष्ट्रीय सुविधाएं मिलेगी। वही, चयनित अमृत भारत स्टेशन भी एक अमिट पहचान देंगे। इन स्टेशनों पर चल रहे निर्माण कार्यो की जांच व समीक्षा के लिए शुक्रवार की दोपहर हाजीपुर जोन के जीएम तरूण प्रकाश बक्सर पहुंचे। यहां पहुंच उन्होंने स्टेशन का निरीक्षण किया। उस दौरान संबंधित पदाधिकारियों व तकनीशियनों से स्टेशन के विकास की समीक्षा की। अमृत भारत स्टेशन चौसा, रघुनाथपुर व डुमरांव में चल रहे विकास योजनाओं की समीक्षा की, साथ ही उनके विकास कार्यों की जांच भी की। उन्होंने मीडिया को बताया कि बक्सर स्टेशन बहुत जल्द ही मॉडल स्टेशन बनेगा, जहां स्टेशन पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं व्यवस्थित की जाएगी। वही, अमृत भारत स्टेशन के तहत चयनित चौसा, डुमरांव व रघुनाथपुर स्टेशन भो मॉडल स्टेशन बनेंगे। उसके तहत कार्य भी प्रारम्भ है। उसी विकास कार्यो की जांच के लिए वे आये हुए है। जिसके निर्माण की तकनीशियनों के साथ समीक्षा की गई। जिसमें कई तरह के संसोधन किये जाने की भी बात की। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन के निर्माण से वे स्टेशन एक अमिट पहचान बनेंगे। जहां नवनिर्मित स्टेशन पर अनेकों तरह की सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान बक्सर स्टेशन प्रबंधक समेत रेलवे के कई अधिकारी मौजूद थे।

निर्वाचन आयोग ने वर्ष 2013 ईवीएम मशीन में विकल्प के रूप में शामिल किया था नोटा

प्रत्याशी पसंद नहीं आने पर नोटा को तवज्जों देते हैं बक्सर के वोटर

- थोपे गए प्रत्याशियों व निर्दलीयों पर भरोसा जताने के बदले नोटा को दे चुकी है प्रश्रय
- पिछ्ली बार 15 प्रत्याशी आजमा थे किस्मत, चौथे नंबर पर था नोटा

रजनी कांत दूबे/डुमरांव

लोकसभा चुनाव की तिथि घोषित होने के साथ ही सभी दलीय व निर्दलीय प्रत्याशी अपने-अपने स्तर से चुनाव प्रचार अभियान में जुट गए है। प्रत्याशी अपने लोक लुभावने वायदों से जनता को अपने पक्ष में गोलबंद करने का प्रयास तेज कर दिए है। लेकिन, आम जनता अभी चुप्पी साध बैठी है। वैसे भी बक्सर संसदीय क्षेत्र की जनता अपने पत्ते चुनाव के दिन ही खोलती है तथा प्रत्याशियों के चयन पर तवज्जों देती है। आम मतदाता राजनैतिक दलों द्वारा थोपे गए प्रत्याशियों तथा निर्दलियों के वायदों से इतर स्वेच्छा से मतदान करती है। इसका प्रमाण पिछले लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिला था, जब चुनावी मैदान में भाग्य अजमा रहे कुल 15 प्रत्याशियों में 12 से आगे नोटा था। जाहिर है, पिछले लोस चुनाव में बड़ी संख्या में मतदाताओं को कोई प्रत्याशी पसंद नहीं आया। जिस कारण मतदाताओं ने स्वेच्छा से नोटा का बटन दबाया था। पिछले बार के चुनाव में कुल 16 हजार 447 मतदाताओं ने नोटा को वोट दिया था। इस बार भी ऐसी स्थिति बन सकती है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है।

वर्ष 2013 के चुनाव में नोटा को किया गया था शामिल: रोहतास जिले के दिनारा, कैमूर जिले के रामगढ़ के अलावे बक्सर जिले के राजपुर, ब्रह्मपुर, बक्सर व डुमरांव क्षेत्रों में कई निर्दलीय उम्मीद्वारों के वोटों से ज्यादा वोट नोटा के पक्ष में मिला था। दो विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गिनती की शुरूआत होते ही तीसरे राउंड से ही नोटा के वोटों की संख्या दहाई अंक में हो गयी। जैसे-जैसे मतगणना के रुझान आते गये वैसे-वैसे नोटा विकल्प पर मतदान करने वाले मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी होती चली गयी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वर्ष 2013 के चुनावी मैदान में उतरे प्रत्याशियों को पसंद नहीं आने पर नोटा को विकल्प के रूप में शामिल किया गया था। इसके तहत यदि चुनावी मैदान में उतरे सभी प्रत्याशी किसी को पसंद नहीं है तो मतदाता नोटा का बटन दबा सकता है। बक्सर की जनता ने राजनैतिक दलों द्वारा थोपे गए प्रत्याशियों को नापसंद कर अपने स्वेच्छाचारिता का परिचय दे चुकी है।

सिर्फ तीन उम्मीद्वारों को मिला था नोटा से अधिक मत: बक्सर लोकसभा के पिछले चुनावी आंकड़ों पर गौर करें तो एनडीए गठबंधन के भाजपा उम्मीद्वार अश्विनी कुमार चौबे 4,73,053 वोट लाकर विजयी घोषित हुए थे। दूसरे पायदान पर राजद के प्रत्याशी जगदानंद सिंह को 3,55,444 और बसपा उम्मीद्वार सुशील कुमार सिंह को 80,261 वोट मिला था। ये तीनों उम्मीद्वार ही नोटा के मतों से अधिक मत ला सकें थे। जबकि दलीय और निर्दलीय कुल 12 प्रत्याशी नोटा की संख्या से नीचे रहें।

जिला कुश्ती संघ का हुआ पुनर्गठन, अशोक अध्यक्ष

केटी न्यूज/चौसा

शुक्रवार को जिला कुश्ती संघ का पुनर्गठन किया गया। नई कमिटि में अशोक सिंह को कुश्ती संघ का जिलाध्यक्ष व विकास राज को सचिव बनाया गया है। यह पुनर्गठन राज्य कुश्ती संघ के पर्यवेक्षक तथा संघ के महासचिव विनय कुमार सिंह व कैमूर जिला कुश्ती संघ के सचिव भोरिक सिंह की मौजूदगी में हुआ। पुनर्गठन के लिए चौसा के न्यायीपुर में बैठक आयोजित की गई थी। जिसमे सर्वसम्मति से इनका चयन किया गया। वही, कोषाध्यक्ष के पद पर संतोष सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि राज, उपाध्यक्ष विनोद चौबे, विजय यादव, संतोष चौरसिया ,संजीव यादव ,मोहम्मद मुस्तफा, संयुक्त सचिव के रूप में विपिन बिहारी प्रसाद को सर्वसम्मति से चुना गया। इनके निर्विरोध चयन पर कुश्ती संघ ने बधाई दी है और उम्मीद जताया है कि नयें पदाधिकारियों के नेतृत्व में बक्सर कुश्ती संघ नई उंचाई को छुएगा। जबकि, नवनिर्वाचित सचिव ने बिहार कुश्ती संघ का आभार जताते हुए खिलाड़ियों के लिए जिले में आधुनिक तकनीक से उपलब्ध एक व्यायामशाला खोलने की मांग की, जिससे जिले के ऊजार्वान व होनहार पहलवानों को अच्छा प्रशिक्षण मिल सकें तथा वे राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहरा ओलम्पिक तक पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि जिलेभर में कुश्ती की सघन प्रतियोगिताएं करवा पहलवानों को तराशा जाएगा। मौके पर नीरज कुमार, रवि चौरसिया, शेख पप्पू, गोविंद कुमार, चंदन यादव, चंदन चौधरी, विकास यादव, अंकुर केसरी समेत कई अन्य मौजूद थे।

खबरें फटाफट

जदयू के प्रदेश प्रवक्ता बनें अजीत कुमार लोगों ने दी बधाई

बिक्रमगंज । बिहार प्रदेश जद यू ने संझौली निवासी अजीत कुमार को प्रदेश प्रवक्ता मनोनीत किया है। अजीत कुमार के मनोयन से पार्टी कार्यकताओं सहित एनडीए में हर्ष व्याप्त है। कार्यकर्ताओ ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अजीत कुमार सोशल विचारधारा का एक होनहार छात्र है। उसके प्रदेश प्रवक्ता के रूप में मनोयन से पार्टी के साथ–साथ एनडीए गठबंधन को मजबूती प्रदान होगी। पूर्व मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा, काराकाट लोकसभा सदस्य महाबली सिंह, पूर्व विधायक वशिष्ट सिंह, आर एल एम व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अन्नत कुमार गुप्ता, जद यू प्रखण्ड अध्यक्ष राजेश कुमार, राजेन्द्र चौधरी, सन्तोष कुमार,मंतोष कुमार आदि कई लोगो ने हर्ष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार को बधाई दिया है।

जुलूस में डीजे बजाने पर संचालक सहित झांकी समिति के खिलाफ होगी कार्रवाई

आरा। रामनवमी शोभा यात्रा में डीजे बजाने से पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। बिना लाइसेंस की झांकी भी नहीं निकाली जायेगी। शोभा यात्रा में आदर्श आचार संहिता का भी पालन करना होगा। शुक्रवार को सदर एसडीओ वाला ज्योति नाथ शाहदेव और एएसपी परिचय कुमार के नेतृत्व में आयोजित शांति समिति एवं बीजे संचालकों के साथ बैठक में यह निर्देश जारी किया गया। शोभा यात्रा में झांकी निकालने के लिए समितियों को लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। बिना लाइसेंस झांकी नहीं निकाली जायेगी। शोभा यात्रा में डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। बॉक्स बजाने की अनुमति तो रहेगी, लेकिन बड़े ट्रकों पर साउंड बॉक्स नहीं लगाए जायेंगे। अफसरों का कहना है कि डीजे बजाते पकड़े जाने पर संबंधित डीजे वालों के साथ झांकी समिति के खिलाफ भी कार्रवाई की जायेगी। बैठक में शांति समिति के सदस्यों और डीजे संचालकों के साथ अनुमंडल क्षेत्र के सभी थानों के थानाध्यक्ष उपस्थित थे।

काराकाट एनडीए गठबंधन के मंडल अध्यक्षों ने की बैठक

काराकाट (रोहतास)। शुक्रवार को काराकाट प्रखंड मुख्यालय गोड़ारी में काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत एनडीए के सभी मंडल अध्यक्षों की बैठक आहूत की गई । जिस बैठक में पंचायत स्तर पर काराकाट प्रखंड के सभी एनडीए बूथ अध्यक्षों की बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया । साथ ही साथ बैठक में काराकाट लोकसभा चुनाव 2024 में एनडीए प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित कराने के लिए विशेष रूप से चर्चा की गई ।

बड़हरा थाना क्षेत्र के कोल्हरामपुर गांव के समीप दोपहर में हुई थी घटना

ट्रक की चपेट में आने से सेंट्रिंग मजदूर की मौत इलाज के लिए ले जाने के दौरान तोड़ा दम

♦ हादसे में सारण में तैनात भोजपुर के रहने पुलिस हवलदार की भी गयी थी जान

केटी न्यूज/आरा

मृतक

आरा-छपरा फोरलेन पर बड़हरा थाना क्षेत्र के कोल्हापुर के पास सड़क हादसे में जख्मी सेंट्रिंग मजदूर की भी मौत हो गई। इलाज के लिए पटना ले जाने के दौरान गुरुवार की देर शाम उसने दम तोड़ दिया। मृतक सिन्हा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव निवासी रामजी चौधरी का 28 वर्षीय पुत्र चंदन चौधरी था। उस हादसे में सारण में तैनात कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के कुदरियां गांव निवासी हवलदार हरेंद्र सिंह की गुरुवार की भी मौत हो गई थी। चंदन चौधरी के चाचा मनोज कुमार ने बताया कि हवलदार हरेंद्र सिंह का घर बनाने का काम चल रहा था। चंदन उसमें सेंटरिंग के काम में मजदूरी करता था। उसको लेकर वह उनके साथ लकड़ी लेने बाइक से बबुरा बाजार जा रहा था। उसी दौरान आरा-छपरा फोरलेन पर कोल्हरामपुर गांव के समीप ट्रक ने उनकी बाइक में दोनों को जोरदार ठोकर मार दी थी। उससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। उसके बाद बड़हरा थाने की पुलिस द्वारा दोनों को इलाज के लिए आरा स्थित अस्पताल लाया गया था। वहां से इलाज के लिए पटना ले जाने के दौरान हवलदार हरेंद्र सिंह की मौत हो गई। गुरुवार की देर शाम इलाज के लिए पटना ले जाने के दौरान चंदन ने भी दम तोड़ दिया। उसके बाद परिजन शव लेकर आरा सदर अस्पताल पहुंचे। सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बताया जा रहा है कि चंदन छह भाई और एक बहन में पांचवें स्थान पर था। उसके परिवार में मां सीता देवी, पत्नी ज्योति देवी, पुत्र आकाश और प्रिंस है। घटना के बाद उसके घर में कोहराम मच गया है। मां और पत्नी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

लूट व आर्म्स एक्ट सहित अन्य कांडों में 41 आरोपित गिरफ्तार

आरा। अपराधियों व मादक पदार्थों कै तस्करों की गिरफ्तारी और शराब के खिलाफ एसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस ने पिछले 24 घंटे में लूट और आर्म्स एक्ट सहित अन्य कांडों में 41 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मैगजीन लोड एक पिस्टल, लूटा गया एक लेडिज पर्स और एक हजार रुपए भी बरामद किया गया है। अवैध शराब की आधा दर्जन भट्ठियां ध्वस्त की गयी और 750 लीटर महुआ पास भी नष्ट किया गया है। वहीं 95 लीटर देशी और 87 लीटर अंग्रेजी शराब भी बरामद की गयी है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से प्रेस बयान जारी कर यह जानकारी दी गई। बताया गया है कि मुफस्सिल थाने की पुलिस द्वारा पांच अप्रैल को पैगा–गुंडी के समीप फोरलेन स्थित ओवरब्रिज के पास लूट के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार पांच अप्रैल को अपराधियों ने शुभकरणगंज गांव निवासी धुमराज सिंह से हथियार के बल पर बीस हजार रुपए और बाइक की लूट ली थी। उसे लेकर अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। जांच में जुटी पुलिस टीम ने लूट में शामिल दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। वहीं गड़हनी थाने की पुलिस की ओर से भी लूट के मामले में एक बदमाश को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से लूटा गया लेडिज पर्स और एक हजार रुपए भी बरामद कर लिया गया है। जगदीशपुर पुलिस की ओर से भी आपराधिक वारदात को अंजाम देने निकले एक बदमाश को मैगजीन लोड पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया गया है। प्रेस बयान के अनुसार दहेज हत्या और एससी–एसटी एक्ट में एक–एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है।

सड़क हादसे में बाल-बाल बचा स्कूटी सवार दंपती, हंगामा और रोड जाम

♦ बच्चे का नामांकन कराने स्कूल जाने के दौरान ट्रक ने स्कूटी में मारी ठोकर

केटी न्यूज/आरा

कोईलवर थाना क्षेत्र के छोटका चंदा मोड़ के समीप शुक्रवार को बच्चे समेत स्कूटी सवार एक दंपती बालू लदे ट्रक की चपेट में आ गया। हालांकि लोगों के शोर मचाने पर चालक ने ट्रक रोक दी, जिससे तीनों की जान बच गई। गुरुवार को मां बेटे की मौत के बाद शुक्रवार को उसी जगह पर फिर से हादसा होने से लोगों का गुस्सा भड़क उठा। आक्रोशित लोग सड़क पर उतर गये और रोड़ जाम कर दिया। जाम कर रहे लोग यातायात नियंत्रण के लिए स्थायी तौर पर पुलिस बल की तैनाती की मांग कर रहे थे। सूचना मिलने पर पहुंचे कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तमचंद्र और बीडीओ विजय कुमार मिश्र की पहल पर जाम समाप्त हुआ। ग्रामीणों की मांग को देखते हुए तत्काल प्रभाव से छोटका चंदा मोड़ पर पुलिस बल की तैनाती की गई। इधर, सड़क जाम के कारण काफी देर तक आवागमन बाधित रहा। बताया जा रहा है कि कोईलवर नगर पंचायत के वार्ड 01 कटकैरा निवासी लालबहादुर सिंह अपने बेटे आशू का नामांकन कराने अपनी पत्नी प्रियांशु और बेटे के साथ स्कूटी से झलकुनगर स्थित एक निजी विद्यालय में जा रहे थे। उस क्रम में छोटका चंदा मोड़ के समीप एक-दूसरे से आगे निकलने की मची होड़ में तेज रफ्तार से दौड़ रहे ट्रक ने उनकी स्कूटी को ठोकर मार दी। उससे वे सड़क पर गिर पड़े और स्कूटी सहित बालू लदे ट्रक के नीचे जा गिरे। उन्हें गिरता देख स्थानीय लोगों ने हो-हल्ला मचाना शुरू कर दिया। शोर सुन ड्राइवर ने ट्रक रोक दिया, जिससे उनकी जान बच सकी। इधर, हादसे से लोग आक्रोशित हो सड़क पर उतर गये। गुस्साए लोगों का आरोप था कि अभी 24 घंटे पहले इसी जगह पर मोपेड सवार दुधमुहें बच्चा और उसकी मां की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। आज फिर उसी घटना की पुनरावृत्ति हो गई। गनीमत रहा कि किसी की जान नही गयी।

एक नजर

इंदु तपेश्वर महिला कॉलेज के इंटर खंड में 480 छात्राओं का होगा नामांकन

बिक्रमगंज (रोहतास)। स्थानीय शहर के इंदु तपेश्वर सिंह महिला कॉलेज में शैक्षणिक सत्र 2024-26 अंतर्गत सभी 480 छात्राओं का इंटर में नामांकन में होगा। इस संबंध में इंटर खंड प्राचार्य शशि रंजन कुमार ने बताया कि मैट्रिक में उत्तीर्ण केवल छात्राओं का सत्र 2024-2026 में नामांकन के लिए बिहार विद्यालय परीक्षा समिति पटना द्वारा ओएफएसएस के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन लिया जा रहा है। जिसको लेकर सभी छात्राओं सहित उनके अभिभावकों को सूचित करना है कि इस वर्ष बिहार विद्यालय परीक्षा समिति पटना द्वारा कॉलेजों का मान्यता रद्द करते हुए उनका ओएफएसएस पोर्टल पर से नाम हटा दिया है। लेकिन केवल स्कूल का नाम दिखा रहा है। जिसके तहत एक मात्र कॉलेज की सूची में इंदु तपेश्वर सिंह महिला कॉलेज,बिक्रमगंज का नाम अंकित है। जो अनुमंडल मुख्यालय का एकमात्र गौरवपूर्ण संस्थान जिसे निदेशक शैक्षणिक,बिहार विद्यालय परीक्षा समिति पटना के द्वारा सत्र 2024 -2026 से 480 सीट की वृद्धि दी गई है। जो कि अभी रोहतास जिला के किसी भी स्कूल कॉलेज को इतना सीट प्रदान नहीं किया गया है। जिसको लेकर प्राचार्य ने अनुरोध करते हुए कहा है कि इंदु तपेश्वर सिंह महिला कॉलेज,बिक्रमगंज का प्रथम वरीयता देते हुए छात्र अपना जल्द निर्धारित तिथि तक नामांकन कराते हुए छात्राएं विद्यालय में अनुभवी शिक्षकों के द्वारा शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को उज्वल बनाएं।

डीएम ने घाट का निरीक्षण कर सफाई एंव सुरक्षा व्यवस्था का किया मुआयना, दिए आवश्यक निर्देश

जहानाबाद। लोकआस्था के महापर्व छठ के मद्देनजर जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडे ने शुक्रवार को काको स्थित सुर्य मन्दिर एंव दक्षिणी स्थित छठ घाट का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत एंव बी डी ओ व अंचलाधिकारी को निर्देश दिया कि पनिहस की समुचित तरीके से सफाई कराएं।उन्होंने कचड़े का उठाव कराने व सुरक्षा के दृष्टिकोण से बैरिकेटिंग का भी निदेश दिया। जिलाधिकारी ने घाट के समीप महिलाओं के लिए कपड़ा बदलने के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था और अस्थाई शौचालय निर्माण कराने का भी निदेश दिया ।साथ ही आवश्यकता के अनुरूप रौशनी की समुचित व्यवस्था करने व सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से एस.डी.आर.एफ. टीम और तैराकों की तैनाती का निर्देश दिया ताकि आपात स्थिति में इनकी मदद तत्काल ली जा सके।डी एम भीड़ को निर्यत्रित करने के लिए घाटों के समीप नियंत्रण कक्ष के गठन एंव माईकिंग की व्यवस्था करने का निदेश दिया।

कुरुर गांव में दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट, आधा दर्जन लोग जख्मी

काराकाट (रोहतास)। काराकाट थाना क्षेत्र के कुरुर गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट हुआ जिसमें दोनों पक्षों ने अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराया। जो एक पक्ष के मुन्ना सिंह पिता स्व. गंगा यादव ने कुरुर गांव के छः लोगों को आरोपी बनाया है। मुन्ना सिंह ने कुरुर गांव निवासी सतेंद्र सिंह, गोलू कुमार, सुजीत कुमार पिता सतेंद्र सिंह,रंजित कुमार,अजय सिंह,सुजीत कुमार को आरोपी बनाया है। वहीं दूसरे पक्ष के सुजीत कुमार ने छः लोगों को आरोपी बनाया है। कुरुर गांव निवासी रविरंजन कुमार,मुना यादव,राजेश कुमार यादव,रविन्द्र कुमार,मंटू कुमार उर्फ नटाई यादव को आरोपी बनाया गया है। जिसके विरुद्ध मुन्ना सिंह ने दुकान से रुपये लूटने का आरोप लगाया है वहीं सुजीत कुमार ने रास्ते में आने पर घात लगाकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी से मामले पर जानकारी लेने पर बताया कि दोनों पक्षों का आवेदन लेकर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है ।

पुलिस ने 40 किलो गांजा के साथ दो आरोपी को किया गिरफ्तार

♦ दो गांजा तस्कर दो अलग अलग दो बाइक सवार हो गंजा बिक्री के लिए जा रहे थे

केटी न्यूज/नोखा

थाना क्षेत्र के जखनी पुल के समीप शुक्रवार को पुलिस ने छापेमारी भरी मात्रा में गांजा बरामद किया। इस संबंध में सासाराम एसडीपीओ-2 कुमार वैभव ने कांड की समीक्षा करते हुए बताया कि गुप्त सूचना के नोखा थाना क्षेत्र के सासाराम मुख्य पथ के जखनी पुल समीप दो गांजा तस्कर दो अलग अलग दो बाइक सवार हो गंजा बिक्री के लिए जा रहें थे। जिसे नोखा थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मलाकर पुलिस बल के साथ दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। जिसके दौरान दोनों तस्करों के पास से दो बाइक पर दो बोरा में कुल चालीस पैकेट गांजा बरामद किया गया। जिसका कुल वजन 42. 935 किलोग्राम था। जिसकी कीमत लगभग 5 पांच लाख रुपए है। साथ ही उनके पास से दो मोबाइल सहित 7500 नगद रुपए भी पुलिस ने बरामद किया। दोनों गिरफ्तार आरोपी में 21वर्षीय रितेश कुमार उर्फ बंटी, पिता परशुराम सिंह, ग्राम तेंदुआ, थाना करहगर जबकि दूसरा आरोपी 24 वर्षीय लल्लू कुमार,पिता धनजी चंद्रावशी जो गमहरिया थाना के रहने वालें है। इस मामलें में दोनों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया। जिन आरोपियों के गिरफ्तारी में इंस्पेक्टर सुरेश कुमार सहित पुलिस बल का अहम योगदान रहा।

जनता को मतदान के प्रति रिझाने में लगें लोकसभा प्रत्याशी उपेंद्र

केटी न्यूज/डेहरी (रोहतास)

काराकाट लोकसभा क्षेत्र के अपने इलाके के डेहरी विधानसभा क्षेत्र के चिलबिला, आयरकोठा, दरिहट, पहलेजा इत्यादि दर्जनों गांवों में व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक राजू गुप्ता पूर्व केंद्रीय मंत्री सह एनडीए के भावी प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा के साथ धुआंधार दौरा एवं बैठक में होकर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा कराने के लिए पुरे मुस्तैदी से उपेंद्र कुशवाहा को अपना समर्थन देने की अपील की। उन्होंने ने कहा कि देश का निरंतर विकास जारी रखने के लिए देश की जनता फिर नरेंद्र मोदी को देश का कमान देने का मन बना लिया है। जो इस बार 400 के पार के संकल्प का लोग पूरा करेंगे।

दो गोला चैता मुकाबला में संगीत कलाकारों ने देर रात बिखेरा जलवा

केटी न्यूज/ काराकाट

काराकाट प्रखंड क्षेत्र के महुअरी गांव में गुरुवार की रात दो गोला चैता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । कृष्ण प्रेमपथ कमिटी महुअरी द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के बलियां और भोजपुर की टीम ने भाग लिया । दोनों टीमों ने एक से बढ़कर एक चैता गीत प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गायन कार्यक्रम की शुभारंभ सुमिरन कंठे सुरवा होख ना सहईया हो रामा......से किया गया।

कार्यक्रम के पूर्व आयोजक मंडल ने दोनों टीमों के कलाकारों और सभी अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया । दोनों टीमों ने एक दूसरे पर गीत के माध्यम से जमकर कटाक्ष करते हुए लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। वही मुकाबला में भोजपुर की टीम प्रतियोगिता में विजेता रही। जो विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। मौके पर ग्राम पंचायत काराकाट मुखिया सह मुखिया संघ जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह, भाजयुमों के प्रदेश महासचिव रितेश राज, नावानगर जिला पार्षद राजू यादव, काराकाट जिला पार्षद रितेश कुमार सिंह , एपीएस स्कूल बुढ़वल गोड़ारी के निदेशक अविनाश सिंह, सीएचसी गोड़ारी के डाटा ऑपरेटर नागेंश्वर तिवारी, सुरेन्द्र दुबे, काराकाट पैक्स अध्यक्ष छोट्टू सिंह सहित कई लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल संचालन में अंकूर पांडेय,टिकू पांडेय, मनीष पांडेय कृष्ण प्रेमी, दिपक पांडेय, पिंटू पांडेय की सराहनीय भूमिका रही।

गाजीपुर लोकसभा चुनाव में इस बार धर्म और अधर्म के बीच है लड़ाईः अभिनव सिन्हा

केटी न्यूज/ गाजीपुर

लोकसभा चुनाव को लेकर जनपद में सियासत तेज हो गई है। चुनावी रेस में भाग लेने के लिए उम्मीदवार मैदान में उतर गए हैं। इस बीच भाजपा से हाल ही में घोषित प्रत्याशी पारस नाथ राय को लेकर चचाओं का बाजार गर्म है। सोशल मीडिया से लेकर भाजपा के कार्यकताओं में विरोध देखा जा रहा है। बावजूद इसके पार्टी नेतृत्व अपने उम्मीदवार को लेकर तटस्थ है।

उधर शुक्रवार को भाजपा कार्यालय पर घोषित प्रत्याशी पारस नाथ राय को लेकर आयोजित

प्रेसवार्ता में भाजपा के युवा नेता अभिनव सिन्हा ने कहा कि लोकसभा चुनाव -2024 का चुनाव धर्म और अधर्म के बीच है। गीता में यह उल्लेख है कि जब-जब धरती पर अधर्म होता है उसे नाश करने के लिए भगवान जन्म लेते हैं। कहा कि एक तरफ भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी भावी पीढ़ी को शिक्षित करके संवारने का काम करते हैं, दूसरी तरफ विपक्ष के एक ऐसे प्रत्याशी हैं कि उन पर टिप्पणी करना हमें शोभा नहीं देता है। उनके बारे में दुनिया जानती हैं। सोशल मीडिया पर भाजपा प्रत्याशी के विरोध पर कहा कि यह परिवार की बात है। बातचीत करके समस्या का समाधान कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि भाजपा के प्रत्याशी पारसनाथ राय पिछले पांच दशक से संघ पर पार्टी से जुड़े हुए हैं और हर विधानसभा और लोकसभा चुनाव में उनकी सक्रिय भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा कैडरबेस पार्टी है और शीर्ष नेतृत्व गहन मंथन करके उनहें प्रत्याशी बनाया है।

बता दें कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व के निर्णय के साथ आज जिले का हर कार्यकर्ता और विकास को चाहने वाले लोग हैं। टिकट कटने के सवाल पर उन्होने कहा कि भाजपा कार्यकताओं की पार्टी है शीर्ष नेतृत्व का निर्णय सर्वमान्य है निश्चय ही 2024 में कमल का फूल खिलेगा और जो विकास कार्य रुके हैं वह पूरा होंगे। प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी पारसनाथ राय ने पार्टी के प्रति आभार व्यक्त किया है कि उन्हे प्रत्याशी बनाया गया है। विरोध के प्रश्न पर उन्होने कहा कि सभी कार्यकर्ता प्रसन्न हैं। जो रुठे हैं उन्हे मना लिया जायेगा। सपा प्रत्याशी अफजाल अंसारी के प्रश्न पर उन्होने कहा कि मैं एक शिक्षक हूं और चाणक्य का शिष्य हूं और नंदवंश का नाश कैसे हो यह मैं जानता हूं। लोकसभा में जातिगत समीकरण के सवाल पर उन्होने कहा कि पूरे देश में जातिगत समीकरण टूटे हैं अगर जाति का फामूर्ला लागू होता तो मोदी जी प्रधानमंत्री नही होते।

पिछले चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन के बावजूद मनोज सिन्हा 2014 के मुकाबले एक लाख 48 हजार मत ज्यादा पाये थे इससे यह प्रतीत होता है कि जिले में जाति गठबंधन टूटे हैं। 2019 के चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन के बावजूद भी भाजपा ने पूरे प्रदेश में परचम लहराया है। भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी पारसनाथ राय बहुत पुराने संघ और पार्टी के कार्यकर्ता रहे हैं।

बलिया के जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर दिए आवश्यक निर्देश

शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में हर हाल में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करें अधिकारी

- जिलाधिकारी बोले- इस बार मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार आगामी तीन माह तक प्रचंड गर्मी पड़ने के हैं आसार
- ऐसे में खराब पड़े आरओ प्लांट, इंडिया मार्का हैंडपंप और पाइपों की जल्द से जल्द कराएं मरम्मत

केटी न्यूज/बलिया

लोकसभा चुनाव और दिन प्रतिदिन बढ़ती गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने जनपद में पीने के पानी की व्यवस्था को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार की दोपहर बैठक की। इस दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी एवं डीपीआरओ सहित अन्य अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि इस बार मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि आगामी तीन माह तक प्रचंड गर्मी पड़ने के आसार हैं। उन्होंने नगर पालिका नगर निकाय नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारियों को नगरीय क्षेत्रों में जल निगम शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डीपीआरओ को जल निगम ग्रामीण के साथ सामंजस्य स्थापित कर खराब हुए आरओ प्लांट, इंडिया मार्का हैंडपंप और पाइपों की मरम्मत कराकर शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि पीने के पानी की व्यवस्था को गंभीरता से लेते हुए इसकी प्रॉपर मॉनिटरिंग करें और इन सभी की बेहतर कार्य योजना रिपोर्ट एक हफ्ते के अंदर प्रस्तुत करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जिलाधिकारी की देख-रेख में क्रॉप कटिंग की कार्यवाही संपन्न

बलिया। जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार की निगरानी में शुक्रवार की दोपहर तहसील सदर विकासखंड हनुमानगंज के राजस्व ग्राम धरहरा में किसान विनय कुमार के खेत में रबी फसल गेहूं की क्राप कटिंग की कार्यवाही संपन्न हुई। इस दौरान मौके पर संबंधित कर्मचारियों द्वारा रैंडमली ऑनलाइन चयनित ग्राम के एक खेत में समबाहु त्रिभुज के प्रति 10 मीटर भुजा वाले क्षेत्र के अंतर्गत रबी फसल गेहूं की कटाई हुई और कटाई छंटाई के बाद गेहूं का वजन 17.640 किलो ग्राम प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी ने वहां मौजूद किसानों से संवाद किया और अपने नजदीक के क्रय केंद्र पर गेहूं बेचने के लिए कहा और बताया कि सरकारी गेहूं की क्रय केंद्र पर प्रति कुंतल 2275 सरकारी मूल्य निर्धारण किया गया है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सही आंकड़े शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए,जिससे वास्तविक आंकड़े ही परिलक्षित हो। सहायक सांख्यिकी अधिकारी सोमनाथ ने बताया कि क्रॉप कटिंग या फसल कटाई के प्रयोग द्वारा फसल की औसत पैदावार निकाली जाती है। क्रॉप कटिंग के आधार पर ही जनपद के कृषि उत्पादन के आंकड़े तैयार करके शासन को भेजे जाते हैं।क्रॉप कटिंग से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर फसल बीमा धारक को नुकसान का मुआवजा दिया जाता है। कृषि विभाग जनपद के समस्त क्षेत्रों के क्रॉप कटिंग आंकड़ों का औसत निकाल कर शासन को भेजता है। इसके आधार पर ही जनपद में विभिन्न फसलों की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता का निर्धारण किया जाता है।इस दौरान नायब तहसीलदार प्रदीप कुमार यादव, राजस्व निरीक्षक तारकेश्वर सिंह, लेखपाल बैजनाथ सिंह सहित अन्य संबधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने पौधारोपण कार्य के लिए निर्धारित लक्ष्य की समीक्षा की

बलिया। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति व जिला वेटलैंड समिति, जिला वृक्षारोपण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें बैठक में खासतौर पर वर्ष 2024-25 में आवंटित लक्ष्य के तहत जिले में होने वाले वृक्षारोपण कार्यक्रम की समीक्षा की गई।

डीएफओ ने बताया कि वन,पंचायती राज, नगर विकास, रेलवे, पशुपालन, कृषि, ग्राम्य विकास और लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों को मिलाकर जनपद बलिया का वर्ष 2024-25 के लिए वृक्षारोपण का आवंटित लक्ष्य 39.29 लाख है। जिलाधिकारी ने डीएफओ को निर्देशित किया कि जितने भी स्थानों पर वृक्षारोपण का कार्य होना है वहां प्रत्येक विभाग के वृक्षारोपण कार्य के लिए स्थलवार नोडल अधिकारी नामित किया जाए, जिससे पौधों की सुरक्षा, सिंचाई एवं अनुरक्षण कार्यों को नियमित रूप से किया जा सके। पौधारोपण के पश्चात उनकी सफलता सुनिश्चित करने हेतु सुरक्षा, सिंचाई तथा समुचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण जरूरी है। आम जन को भी पौधरोपण के प्रति जागरूक किया जाना जरूरी है। लोगों को इस बात के प्रति जानकारी देना जरूरी है कि वृक्ष से ही हम सभी का जीवन है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज, डीएफओ विमल आनंद सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

महिला ने तहसील परिसर में आत्मदाह की दी चेतावनी, पुलिस के आश्वासन पर मानी

गाजीपुर। भुड़कुड़ा कोतवाली अंतर्गत रायपुर जाही निवासी पीड़ित महिला नीतू यादव ने दो दिन पूर्व उप जिलाधिकारी और पुलिस उपाधीक्षक के कार्यालय में आवेदन देकर 12 अप्रैल तक जमीनी विवाद का निस्तारण न करने पर तहसील परिसर में आत्मदाह की चेतावनी दी थी। इसके बाद से ही पुलिस प्रशासन पीड़ित महिला की हर प्रकार के इनपुट ले रही थी।

भुड़कुड़ा कोतवाली के महिला कांस्टेबल और पुरुष कांस्टेबलों ने पीड़िता नीतू यादव को घर पहुंचे और पीड़िता को जखनियां तहसील आए, जहां कोतवाल तारावती ने खुद अपने साथ पीड़िता महिला को लेकर उप जिलाधिकारी कमलेश सिंह के कार्यालय में सुबह 11:00 बजे पहुंचे। इसके बाद दो बजे उप जिलाधिकारी कमलेश सिंह ने महिला के मामले में विपक्षियों द्वारा लगाई गई ईट को सोमवार तक हटाने का आश्वासन दिया और अन्य घरेलू जमीनी विवाद को भी निस्तारण करने का आश्वासन दिया। इसके बाद नीतू ने अपना आत्मदाह का अल्टीमेटम वापस लिया और पुलिस ने घर तक छोड़ी। मालूम है कि रायपुर जाही गांव निवासी पीड़ित महिला नीतू यादव लगभग डेढ़ माह पूर्व रात 11:00 बजे पुश्तैनी घरोही के भूमि में खड़ंजा लगा दी। जब महिला ने रोका तो दबंगों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। बाद में पुलिस ने विपक्षियों पर भी मामूली कार्रवाई की लेकिन जमीनी विवाद का निस्तारण नहीं कर पाई। पीड़ित महिला नीतू ने सीएम, डीएम, एसडीम सहित उच्च अधिकारियों तक आवेदन देकर न्याय गुहार लगाती रही लेकिन जब कोई आवेदन की सुनवाई नहीं हुई।

एक नजर

बलिया एसपी देव रंजन वर्मा ने पुलिस लाइन में परेड की ली सलामी, किया निरीक्षण

बलिया। पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा द्वारा पुलिस लाईन परेड ग्राउंड में शुक्रवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई। परेड में सम्मिलित पुलिसकर्मियों की परेड ग्राउंड पर परेड की एकरूपता व अच्छे प्रदर्शन हेतु टोलीवार ड्रिल की कार्रवाई का निरीक्षण कर परेड को ज्यादा आकर्षक, सुसज्जित एवं बेहतर तरीके से कराने के लिए क्षेत्राधिकारी नगर व प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाईन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। तत्पश्चात पुलिस क्लब का निरीक्षण कर सम्बंधित को मरम्मत और साफ-सफाई आदि के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर गौरव कुमार शर्मा एवं प्रतिसार निरीक्षक सुभाष यादव सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बाइक हटाने को लेकर विवाद में दो पक्षों में हुई जमकर मारपीट, तीन लोग घायल

चंदौली। सदर कोतवाली क्षेत्र खगवल गांव में मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों के जमकर मारपीट हो गई। जिसमें तीन लोग घायल हो गए। घटना को देखते हुए आस पास के लोगों ने तत्काल इसकी जानकारी पुलिस को दी घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को उठाकर कोतवाली ले आई और आगे की कार्यवाही में जुट गई। दरअसल खगवल गांव के समीप कोड़िरिया गांव का एक युवक अपनी बाइक खड़ा कर दिया था। उसी रास्ते से बर्थरा गांव निवासी हरेंद्र अपनी ऑटो लेकर जा रहा था। इस पर ऑटो चालक ने युवक से बाइक हटाने को बोल दिया। बस यही बात युवक को नागवार लग गई। और ऑटो चालक को मारने लगा यह नही युवक ने फोन कर अपने कुछ दोस्तों को और बुला लिया। और सभी मिलकरे ऑटो चालक की पिटाई करना शुरू कर दिए। अपना बीच बचाव करते हुए ऑटो चालक पास के बस्ती में भागा। जिसको दौड़ाते हुए सभी लड़के बस्ती में घुस गए। बस्ती वालों ने इसका विरोध किया। तो युवक बस्ती वालों के साथ गालीगलौज के साथ मारपीट करने लगे। फिर बस्ती वाले भी युवकों को मारने लगे। इसमें कोडरिया के दो व खगवल के एक ब्यक्ति घायल हो गए।

ट्रेन की चपेट में आने से किसान की मौत

गाजीपुर। भुड़कुड़ा कोतवाली अंतर्गत मुड़ियारी गांव निवासी 22 वर्षीय युवक मिथुन राजभर गेहूं की कटी फसल को देखकर घर लौट रहे थे कि गांव के पास स्थित रेलवे ट्रैक पार करते समय वाराणसी से लखनऊ जा रही कृषक एक्सप्रेस के चपेट में आ जाने से मृतक मिथुन राजभर रेलवे ट्रैक से कुछ दूर जा गिरे जिसमें मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मुड़ियारी गांव में जब मिथुन राजभर की मौत की सूचना मिलते ही ग्रामीणों घटनास्थल पर पहुंचे।साथ ही मृतक का मां श्याम प्यारी देवी सहित परिजन रोने बिलखने लगे। गांव के पूर्व प्रधान सुभाष राजभर ने कहा कि मृतक चार भाइयों में सबसे छोटा था।मृतक के पिता राजाराम राजभर की पूर्व में ही मौत हो जाने से परिवार आर्थिक स्थिति से निपटने में मुश्किल हो रहा था।किसी तरह मेहनत मजदूरी और अधिया खेती करके जीविका चलाते थे।लेकिन मिथुन राजभर परिवार का कमाऊ सदस्य था। लेकिन ट्रेन के चपेट में आने से मौत हो गई।

मुगलसराय भाजपा चुनाव संचालन समिति ने कार्यकताओं में भरा उत्साह

चंदौली। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा मुगलसराय के चुनाव संचालन समिति की बैठक सुभाषनगर में आयोजित हुई। मुख्य अतिथि भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सबका साथ सबका विकास के पथ पर चलते हुए भाजपा ने चतुर्दिक विकास किया है। आप जिम्मेदार कार्यकताओं ने मेरा बूथ सबसे मजबूत योजना को धरातल पर उतारा है। जिलाध्यक्ष काशीनाथ सिंह ने कहा कि विभिन्न अभियानों के माध्यम से हमें जन जन तक पहुंचाना है, विकसित भारत बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी मुख्यमंत्री योगी जी के साथ साथ चंदौली के भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेंद्रनाथ पाण्डेय ने भी चन्दौली में अनगिनत कार्य किए हैं। इस अवसर पर भाजपा की राज्यसभा सांसद साधना सिंह , लोकसभा चुनाव संयोजक सर्वेश कुशवाहा, लोकसभा चुनाव प्रभारी भानू प्रताप सिंह,पूर्व जिलाध्यक्ष शमशेर बहादुर सिंह , पूर्व जिलाध्यक्ष राणा प्रताप सिंह , विधायक रमेश जायसवाल, लोकसभा विस्तारक अनुज शर्मा , विधान सभा चुनाव संयोजक शिवशंकर पटेल , विधान सभा चुनाव प्रभारी शिवकुमार , क्षेत्रीय व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक अनिल गुप्ता समेत अन्य मौजूद थे।

ओवरटेक करने के चक्कर में पिकअप ने बाइक सवारों को रौंदा, एक युवक की मौत

केटी न्यूज/दयाछपरा

राष्ट्रीय राजमार्ग 31 पर बैरिया थाना क्षेत्र के टेंगरही हनुमान मंदिर के पास ट्रक को ओवरटेक करने में पिकअप ने बाइक सवारों को रौंद दिया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मृत युवक के शव को कब्जे में लेने के साथ ही घायल को सीएचसी सोनबरसा पहुंचाया, जहां से चिकित्सकों ने उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घटना स्थल पर पुलिस के पहुंचने से पहले ट्रक चालक व पिकअप चालक अपना वाहन लेकर फरार हो गए थे। मृतक की पहचान मनीष यादव (19) पुत्र सत्यदेव यादव (निवासी हर छपरा दयाछपरा, बैरिया) व बुरी तरह से घायल संजय साह (22) पुत्र पूर्णवासी साह (निवासी हरछपरा दयाछपरा, बैरिया) के रूप में हुई।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक व पिकअप बलिया से बैरिया की तरफ आ रहे थे वही, बाइक सवार बैरिया से अपने गांव हरछपरा जा रहे थे। टेंगरही के पास ट्रक से पास लेने के चक्कर में पिकअप ने बाइक को रौंद

दिया। मनीष यादव का सिर पिकअप से पूरी तरह कुचल गया था, जबकि संजय भी बुरी तरह से घायल था। एसएचओ धर्मवीर सिंह ने बताया कि मृतक का शव पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए बलिया भेजा गया है। घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजवा दिया गया है। दुर्घटना में शामिल ट्रक व पिकअप की तलाश की जा रही हैं। इस घटना के बाद कुछ देर के लिए एनएच 31 पर यातायात रुका हुआ था। वही परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

अचानक फट गया तेज रफ्तार कार का टायर, सात घायल

केटी न्यूज/चंदौली

जिला मुख्यालय पर शुक्रवार को अनियंत्रित कार सड़क किनारे बोल्डर से टकराकर पलट गई। हादसे में कार सवार सभी सात लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस और एनएचएआई हेल्पलाइन की टीम ने सभी घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भिजवाया। कार सवार कोलकाता से सुल्तानपुर जा रहे थे। इस बीच एसपी आवास के समीप तभी कार का चक्का फट गया, जिससे अनियंत्रित कार सड़क किनारे रखे बोल्डर से टकराते हुए पलट गई। दुर्घटना इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। मौके पर पहुँचे स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को वाहन से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस और एनएचएआई हेल्पलाइन की टीम ने सभी घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भेजवाया। घटना में सुल्तानपुर निवासी संदीप मिश्रा (56 वर्ष) के परिवार के सदस्य संजय मिश्रा (45), सुजल मिश्रा, किरण मिश्रा, सृष्टि मिश्रा और दो अन्य लोग घायल हो गए? घायलों में संदीप मिश्रा और चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया। संदीप मिश्रा की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उसे वाराणसी ट्रामा सेन्टर रेफर कर दिया। इस संबंध में सदर थाना प्रभारी गगन राज सिंह ने बताया कि अनियंत्रित कार पलटने से सात लोग घायल हो गए।

सत्येंद्र बोले- पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन पूरी ईमानदारी व निष्ठा से करेंगे

बसपा ने सत्येंद्र कुमार मौर्य को बनाया चंदौली से उम्मीदवार

केटी न्यूज/चंदौली

एक जून को होने वाले आम चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी ने अपने पत्ते खोलते हुए चंदौली लोकसभा से सत्येंद्र कुमार मौर्य को प्रत्याशी बनाया है। पार्टी कार्यालय से इस बारे में पत्र जारी होते ही समर्थकों में उत्साह की लहर दौड़ पड़ी है। घोषणा के बाद सत्येंद्र मौर्य ने बसपा सुप्रीमो मायावती का आभार जताते हुए जिले को विकसित करने की बात कही है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय पर निशाना साधते

हुए कहा कि बीते दस वर्षों में जिले का विकास पीछे छूट गया।

सत्येंद्र कुमार मौर्य ने कहा कि बसपा ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ करुंगा। जिले की बदहाल सड़कें, शिक्षा, स्वास्थ्य की बुनियादी सुविधाओं का अभाव मुद्दे बताने के लिए काफी हैं। कहा किबेरोजगारी और महिला सुरक्षा के साथ ही सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय का नारा ही उनका मुद्दा होगा।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री महेंद्र पांडेय के बारे में कहा कि 10 साल से वे यहां से सांसद हैं, दो सरकारों में मंत्री रहे, लेकिन जिला विकास के लिहाज से पिछड़ा ही रहा।जिले में विकास के लिए जरूरी कदम नहीं उठाए गए. महेंद्र पांडेय केंद्र सरकार में भारी उद्योग मंत्री हैं, लेकिन जिले में युवाओं को रोजगार मिल सके, ऐसा कोई उद्योग नहीं लगवाया।

बता दें कि सत्येंद्र कुमार मौर्य मूल रूप से अजगरा विधानसभा के गोसाईपुर मोहांव के निवासी हैं. उन्होंने इंटरमीडिएट तक की शिक्षा प्राप्त की है और पेशे के रियल इस्टेट कारोबारी हैं। सत्येंद्र मौर्य 1993 में गाजीपुर की सैदपुर विधानसभा सीट से निर्दल प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ चुके हैं। उन्होंने वर्ष 1995 में बसपा की सदस्यता ग्रहण की। 2007-09 तक बहुजन समाज पार्टी मौर्य भाई चारा समिति में संयोजक रहे। जिले में सबसे पहले भारतीय जनता पार्टी ने केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री और जिले से निवर्तमान सांसद रहे डॉक्टर महेंद्र नाथ पांडे को अपना प्रत्याशी घोषित किया था। इसके बाद समाजवादी पार्टी ने पूर्व मंत्री वीरेंद्र सिंह को प्रत्याशी बनाया और अब बहुजन समाज पार्टी की ओर से चुनावी मैदान में सत्येंद्र कुमार मौर्य हैं। तीनों प्रमुख दलों के उम्मीदवार अब मैदान में आमने-सामने हैं लड़ाई त्रिकोणीय है और जनता को अपना सच्चा प्रतिनिधि चुनना है।

खबरें फटाफट

ट्रैक्टर की टक्कर से विद्युत पोल टूटा, बड़ा हादसा टला

जौनपुर(शाहगंज)। चिरैया मोड़ के अगूर्पुर कटार मार्ग पर शुक्रवार सुबह सात बजे गेहूं लदे ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसकी चपेट में आने से विद्युत पोल टूट कर गिर गया। गनीमत रही कि ट्रैक्टर चालक बिजली की चपेट में आने से बाल-बाल बच गया, नही तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। अंबेडकरनगर जिले के अकबरपुर तहसील के रायपुर निवासी ट्रैक्टर चालक कृष्ण वर्मा गेहूं से लदी ट्रॉली ट्रैक्टर लेकर सुबह चिरैया मोड़ के अग्रसेन मील में जा रहे थे कि अग्रुपुर-कटार मार्ग के गड्ढे में आने से ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई। ट्राली के टक्कर से बिजली विभाग का विद्युत पोल टूटकर चालक के ट्रैक्टर पर गिर गया। मौके पर पहुंचे बिजली विभाग के कर्मचारियों ने विद्युत आपूर्ति बंद कराकर सड़क को जाम से मुक्त कराया।

कंप्यूटेशनल केमिस्ट्री से शोध किफायती: प्रो. राणा कृष्ण पाल सिंह

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित

प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा कंप्यूटेशनल केमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर डिजाइन विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। यह कार्यशाला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के एक्सीलरेट विज्ञान स्कीम के अंतर्गत आयोजित की जा रही है। उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राणा कृष्ण पाल सिंह ने कहा कि कंप्यूटेशनल केमिस्ट्री में शोध की असीम संभावनाएं है। कंप्यूटेशनल केमिस्ट्री से शोधात्मक प्रयोग करने में मदद मिलती हैं। कंप्यूटेशनल केमेस्ट्री के प्रयोग से शोध के परिणाम प्राप्त करने में आसानी होती है तथा यह बहुत किफायती भी होता है। प्रो सिंह ने कहा कि कंप्यूटेशनल केमिस्ट्री की मदद से उच्च कोटि की दवा के शोध में मदद मिलती है। प्रो. सिंह ने प्रतिभागियों को कार्यशाला के पूर्ण मनोयोग से प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के डॉ. रंगनाथ सुब्रमण्यम ने कंपटीशन केमिस्ट्री की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गासियन के प्रयोग से कंप्यूटेशनल केमिस्ट्री के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद के प्रोफेसर अनिमेष कुमार ओझा ने डीएफटी के प्रयोग से रसायन विज्ञान में शोध की महत्ता पर प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहारनपुर के देवबंद में जनसभा को किया संबोधित

माफिया या तो जेल में हैं या जहन्नुम में : योगी

- सीएम ने बीजेपी प्रत्याशी राघव लखन पाल शर्मा के लिए किया प्रचार
- बोले सीएम, कालनेमियों के बहकावे में न आएं, जो राम को लाए हैं, आप उनको लाएं

केटी न्यूज/सहारनपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि माफिया रक्तबीज हैं, इन्हें किसी भी हाल में दोबारा पनपने नहीं देना है। इनके सामने कांग्रेस नतमस्तक थी और सपा दुम दबाकर चलती थी, मगर आज इनमें से कुछ जेल में हैं तो कुछ जहन्नुम चले गये हैं। इनकी गर्मी को पूरी तरह से शांत कर दिया गया है। सीएम योगी शुक्रवार को देवबंद में सहारनपुर लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी राघव लखन पाल शर्मा के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ये चुनाव स्पष्ट रूप से दो ध्रुवों में बंट चुका है। एक तरफ जातिवादी लोग हैं, दूसरी तरफ राष्ट्रवाद को समर्पित लोग हैं। एक तरफ सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने वाले हैं तो दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत माता का स्वाभिमान ऊंचा रहे, तेरा वैभव अमर रहे के भाव वाले लोग हैं।

सच्चा राष्ट्रभक्त उसके साथ होगा जो राम को लाए हैं

मुख्यमंत्री ने कहाकि कि मोदी जी के पहले कई सरकारें आईं, मगर क्या कोई अयोध्या में राममंदिर का निर्माण करा सकता था। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि राम हुए ही नहीं। जैसे हनुमान जी जब संजीवनी बूटी लेने गये थे तो कालनेमी रामनाम का जप कर रहा था। इस चुनाव में भी आपके पास कालनेमी आएंगे और रामनाम का जप करेंगे। मगर सच्चा राष्ट्रभक्त उसके साथ होगा जो राम को लाए हैं। आपने देश में 10 साल और प्रदेश में 7 साल से हमारी सरकार को देखा है। आज दंगाई दंगा करना भूल गये हैं।

न रहेगा बांस न बजेगी बांसुरी

सीएम ने कहा कि पहले जहां से चिल्लाकर उपद्रव करते थे वो माइक ही हमने उतार दिये हैं। न रहेगा बांस न बजेगी बांसुरी। हमारा देश और हमारा धर्म ही हमारा राष्ट्रधर्म है। यह सुरक्षित है तो हम सुरक्षित रहेंगे। ये लोग जो जाति के नाम पर लड़ाने भिड़ाने का काम करते हैं और कालनेमी बनकर गुमराह कर रहे हैं उन्हें बजरंगी बनकर पहचानिए। जातिवाद, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद का क्लेश हर डालिए और जनार्दन स्वरूप धारण कीजिए। आपका यही मंत्र होना चाहिए कि जो राम को लाए हैं, जो कश्मीर से अनुच्छेद 370 को समाप्त किये हैं, जो तीन तलाक को खत्म किये हैं, हम उनको लाएंगे।

दो घंटे की दूरी पर होगी दिल्ली

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस, सपा और बसपा सबने शासन किया मगर सहारनपुर को क्या दिया। यहां हाईवे के निर्माण को इसलिए रोक दिया गया, क्योंकि कांट्रैक्टर कमीशन नहीं दे पा रहा था। मगर अब यहां हाईवे बन चुका है। अब जल्दी ही सहारनपुर से दिल्ली महज दो घंटे की दूरी पर होगा। हाईवे, रेलवे कनेक्टिविटी, विश्वविद्यालय और सहारनपुर को स्मार्ट सिटी बनाया जा रहा है। मां शाकम्भरी के नाम पर बने यूनिवर्सिटी में सत्र प्रारंभ हो चुका है, चुनाव बाद इसका भव्य उद्घाटन होगा।

कोई माफिया जेल में है तो कोई जहन्नुम में

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश की व्यवस्था को माफिया संचालित नहीं कर सकता। माफिया वहीं जाएगा जहां उसकी जगह है। कोई बेटी और व्यापारी के लिए खतरा बनेगा तो उसे मिट्टी भी नहीं मिलेगी। आज कोई माफिया जेल में है तो कोई जहन्नुम में है। बाकी जो बचे हैं स्वयं ही रामनाम सत्य की यात्रा पर निकल गये हैं। यहां बड़े बड़े धुरंधर हुआ करते थे। जब वे चलते थे तो मुख्यमंत्री और मंत्री के काफिले रुक जाते थे। हमने उनकी गर्मी को शांत कर दिया है। जिनकी गर्मी शांत हो चुकी है, उनको ये जातिवादी संगठन फिर से पैदा करना चाहते हैं। इन्हें पैदा नहीं होने देना है, ये रक्तबीज हैं, सामान्य नागरिक का जीना हराम करते हैं। ऐसे जातिवादियों को दो टूक जवाब दीजिए।

प्रयागराज का एक बहुत बड़ा माफिया था...

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो माफिया समाज को लूटते थे उनकी संपत्ति को जब्त करके गरीबों का घर बनवाया जा रहा है। प्रयागराज का एक बहुत बड़ा माफिया था, उसके कब्जे से जमीनों को मुक्त कराते हुए वहां गरीबों के लिए हाईराइज बिल्डिंग का निर्माण कराया गया। सीएम योगी ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में मैं सात साल में जितनी बार सहारनपुर आया हूं, उतना कोई सीएम 60 साल में भी नहीं आया होगा। उन्होंने कहा कि देश में 2014 से पहले लोग भूख से मरते थे, आज 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन मिल रहा है। पहले कांग्रेस के लोग कमीशनखोरी करते थे। आज जनधन अकाउंट के जरिए बिचौलियों को समाप्त कर दिया गया है। सरकार किसी की जाति, मत मजहब देखकर नहीं, बल्कि सबका साथ सबका विकास के भाव से काम कर रही है। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, ब्रजेश सिंह, जसवंत सैनी, भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष हरेन्द्र जाटव, क्षेत्रीय अध्यक्ष युवा मोर्चा सुखविंदर सिंह सोम, जिला प्रभारी डीके शर्मा, चेयरमैन नगरपालिका देवबंद विपिन गर्ग सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

कोई नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ करेगा तो उसके बाप-दादा की प्रॉपर्टी जब्त करके गरीबों में बंटवा देंगे: सीएम

- दंगा और कर्फ्यू लगाने वालों की गर्मी शांत करके यूपी को एक शांत और शुद्ध वातावरण दिया

केटी न्यूज/कैराना

हमारी सरकार ने दंगा और कर्फ्यू मुक्त उत्तर प्रदेश दिया है। वहीं दंगा और कर्फ्यू लगाने वालों की गर्मी को शांत करके आपको एक शांत और शुद्ध वातावरण दिया है। उनको फिर से पनपने का अवसर मत दीजिएगा क्योंकि यह जातिवाद की राजनीति करके पहले दंगों और कर्फ्यू के आमंत्रण की एक शुरूआत करेंगे। इसके बाद बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए खतरे की घंटी बनेंगे, जो यहां के विकास को बाधित करने की साजिश का हिस्सा है। हमें इससे ऊपर उठकर काम करना होगा। इसके लिये हमें दंगाइयों, भ्रष्टाचारियों, अराजक तत्वों, बेटी, मां, अन्नदाता, नौजवान के जीवन से खिलवाड़ करने वालों को दोबारा पनपने नहीं देना है, चाहे वह कोई भी हो। आज कोई भी नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं कर सकता। यदि कोई ऐसा प्रयास भी करता है तो उसके बाप-दादा की प्रॉपर्टी जब्त करके गरीबो में बंटवा देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मिशन ही हमारा मिशन है। हम उनके राष्ट्रवाद के विजन और मिशन के साथ जुट कर नए भारत के निर्माण के लिए कार्य करेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कैराना लोकसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं। इस दौरान उन्होंने बीजेपी और राष्ट्रीय लोक दल के संयुक्त लोकसभा प्रत्याशी प्रदीप चौधरी के पक्ष में वोट की अपील की।

सहारनपुर में दंगा और कर्फ्यू पुरानी बात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सहारनपुर में अब विकास हो रहा है। यहां दंगा और कर्फ्यू पुरानी बात हो गयी है। आज सहारनपुर विकास की धारा के साथ जुड़ कर-के विकसित भारत की तर्ज पर विकसित उत्तर प्रदेश के सपने को साकार करने के लिए कृत संकल्पित दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्र भारत में पहली बार अन्नदाताओं को सम्मान देने वाले किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित कर उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है। आपने पिछले 10 वर्ष में मोदी जी के नेतृत्व में बदलते हुए नए भारत को देखा है। दुनिया के अंदर भारत का सम्मान बढ़ा है। सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। आतंकवाद नक्सलवाद समाप्त हुआ है। विकास के बड़े-बड़े कार्य हो रहे हैं। हाईवे, रेलवे, मेट्रो, यूनिवर्सिटी, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग संस्थान बन रहे हैं और गरीब कल्याणकारी योजनाओं का तो कोई सानी ही नहीं है। मोदी जी ने योजनाओं का लाभ देते हुए कभी किसी की जाति नहीं देखी। 80 करोड़ लोगों को पिछले 4 वर्ष से मुफ्त राशन मिल रहा है। आज आपके पास यह गारंटी है कि अगर कोई दुर्भाग्य से बीमार हुआ तो कह सकता है कि मेरे पास ?500000 की स्वास्थ्य बीमा का कवर है। अगर किसी का आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाया है तो कोई पीड़ित या विधायक मुझे पत्र लिख देता है तो लखनऊ से तुरंत पैसा उनके खाते में भेज देता हूं। किसी बीमार व्यक्ति की जाति वोट बैंक के सौदागरों के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है, लेकिन मेरे लिए वह प्रदेश का नागरिक है, उसके हितों का संरक्षण करना मेरा दायित्व है। हमने कभी प्रोपेगेंडा नहीं किया। आज सरकारी नौकरियों में कोई भेदभाव नहीं है. जब सरकारी नौकरियां निकलती हैं तो हमारे सहारनपुर के नौजवान भी भारी संख्या में उसमें भर्ती होते हैं। पहले दो-तीन जिलों के लोग ही भर्ती किए जाते थे, बाकी लोगों को ठेंगा दिखा दिया जाता था। हमने कहा कि यह नहीं चलेगा।

एक नजर

गेहूं खरीद के संबंध में अपर जिलाधिकारी के अध्यक्षता में बैठक संपन्न

मऊ। अपर जिलाधिकारी मऊ /जिला खरीद अधिकारी द्वारा जनपद में गेहूं खरीद योजना की समीक्षा की गई समीक्षा बैठक में कोपागंज मंडी समिति एवं दोहरीघाट मंडी समिति के सचिव भी उपस्थित थे, अपर जिलाधिकारी द्वारा दोनों मंडी समितियां के सचिवों को निर्देशित किया गया कि वर्तमान में गेहूं की कटाई और आवक को देखते हुए स्वयं के स्तर से यह सुनिश्चित करें कि किसी भी अवैध व्यक्ति द्वारा किसानों से कम मूल्य पर गेहूं खरीद कर उसे बाहर ना भेजा जाए। ऐसे व्यक्तियो को चिन्हित कर इसे रोकने की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला खरीद अधिकारी द्वारा समीक्षा के उपरांत पीसीएफ एजेंसी के 20 क्रय केंद्रों पर शून्य खरीद के कारण उन्हें चेतावनी निर्गत की गई और सचेत किया गया है कि आगामी बैठक में यदि उनके केंद्र पर समुचित खरीद नहीं पाई गई तो कठोर कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी साथ ही जिला प्रबंधक पीसीएफ को निर्देशित किया गया है कि अपने केन्द्रों पर बोरो की अग्रिम व्यवस्था सुनिश्चित कर ले । किसी भी दशा में बोरो की कमी के कारण खरीद प्रभावित नहीं होनी चाहिए। खरीद की अद्यतन स्थिति के अनुसार जनपद में दिनांक 11-4-24 तक 391 कृषकों से 2192 एमटी खरीद की जा चुकी है। क्रय केंद्रों पर किसानों की अच्छी आवक आरंभ हो गई है। बैठक में जिला खाद्य विपरण अधिकारी विपुल सिन्हा सहित मंडी के अधिकारी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अमरपुरा गांव में गेहूं मडाई के दौरान पंखी की चपेट में आने से महिला घायल

मऊ। रतनपुरा प्रखंड के उमरपुर ग्राम पंचायत अंतर्गत अमरपुरा गांव में थ्रेसिग के दौरान एक महिला का सिर ट्रैक्टर की पंखे की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला का उपचार बीएचयू के ट्रामा सेंटर में चल रहा है। बताया जाता है कि चंद्रमुखी प्रजापति 45 वर्ष पत्नी राम अचल प्रजापति अपने खेत में ट्रैक्टर चलित थ्रेसर में मडाई का कार्य कर रही थी । इसी दौरान पंखे के नीचे वह फसल की बालियों को हटाने के लिए नीचे गई, इस दौरान उसका सिर के बाल पंखे के चपेट में आ गया, जिससे पूरा बाल पंखे में चला गया। घायल महिला के परिजन उसे तत्काल मऊ के एक निजी चिकित्सालय में ले गए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे ट्रामा सेंटर में भेज दिया गया।

होमियोपैथी में ही है जटिल रोगों का जड़ से इलाज : डॉ अरविंद श्रीवास्तव

मऊ। होम्योपैथिक चिकित्सा विज्ञान के आविष्कारक डॉ सैमुअल हैनीमैन की जन्म जयंती को विश्व होम्योपैथी दिवस के रूप में गाजीपुर तिराहा स्थित शिवम होम्योपैथिक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में बड़े धूमधाम से मनाया गया।इस अवसर पर जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी मऊ डॉक्टर अंजु गुप्ता सेवानिवृत्ति वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ आर एस सिंह, डॉ हवलदार सिंह सिसोदिया, वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ0 अरविंद श्रीवास्तव, डॉ0नम्रता श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ अंजू गुप्ता ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश की सरकार आयुष मंत्रालय का निर्माण कर एक छत के नीचे आयुष पद्धतियों को एक साथ ला कर विकास करने का काम किया है इसके लिए उन्होंने होम्योपैथिक विभाग की तरफ से देश एवं प्रदेश सरकार का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। डॉ गुप्ता ने कहा कि होम्योपैथी से विभिन्न तरह की बीमारियों का इलाज संभव है। डॉ सिसोदिया ने डॉ हैनीमैन के जीवन पर प्रकाश डाला और होम्योपैथी की विशेषताओं को रेखांकित करते हुए अपनी स्वरचित कविता से सबको मंत्र मुक्त कर दिया। डॉ आर एस सिंह ने जटिल बीमारियों को ठीक करने के अपने अनुभव को बताया। डॉ अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि आज दुनिया के डेढ़ सौ देशों में होम्योपैथिक चिकित्सा विद्या से इलाज लेने वाले लोग है। दुनिया में सर्वाधिक मरीजों को लाभ पहुंचाने वाली यह दूसरे नंबर की चिकित्सा पद्धति है डॉ श्रीवास्तव ने बताया कि होम्योपैथी में अब 50 बेड के आयुष अस्पताल बन रहे हैं गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगी अस्पताल में भर्ती रहकर आयुष पद्धतियों से इलाज ले सकते है। होम्योपैथी के बजट को बढ़ाने के लिए सरकार तक अपनी बात पहुंचाने की बात कही। डॉ0नम्रता श्रीवास्तव ने बताया कि बच्चों से लेकर के बूढ़े लोगों में किसी भी तरह की कोई भी बीमारी हो सटीक होम्योपैथिक दवा के प्रयोग से जड़ से ठीक हो सकता है।

नवरात्र के चौथे दिन भी देवी भक्तो ने माता के चरणों में मत्था टेका

केटी न्यूज/मऊ

मऊ। वासंतिक नवरात्र के चौथे दिन मां के दरबार में भक्तों का रेला उमड़ पड़ा। लोगों ने मां के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और प्रसाद चढ़ाये। नगर के शीतला माता मन्दिर, रोडवेज, आजमगढ़ मोड़ और फातिमा चौराहा स्थित दुर्गा मन्दिरों में भी भारी भीड़ रही। जहां सुरक्षा के भी इंतेजाम किये गये थे। माँ वनदेवी धाम में दर्शन के लिए सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने बड़े ही श्रद्धाभाव के साथ माँ वनदेवी का दर्शन पूजन कर अपने मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए माता रानी से प्रार्थना किया ।इसी क्रम में मुहम्मदाबाद गोहना नगर पंचायत के मोहल्ला सैदपुर स्थित दुर्गा मंदिर विजय चौक स्थित दुर्गा मंदिर आदि मंदिरों में भक्त जनों की भारी भीड़ रही। इस दौरान प्राचीन शिव मंदिर स्थित मंदिर के पुजारी मुकुंद पाठक ने बताया कि जो भी भक्तगण 9 दिन व्रत रखकर कलश स्थापित करने के पश्चात माता दुर्गा के विभिन्न रूपों की पूजा उपासना करते हैं। माता दुर्गा उनके सभी दुखों को हर लेती हैं पाठक ने यह भी कहा कि इस वर्ष माता दुर्गा के रूपों में विभिन्न रूपों की पूजा उपासना को लेकर भक्तगण अलग-अलग दोनों विभिन्न रूपों में वस्त्र फल एवं मिठाई अर्पित कर माता दुर्गा की कथा सुनते हैं तथा भक्तों में प्रसाद वितरित करते हैं। इस मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष संजीव गुप्ता, हरिश्चंद्र जायसवाल, प्रेमचंद सोनकर, शंकर प्रसाद, दिव्यांश जायसवाल दुर्गा शरण समेत महिला मंडली की दर्जनों महिलाएं एवं भक्तगण माता दुर्गा की जय जयकार करने लगे।

इंडस्ट्री एकेडमिया इंटरफेस के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित

दिल के दौरे के जांच हेतु किट शीघ्र मिलेगी: शेखर आनंद

केटी न्यूज/जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के संगोष्ठी भवन में सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा इंडस्ट्री एकेडमिया इंटरफेस के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इसके मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और हीथॉक्स - के प्राइवेट लिमिटेड के को-फाउंडर एवं डायरेक्टर शेखर आनंद रहे। उन्होंने पोस्ट कोविड प्रिवेलेंस ऑफ कार्डियो वैस्कुलर डिजीज एंड रोल ऑफ हार्नेसिंग एनटी - प्रो बीएनपी फॉर प्वाइंट ऑफ केयर टेस्टिंग इन द सीवीडी मैनेजमेंट विषय पर चर्चा की। उन्होंने दिल के दौरे के पूर्व जांच हेतु किट की उपलब्धता के बारे में कहा कि ये किट शीघ्र ही बाजार में उपलब्ध होगी। उन्होंने एनीमिया की रोकथाम के बारे में बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो वंदना राय ने कहा कि मेडिकल बायोटेक्नोलोजी के क्षेत्र में अब किट का प्रयोग आसानी से किया जा सकता है व कई प्रकार की बीमारियों की जांच के लिए अब किट बाजार में आसानी से उपलब्ध है। स्वागत भाषण में प्रो प्रदीप कुमार ने कहा कि सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल लगातार ऐसे आयोजन करता रहेगा जिससे छात्रों को इंडस्ट्री के बारे में अधिक नजदीक से सीखने का मौका मिलेगा। संचालन दीप्यामा के द्वारा किया गया। इस अवसर इस मौके पर डॉ मनीष कुमार गुप्ता, अभिषेक कन्नौजिया और समस्त विद्यार्थी व सेमिनार समिति के सदस्य उपस्थित रहे ।

सुईथाकला में बदले जाएंगे जर्जर तार, बिजली कटौती से मिलेगी मुक्ति

जौनपुर(शाहगंज)। गोड़बड़ी के 33/11 केवीए विद्युत उपकेंद्र पर आने वाले भीषण गर्मी में बिजली आपूर्ति बाधित न होने पाए इसके लिए विभाग ने जर्जर तारों को बदलने और ढीले हो चुके तारों को कसने का काम शुरू करने जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में आग लगने की घटनाएं बढ़ी हैं, इसके लिए बिजली विभाग ने कवायद शुरू करने जा रही है। सुइथाकला व गोड़बड़ी 33/11 केवीए उपकेंद्र पर इस समस्या से उपभोक्ताओं को निजात दिलाने का प्रयास पंद्रह अप्रैल से होने रहा है। जिससे बिजली का तार टूटकर न गिरने पाए अथवा स्पार्किंग की समस्या उत्पन्न न होने पाए।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

संपादकीय

सुभाषितम्

हजार योद्धाओं पर विजय पाना आसान है, लेकिन जो अपने उपर विजय पाता है वही सच्चा विजयी है। - गोतम बुद्ध

शांतिपूर्ण धरना भी अब अपराध की श्रेणी में?

भारत में शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन करना भी अपराध की श्रेणी में आ गया है? धरना प्रदर्शन के लिए यदि अनुमति मांगी जाती है। जिला और पुलिस प्रशासन आमतौर पर कानून व्यवस्था की स्थिति के नाम पर विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं देता है। यदि दबाव में अनुमति दे भी दी, तो उसमें इस तरह की शर्तें लगा दी जाती हैं। जिसका पालन आयोजक के वश में ही नहीं रहता है। यदि प्रदर्शन सरकार और प्रशासन के खिलाफ हो रहा है। ऐसी स्थिति में प्रदर्शन करने की आमतौर पर अब अनुमति नहीं मिलती है। जिला प्रशासन द्वारा धारा 144 का उपयोग धरना प्रदर्शन को रोकने में अब बड़े पैमाने पर किया जाने लगा है। धारा 144 लगाकर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। जो भारतीय नागरिकों के मूलभूत अधिकार को खत्म करने जैसा है। इसी तरह से पुलिस लोगों को गिरफ्तार कर लेती है। उन्हें गिरफ्तारी का कारण नहीं बताया जाता है। पुलिस द्वारा गिरफ्तारी का कारण पूछने पर उस पर सरकारी काम में अवरोध पैदा करने, तरह-तरह के आरोप लगाकर, पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज कर लेती है। कई मामलों में तो यह भी देखने में आया है। पुलिस बिना सूचना दिए, चार्ज शीट अदालत में पेश कर देती है। धरना प्रदर्शन के मामलों में फरार घोषित कर दिया जाता है। न्यायालयों में कई वर्षों तक मुकदमा लंबित रहता है। कई वर्षों तक लोगों को न्यायालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। हाल ही में चुनाव आयोग के सामने शांतिपूर्वक धरना दे रहे टीएमसी के सांसद डेरेक ओ ब्रायन और लगभग एक दर्जन लोगों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया। दिल्ली पुलिस उन्हें घसीट कर बस तक ले गई। पुलिस उन्हें यह भी नहीं बता रही थी, दिल्ली पुलिस उन्हें क्यों हिरासत में ले रही है। वह अपनी बात रखने के लिए चुनाव आयोग के कार्यालय में आए थे। वह धरना देकर शांति पूर्वक विरोध दर्ज करा रहे थे। सांसद डेरेक का कहना था,दिल्ली पुलिस द्वारा उन्हें नौवीं बार हिरासत में लिया गया है। हम लोग शांतिपूर्ण ढंग से बैठे हुए थे। मीडिया से बात कर रहे थे। इसी बीच पुलिस आई और अपराधियों की तरह घसीट कर ले गई। यह सब कैमरे के सामने हो रहा था। इसके बाद भी पुलिस को कोई फर्क नहीं पड़ा। पुलिस गिरफ्तार करके उन्हें बसों से मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन के बाहर उन्हें काफी देर तक रखा। उसके बाद 2 घंटे तक वह बस में हम लोगों को घुमाते रहे। कहां ले जा रहे हैं, और किस अपराध में हिरासत में लिया है। यह भी पुलिस द्वारा नहीं बताया गया। लगभग 2 घंटे अवैध हिरासत में रखने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। सांसदों के साथ ऐसा व्यवहार किए जाने पर उन्होंने एतराज जताते हुए कहा, कानून के अनुसार सीआरपीसी की धारा 500(1) के तहत हिरासत में लिए जाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तारी का कारण बताया जाना जरूरी होता है। लगभग 2 घंटे तक किसी को कुछ भी नहीं बताया गया। निकटतम पुलिस स्टेशन पर भी नहीं ले जाया गया। घंटो बस में घुमाने के बाद छोड़ दिया गया। भारत में कानून तो बना दिए जाते हैं। लेकिन कानून का पालन वही लोग नहीं करते हैं, जिनके ऊपर कानून के पालन कराने की जिम्मेदारी होती है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से धरना और प्रदर्शन की अनुमति देने में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन अड़गेबाजी लगाता है। तरह-तरह की ऐसी शर्तें लाद देता है। जिनका पालन करना आयोजक के लिए संभव ही नहीं होता है। जिला प्रशासन को ऐसा लगता है, कि धरना प्रदर्शन नहीं होना चाहिए। ऐसी स्थिति में धारा 144 का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर होने लगा है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुलिस की बर्बरता भी बड़ी आम हो गई है। जब पुलिस और जिला प्रशासन ही नियमों का पालन नहीं करते हैं। तब स्थिति और भी विकट हो जाती है। किसान आंदोलन के दौरान हरियाणा की पुलिस ने जिस तरह की बर्बरता किसानों के ऊपर की है। उसे सारे देश ने देखा है। शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को किस तरह से रोका जाता है।

चिंतन-मनन

शुद्ध भक्त सर्वोत्तम

निर्विशेषवादी के लिए ब्रह्मभूत अवस्था अर्थात ब्रह्म से तदाकार होना परम लक्ष्म होता है। लेकिन साकारवादी शुद्धभक्त को इससे भी आगे शुद्ध भक्ति में प्रवृत्त होना होता है। इसका अर्थ हुआ जो भगवद्भक्ति में रत है, वह पहले ही मुक्ति की अवस्था, जिसे ब्रह्मभूत या ब्रह्म से तादात्म्य कहते हैं, प्राप्त कर चुका होता है। परमेर या परब्रह्म से तदाकार हुए बिना कोई उनकी सेवा नहीं कर सकता। परम ज्ञान होने पर सेव्य तथा सेवक में कोई अन्तर नहीं कर सकता, फिर भी उच्चतर आध्यात्मिक दृष्टि से अन्तर रहता ही है। देहात्मबुद्धि के अन्तर्गत, जब कोई इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, तो दुख का भागी होता है, लेकिन परम जगत में शुद्ध भक्ति में रत रहने पर कोई दुख नहीं रह जाता। चूंकि ईश्वर पूर्ण है, अतएव ईश्वर से सेवारत जीव भी कृष्णभावना में रहकर अपने में पूर्ण रहता है। वह ऐसी नदी के तुल्य है, जिसके जल की सारी गंदगी साफ कर दी गई है। चूंकि शुद्ध भक्त में कृष्ण के अतिरिक्त कोई विचार ही नहीं उठते, अतएव वह प्रसन्न रहता है। वह न किसी भौतिक क्षति पर शोक करता है, न किसी लाभ की आकांक्षा करता है, क्योंकि वह भगवद् भक्ति से पूर्ण होता है। वह भौतिक जगत में न किसी को अपने से उच्च देखता है और न निम्न। ये उच्च तथा निम्न पद क्षणभंगुर है और भक्त को क्षणभंगुर प्राकट? या तिरोधान से कुछ लेना-देना नहीं रहता। उसके लिए पत्थर तथा सोना बराबर होते हैं। यह ब्रह्मभूत अवस्था है, जिसे शुद्ध भक्त सरलता से प्राप्त कर लेता है। उस अवस्था में स्वर्ग प्राप्त करने का विचार मृगतृष्णा और इन्द्रियां विषदंतविहीन सर्प की भांति प्रतीत होती हैं। जिस प्रकार विषदंतविहीन सर्प से कोई भय नहीं रह जाता उसी प्रकार स्वतः संयमित इन्द्रियों से कोई भय नहीं रह जाता। भक्त के लिए समग्र जगत वैपुंठ तुल्य होता है। ब्रह्मांड का महान से महानतम पुरुष भी भक्त के लिए क्षुद्र चींटी से अधिक महत्वपूर्ण नहीं होता।

चुनाव लड़ने के लिए नेता को स्वांग करना पड़ता है

-मोहन वर्मा

मोहन वर्मा इन दिनों पूर्णकालिक पत्रकारिता कर रहे हैं और वर्षों से कवि और गीतकार के रूप में अपना महत्त्वपूर्ण स्थान बनाए हुए हैं। फिर अकस्मात जब वे व्यंग्य के फटे में टाँग अड़ाने लगे तो सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि आखिर उन्हें ऐसा करने की क्या जरूरत पड़ गई। क्या गीत विधा में काम करते करते या पत्रकारिता करते करते वे खुद को पूरी तरह से व्यक्त नहीं कर पा रहे हैं या पूर्ण संतुष्टि नहीं मिल पा रही है जो अन्य विधा की ओर मुड़ना पड़ा? क्या व्यंग्य का अधिक लोकप्रिय होना या अधिक पाठकों तक पहुँचना या पाठकों द्वारा त्वरित रूप से उसे अपनाना या फिर किसी व्यंग्यकार को कई बार कवि से अधिक रिस्पांस मिल जाना इसका कारण रहा होगा?

इन सारे प्रश्नों का जवाब उनके व्यंग्यों से ही मिलता रहा। कभी अखबारों में तो कभी सोशल मीडिया पर मैं उनके पूरे रचनाकर्म को, चाहे कविता हो, गीत हो या व्यंग्य हो, पढ़ता रहा हूँ। वे सब पढ़कर और प्रस्तुत संकलन में (जहाँ कि लगभग सभी मेरे पढे हुए थे) सभी व्यंग्य पढ़कर कहा जा सकता है कि उनका व्यंग्य में प्रेष करना फटे में अपनी टाँग फँसाने की कोई अनधिकार चेष्टा नहीं है, बल्कि यह उनका एक सार्थक हस्तक्षेप है। उन्होंने व्यंग्य में अपने अंदर के मालवी मनक को जिंदा रखा है और मालवी मिट्टी का यही सौंधापन उनकी विशिष्ट पहचान बनता जा रहा है, उन्हें तमाम व्यंग्यकारों की भीड़ से अलग भी खड़ा करता है। संकलन में कुल 45 व्यंग्य रचनाएँ हैं जिनमें से खिचड़ी के चावल की तरह मैं कुछ चुनिंदा रचनाओं पर बात कर उनके रचनाकर्म को परखने का प्रयास करता हूँ। पहला व्यंग्य साहित्य की राजनीति बनाम किस्सा तोता मैना छोटे छोटे कस्बों में छुटभैये साहित्यकारों की खुद को महान मानने की प्रवृत्ति व आपसी राजनीतिक खींचतान पर बढ़िया तंज है। मात्र एक पंच में ही पूरी रचना का निचोड़ देखा जा सकता है- जितनी राजनीति खुद राजनीति में नहीं, उससे ज्यादा साहित्य में है...मूल भावना जो है नहीं वह दिखाने और कद से बड़ा हो जाने की है। अड्डे पर साहित्यकारों की चर्चा भी ऐसे ही आत्ममुग्ध छुटभैये साहित्यकारों की मानसिकता की पड़ताल करता बेहतरीन व्यंग्य है जिसमें चाय-पोहे की चर्चा और सई के रिये हैं भाई साब जैसे शुद्ध मालवी संवाद कस्बाई अड्डेबाजी की सही तस्वीर पेश करते हैं। प्रदेश की राजनीति में एक नेत्री ने शराबबंदी के पक्ष में अभियान चलाया। इसके लिए उन्होंने शराब की एक दुकान पर पत्थर मारकर अपना प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराया था। इस पर लेखक ने अपने व्यंग्य कोई पत्थर से न मारे में जोरदार चुटकी ली है- राजनीतिक गलियारों में होली के हुड़दंगी कह रहे हैं कि 22में मारा गया पत्थर 22 को नहीं 23 को निशाना साधकर मारा गया है जबकि पत्थरबाज (नेत्री) की ओर से कहा जा रहा है कि वो मद्यप्रदेश में नारियों के सम्मान की रक्षा के लिए मारा गया है...! चुनाव लड़ने के लिए नेता को क्या क्या स्वांग करना पड़ते हैं यह चुनावों में जीत की हसरत शीर्षक व्यंग्य में देखा जा सकता है। हालाँकि इस व्यंग्य में कही गई कई बातों का इस बार जिता देना भिया शीर्षक वाले व्यंग्य में दोहराव हो गया है जिससे बचा जा सकता था। पर्यावरण दिवस पर समाचार और फोटो छपाने के लिए कैसे कैसे खटरम करने पड़ते हैं (पर्यावरण चिंता और चिंतन) इस पर भी वे व्यंग्य करने से नहीं चूकते! लेखक यह जानते हैं कि दलबदल जैसे विषय पर बहुत लिखा जा चुका है, मगर वे यह भी मानते हैं कि इस विषय पर लोगों की रुचि कभी खत्म नहीं होने वाली। (लौट के बुद्धू घर को आए) शहर में महापौर का चुनाव है और पद महिला के लिए आरक्षित है। कल तक चूल्हा-चक्की ही जिसकी दुनिया थी, उसे उम्मीदवार बना दिया जाए तो जनता के सामने उसकी क्या स्थिति हो जाती है इसे विकास करेंगे भिया...विकास करेंगे शीर्षक वाले व्यंग्य में उजागर किया गया है। बतोलेबाजी के ये अड्डे भी अच्छा बन पड़ा है। मोहल्ला मोहब्बत वाला में वे युवक-युवतियों में प्यार के इजहार के तौर-तरीकों में बदलाव, उतार-चढ़ाव पर बड़े रोचक ढंग से लिखा है। इसमें लेखक ने हिंदी के प्रथम निबंधकार (डॉ. वार्ष्णेय के अनुसार) पं बालकृष्ण भट्ट के निबंध बातचीत के संदर्भ से अपनी बात कही है जिसमें भूलवश रामचंद्र शुक्ल का नाम चला गया है। मेंढकों के टरार्ने को लेकर उन्होंने बड़ा तीक्ष्ण व्यंग्य किया है- ये क्रांतिकारी मेंढकों का टरार्ना नहीं है, अहंकारियों का टरार्ना है। मालवी टेपों का अँगरेजी प्रेम एक शुद्ध हास्य रचना है जो मालवी के प्रसिद्ध कवि भावसार बा की याद दिलाती है। मैं आज वसीयत करता हूँ एक बहुत शिष्ट शालीन किस्म का साहित्यिक व्यंग्य है जिसमें अपने लिखे को सर्वश्रेष्ठ समझने और अपने संकलनों के ढेर लगाते रहने वाले कथित लेखकों पर करारा व्यंग्य है। संकलन का शीर्षक व्यंग्य फटे में टाँग में सोशल मीडिया पर अपनी ऊलजलूल टिप्पणियों का ज्ञान बाँटने वालों व कॉलम लिख देने वाले लेखक का शोषण करने वाले अखबार वालों की अच्छी खबर ली गई है। छोटा-मोटा कुछ लिखकर किसी पुरस्कार या सम्मान की जुगत में लग जाने वाले लोभी साहित्यकारों की छटपटाहट पर लिखी गई रचना साहित्य शिरोमणि बेचैन जी भी एक उत्कृष्ट व्यंग्य है। मोहन वर्मा की अपनी शैली व वैचारिक समृद्धता है। या यों कहें कि वे अपनी मालवी की विशिष्ट शैली विकसित करने या पहचान बनाने में सफल रहे हैं और अपेक्षा है कि वे इसे बनाए रखेंगे। एक ही व्यंग्य में अपनी ही कही बात का दोहराव व जिस विषय पर कई लोग लिख चुके हों उस पर लिखने से यथासंभव बचना भी जरूरी है। संकलन आश्वस्त करता है कि मोहन वर्मा ने व्यंग्य के फटे में टाँग डालकर कुछ गलत नहीं किया है।

भ्रमाचार्य योगिराज को सरकार का समर्थन...

- राकेश अचल

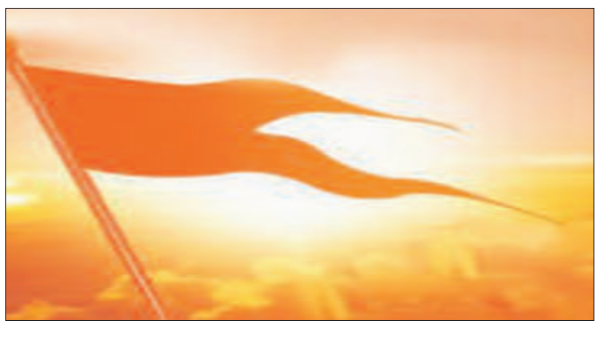

`यदि आप भगवाधारी हैं तो भले ही आप योग का प्रचार करें या आयुर्वेद के नाम पर धंधा, भले ही आपको अदालतें डाटें-फटकारें किन्तु सरकार का समर्थन आपको लगातार हासिल होता रहेगा, क्योंकि आप सरकार के एजेंडे को आगे बढ़ाने वालों में से एक हैं। आपके सौ खून माफ हो सकते है। देश में देखते ही देखते योग से आयुर्वेद की दुनिया में शीर्ष पर पहुंचे पतंजलि उद्योग के प्रमुख स्वामी रामदेव का मामला कुछ ऐसा ही है। बाबा रामदेव बहुत पुराना योगवतार नहीं है। कोई दो दशक हुए हैं उन्हें योग और आयुर्वेद के धंधे में उतरे हुए। उन्होंने अपनी आरंभिक लोकप्रियता को भुनाने के लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ गांधीगीरी भी की,सलवार पहनकर भागे भी । राजनीतिक दल भी बनाया लेकिन उनके नसीब में सियासी सुख लिखा नहीं था। हारकर वे योग और आयुर्वेद को ही ठिकाने लगाने के धंधे में उत्तर गए। बाबा रामदेव की पतंजलि आज देश की प्रमुख आयुर्वेद उत्पादक कंपनियों में से एक है। पतंजलि का राजस्व चन्द्रमा की सोलह कलाओं की तरह लगातार बढ़ रहा है और ये सब सरकार की कृपा की लीला है। इसमें कौन लीलावती है और कौन कलावती ये समझना बहुत कठिन काम नहीं है। बाबा रामदेव आजकल अपनी राजनितिक गतिविधियों की वजह से नहीं बल्कि अपनी भ्रामरी [भ्रम फैलाने का अभियान] की वजह से चर्चा में हैं और चिकित्सा पद्यतियों को लेकर देश में भ्रम फैलाने के मामले में देश की सबसे बड़ी अदालत से लगातार डाट- फटकार खा रहे हैं। अदालत के ऊपर उनके भगवा रंग का असर नहीं हुआ । उनका योग और आयुर्वेद भी अदालत में काम नहीं आया। वे दोषी पाए गए और उनके द्वारा दिए गए हलफनामों को भी अदालते ने के बार नहीं बल्कि दो बार ठुकरा दिया। इसके बावजूद बाबा रामदेव पर सरकार की कृपा बनी हुई है। देश की सरकार जिसके ऊपर भी कृपावंत होती है उसकी बल्ले-बल्ले हो जाती है । चाहे अडानी हों या बाबा सरकार की कृपा से दिन दूनी,रात चौगुनी तरक्की कर रहे हैं। बाबा का पतंजलि समूह वित्त वर्ष 2020-21 में 30,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। पिछले साल के वित्तीय नतीजों से पता चलता है कि समूह के राजस्व को रफ्तार देने के लिए इंदौर की कंपनी रुचि सोया का अधिग्रहण कितना महत्त्वपूर्ण था। समूह की विभिन्न कंपनियों के बीच रुचि सोया की 16,318 करोड़ रुपये की बिक्री ने पतंजलि के कुल राजस्व में 54 फीसदी का योगदान किया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2020 में 13,118 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया था। बाबा रामदेव ने खुद कहा कि समूह की प्रमुख कंपनी पतंजलि आयुर्वेद ने हाल तक अपने कारोबार में 8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है और वित्त वर्ष 2021 में उसने 9,784 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया। पतंजलि एग्रो समूह की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी बनकर उभरी और वित्त वर्ष 2021 में 1,600 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया। इसके बाद समूह की औषधि बनाने वाली इकाई दिव्य फामेर्सी का स्थान रहा । बाबा आये तो थे देश को मुफ्त में योग के जरिये स्वस्थ्य करने का संकल्प लेकर किन्तु बन बैठे कारोबारी। हमारे मध्यप्रदेश समेत देश में जहाँ भी डबल इंजिन की सरकारें हैं वहां बाबा पर सरकार की जमकर कृपा बरस। करोड़ों की जमीन कौंडियों के दाम मिली वो भी पलक झपकते ही। बाबा पलकें झपकाने में सिद्धस्त हैं।

बाबा भाजपा सरकार की नजरों में पहले ही साल में चढ़ गए । 2014 में मोदी जी के सत्ता में आते ही बाबा को भाजपा शासित राज्यों में लगभग 300 करोड़ रुपए की छोट तो केवल जमीनों के मामले में ही मिल गयी। अकेले असम में बाबा को सरकार ने 1200 एकड़ जमीन दे दी ताकि वे वहां गौशाला खोलकर गाय का घी बना और बेच सकें। बाबा की तरक्की से उनके प्रतिद्वंदी चिढ़ते ही होंगे। इस देश में सदियों से डाबर,बैद्यनाथ, धूतपापेश्वर जैसी आयुर्वेद की नामचिन्ह कंपनियां थीं लेकिन वे सरकार का संरक्षण नहीं पा सकीं। बाबा आयुर्वेद को पीछे छोड़ आटा-दाल,क्रीम,पावडर, साबुन-सोडा तक बेचने लग। महर्षि पतंजलि बाबा की तरक्की देखकर खुश होते होंगे या रोते होंगे ये तो पता नहीं किन्तु आजकल बाबा परेशान हैं जबकि उनके ऊपर सरकार मेहरबान है। सुप्रीम कोर्ट ने बाबा को भ्रामक विज्ञापन दिखने के मामले में दोषी पाया और फटकारा । बाबा ने कोर्ट को धता दिखते हुए जब अपने भ्रामक विज्ञापन नहीं हटाए और झूठा हलफनामा दे दिया तो कोर्ट ने उसे ठुकरा दिय। बाबा को परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गयी है अदालत की और से। बाबा ने विश्वव्यापी कोरोना संकट के दौरान कोरोनिल बनाकर रातों-रात करोड़ों रुपए कूट लिए जबकि उसका पूरा दवा भ्रामक निकला । लेकिन बाबा के साथ कोरोनिल के लोकार्पण समारोह में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्द्धन बैठे थे इसलिए किसी ने कोई सवाल नहीं किया। बाबा का हिंदुत्व केंद्रित आयुर्वेद हमेशा उनका सहयक बना रहा,आज भी केंद्र की कृपा सिर्फ इसीलिए बाबा के ऊपर है। हमारे साथी और मित्र स्वर्गीय प्रदीप चौबे कहते थे - जिस पै देवी का हस्त है प्यारे ,उसका पिल्ला भी मस्त है प्यारे । बाबा तो बाबा हैं उनका मस्त होना स्वाभाविक है। सरकार की कृपा इसकी सबसे बड़ी वजह है। बाबा दोनों हाथों से देश को लूट रहे हैं। उपभोक्ता और अंधभक्त लगातार हिंदुत्व की चाशनी में सनी पतंजलि के उत्पादों को खरीदकर बाबा के राजस्व में बढ़ोत्तरी कर रहे हैं। देश की सबसे बड़ी अदालत भी बाबा को जेल भेजने से कटरा रही है ,अन्यथा एक के बाद एक हलफनामा मांगने का क्या अर्थ हो सकता है ? बाबा की जगह कोई दूसरा होता तो अरविंद केजरीवाल की तरह जेल के सींखचों के पीछे न होता ?

कांग्रेस की कमजोर कड़ी हैं कौन है?

-संजय गोस्वामी

कांग्रेस की कमजोर कड़ी श्री राहुल गाँधी जी हैं जो बार बार सुर्खियों में बना रहना चाहते हैं इसके कारण पार्टी 2गुटों में बंट गई राहुल गाँधी का बरबोलापन पढ़े लिखे लोगों को नहीं अच्छा लगता है कभी लोकतंत्र को लेकर विदेशों में अटपटा बोल देना कभी आरएसएस, और मोदीजी को चौकीदार चोर है और कभी सावरकर को लेकर गलत बोलना, और डंके की चोट पर ऐ सब बता देना और अधिकांश समय विदेशों में रहना और चुनाव के वक्त भारत का बार बार भ्रमण करना उनकी मजबूरी को दर्शाता है, भगवान राम के जन्मस्थान पर तो देश की आजादी के बाद ही निर्माण शुरू हो जाना चाहिए था। बिलकुल वैसे ही, जैसे सरदार वल्लभभाई पटेल के आदेश पर सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया था। बिंदल ने कहा कि आजादी के समय प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भगवान राम मंदिर के निर्माण कराने को अवरुद्ध कर दिया था। उन्होंने राम मंदिर को लेकर लोगों का ध्यान भटकाया और इसे स्थगित कर दिया। बिंदल ने कहा कि नेहरू ने भगवान राम के अस्तित्व को चुनौती थी। उन्होंने कहा था कि राम सेतु मौजूद है या नहीं, इसको लेकर हलफनामा दायर किया था। मैं एक सेमिनार में शायद 2017 में मप्रएसएसआरआई, उज्जैन में स्व कृपलाणी जी के ऊपर एक सम्मलेन में गया था वहाँ व्यक्तिगत संबाद में कांग्रेस की हार की वजहों का विश्लेषण कर बड़े बड़े विद्वान ने बताया की कांग्रेस की हार की सबसे बड़ी वजह राहुल गाँधी के कारण है जिसे बहुत से शिक्षाविद नहीं चाहते है और शायद यही सबसे बड़ी वजह हो लोग ऐ आकड़ा भी प्रस्तुत किये जिसमें यदि राहुल की जगह स्व प्रणव मुखर्जी जैसे नेता हों तो शायद एक अच्छा जनाधार मिल सकता है इसके वजह से उसके अंदर ही कलह राहुल गांधी ने पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोलना है, उनका कहना कि मेरा काम नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने का और लोगों को जोड़ने का है, ऐ लोग अब सुन कर ऊब गए हैं कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, राम मंदिर और भगवान राम सबके हैं, राम मंदिर को बीजेपी, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद या बजरंग दल का मान लेना दुर्भाग्य की बात है।इसके बाद वो खुद राम लला के दर्शन करने अयोध्या गए बाद में पार्टी विरोधी गतिविधि के कारण उन्हें 6साल के लिए पार्टी से निकाल दिया गया और इधर संजय निरुपम को भी मुंबई से सीट ना देने के कारण बोलें तो निकाल दिया गया कांग्रेस हिंदू विरोधी या राम विरोधी पार्टी है या नहीं इसमें सभी नेताओं की अलग अलग राय है। इस फैसले से करोड़ों कार्यकताओं का भी दिल टूटा है। उन कार्यकताओं का जिनकी आस्था भगवान राम में है।कांग्रेस वो पार्टी है जिसके नेता राजीव गांधी ने ही राम मंदिर का शिलान्यास कराया और मंदिर के ताले तुड़वाने का काम किया था। लेकिन प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को स्वीकार न करना बहुत दुखद है।भगवान श्री राम के राम मंदिर पहले ही बन जाना चाहिए था लेकिन राजनीति के कारण इसे कांग्रेस ने गड्ढे में धकेल दिया लेकिन राम में इतना शक्ति है कि वो अपने भक्तों को हमेशा ख्याल रखते है पहले कारसेवक कोठरी बंधु के नाम पर जो हँसते थे वो शांत होकर मौनब्रत धारण कर लिया लेकिन आज दुनिया उनके कार्य पर गर्व करती है और यही हर भारतीय के मन में भगवान श्री राम के प्रति हो वो तो मंदिर के नाम सुनते ही निकल गए भारत यात्रा पर ताकि इस मुद्दे से ध्यान भटकाया जाय कांग्रेस को इसीलिए 50सीटो पर ही सिमट गई थे रामभक्त कभी नहीं मर सकता है यदि संसार से गया भी तो प्रभु के शरण में।

आज का राशिफल

मेष – आज का दिन हर काम को बहुत ही सावधानी से करने का है। कार्यक्षेत्र में निरन्तर परिश्रम की आवश्यकता है।

तुला – आज धन में वृद्धि होगी और आज का दिन आपके लिए सफलतादायक रहेगा।

वृषभ – कार्य की अधिकता के कारण स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, सेहत का ध्यान रखें।

वृश्चिक – आज लोगों को आर्थिक लाभ होगा और आपकी धन से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी।

मिथुन – आर्थिक लाभ का दिन है। आपके कोष में वृद्धि होगी और आज आपका मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा।

धनु – आज आर्थिक लाभ होगा। आपको संतान पक्ष से हर्षवर्धक समाचार मिलेगा।

कर्क – दिन सामान्य रूप से लाभप्रद होगा। व्यवसाय व राजनीतिक क्षेत्र में प्रगति की स्थिति रहेगी।

मकर – आज आर्थिक लाभ का दिन है और आपको कहीं से रुका धन मिलने से लाभ होगा।

सिंह – आजं आर्थिक लाभ होगा। पारिवारिक जीवन में कुछ खटपट रहेगी। साहस और धैर्य से काम लेना होगा।

कुंभ – आज आर्थिक लाभ होगा और आज आपको लेन-देन के मामले में सावधानी बरतें।

कन्या – आपका भाग्य साथ देगा। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में तनाव की स्थिति रहेगी।

मीन – आप अपने प्रतिद्वन्दियों के लिए सिरदर्द बने रहेंगे। आपके लिए आज का दिन सम्मान से भरा होगा।

विशेष

मोदी के लिए कांग्रेस टुकड़े-टुकड़े गैंग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नवादा बिहार के चुनाव प्रचार में गए थे। वहां पर उन्होंने कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मुस्लिम लीग की छाप होना बताया। अंग्रेजों के समय हिंदू महासभा के साथ मिलकर मुस्लिम लीग की सरकारें बनी थी। मुस्लिम लीग के साथ कांग्रेस का सीधा रिश्ता तो कभी रहा नहीं। कांग्रेस पार्टी को जिसने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन, देश की स्वतंत्रता तथा देश में इतने लंबे समय तक राज किया है। उसे टुकड़े-टुकड़े गैंग बताकर कांग्रेस पर तगड़ा हमला किया है। उन्होंने कांग्रेस पर धारा 370 पर भी हमला किया। प्रधानमंत्री मोदी के इस आरोप की देशभर में चर्चा हो रही है। कांग्रेसियों ने आजादी की लड़ाई लड़ी। सालों जेलों में बंद रहे। अंग्रेजों की यातनाएं सही। भारत के पास जब कुछ नहीं था। भारत के राष्ट्र निर्माण को नई दिशा दी। भाजपा के पास ना तो स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास है। नाही उसके पास स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े हुए नेता हैं। भाजपा ने महात्मा गांधी,सरदार पटेल, सुभाष चंद्र बोस जैसे कांग्रेसी नेताओं को अपना नेता बना लिया है। ठीक उसी तरीके से अब कांग्रेस को एक आतंकवादी संगठन बताने की तैयारी कर ली है। जनता के बीच में इसकी क्या प्रतिक्रिया होती है। इसका पता तो चुनाव परिणाम के बाद ही लगेगा। हां कांग्रेस के नेता जरूर आक्रामक हो गए हैं। जिस तरह उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की लड़ाई लड़ी थी।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1528: इंग्लैंड के हेनरी अष्टम और अरागान का कैथरीन के विवाह की वैधता जांचने के लिए पोष ने एक आयोग का गठन किया. 1589: ब्रिटेन के फ्रांसिस ड्रेक और जान नोरस ने 450 जहाज और १८ हजार लोगों के साथ पुर्तगाल अभियान शुरू किया. 1605: थियोडोर द्वितीय रूस के जार बने. 1699: सिख गुरुगोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की. 1743: अमेरिकी राष्ट्रपति थामस जेफरसन का जन्म हुआ. 1772: वारेन हेस्टिंग्स ईस्ट इंडिया कंपनी की बंगाल परिषद् के अध्यक्ष चुने गये. 1796: नेपोलियन बोनापार्ट के नेतृत्व में फ्रांस ने आस्ट्रियायी फौजों को उत्तरी इटली में पराजित किया. 1949: ब्रिगेडियर जनरल आर. ई.एच. डायर ने जलियांवाला बाग में निहत्थों पर गोलियां चलवाई जिसमें 389 लोग मारे गये और 156 अन्य घायल हो गये.

दैनिक पंचांग

13 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	05.47 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	07.27 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	09.25 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.38 बजे से
गुरु	मेष में	सिंह	13.54 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.06 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	18.17 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.32 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	22.48 बजे से
राहुकाल		मकर	00.53 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		कुंभ	02.39 बजे से
		मीन	04.12 बजे से

शनिवार 2024 वर्ष का 104 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पंचमी 12.05 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 00.49 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शोभन 00.34 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 12.05 बजे तदनन्तर कौलव 23.49 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 04.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 09° 09' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871948 **जूलियन दिन** 2460413.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** सव्वाल **तारीख** 03 **विशेष** स्कंद षष्ठी, सौर नववर्ष, मेष संक्रांति, बैसाखी, गुरु हरगोविंद पुणयतिथि, जलियाँवाला बाग दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मेरठ से अरुण गोविल चुनावी मैदान में

सियासी पिच पर रामायण और महाभारत के ये कलाकार भी मचा चुके हैं धूम

गौरतलब है कि हाल ही में रामायण में भगवान राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल को भाजपा ने मेरठ से लोकसभा का उम्मीदवार बनाया है। इससे पहले सीता का रोल करने वाली दीपिका चिखलिया और हनुमान का किरदार निभाने वाले दारा सिंह भी भाजपा के टिकट से चुनाव लड़ चुके हैं।

रामायण में राम का किरदार निभा चुके अरुण गोविल ने मेरठ से लोकसभा चुनाव 2024 के लिए उम्मीदवार हैं। वे भाजपा के प्रत्याशी के बतौर चुनाव लड़ रहे हैं। इससे पहले भी दारा सिंह रुपा गांगुली नितिश भारद्वाज जैसे रामायण और महाभारत सीरियल के कई अन्य एक्टर सियासी जमीन पर अपनी किस्मत आजमा चुके हैं। किसने किस पार्टी से लड़ा है चुनाव।

फिल्म एवं टेलीविजन के सितारों का राजनीति में आना कोई नई बात नहीं है। अब तक अनेक हस्तियां सियासी जमीन पर अपनी किस्मत आजमा चुकी हैं। रामायण और महाभारत जैसे लोकप्रिय सीरियलों के किरदार भी इससे अछूते नहीं रहे हैं।

गौरतलब है कि हाल ही में रामायण में भगवान राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल को भाजपा ने मेरठ से लोकसभा का उम्मीदवार बनाया है। इससे पहले सीता का रोल करने वाली दीपिका चिखलिया और हनुमान का किरदार निभाने वाले दारा सिंह भी भाजपा के टिकट से चुनाव लड़ चुके हैं।

सियासत में 'महाभारत'

रामायण ही नहीं, महाभारत के किरदार भी राजनीति की पिच पर बैटिंग कर चुके हैं। बीआर चोपड़ा द्वारा रचित महाभारत सीरियल में श्रीकृष्ण की भूमिका में नजर आए नितीश भारद्वाज ने साल 1996 में भाजपा के टिकट पर जमशेदपुर से लोकसभा चुनाव भी लड़ा था और जीत हासिल की थी। इसके बाद 1999 का चुनाव उन्होंने मप्र की राजगढ़ सीट लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। उन्हें मप्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह ने हराया था। महाभारत में कौरवों और पांडवों के पूर्वज राजा भरत की भूमिका निभाने वाला अभिनेता राज बब्बर तो लंबी सियासी पारी खेल चुके हैं और अभी भी कांग्रेस के साथ जुड़े हुए हैं। वह यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

इन्होंने भी आजमाई किस्मत

महाभारत में द्रौपदी का किरदार निभाने वाली रूपा गांगुली भाजपा से राज्यसभा की मनोनीत सदस्य रह चुकी हैं। वहीं, युधिष्ठिर की भूमिका में नजर आए गजेन्द्र चौहान भी भाजपा का हिस्सा रह चुके हैं। उन्हें पार्टी ने 2015 में एफटीआईआई का चेयरमैन भी बनाया था।

महाभारत के भीम यानी प्रवीण कुमार भी आम आदमी पार्टी के टिकट से विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। बाद में वह भाजपा में शामिल हो गए थे। साल 2022 में उनका निधन हो गया था। इसके अलावा भीष्म पितामह का किरदार निभाने वाले मुकेश खन्ना का भी भाजपा से जुड़ाव रहा है।

उस दौरान उनको यहां की कुछ चीजें बेहद पसंद आई थीं। जानिए आज से कैसे अलग होता था उस वक्त का चुनावी माहौल। लोकसभा चुनाव 1980 में भागलपुर संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस के भागवत झा आजाद और लोक पार्टी के जागेश्वर मंडल अपना भाग्य आजमा रहे थे। इमरजेंसी के बाद 77 में चुनाव तो हुआ पर सरकार ज्यादा दिनों तक नहीं चल पाई। इसके कारण 80 में पुन-लोकसभा चुनाव कराना पड़ा।

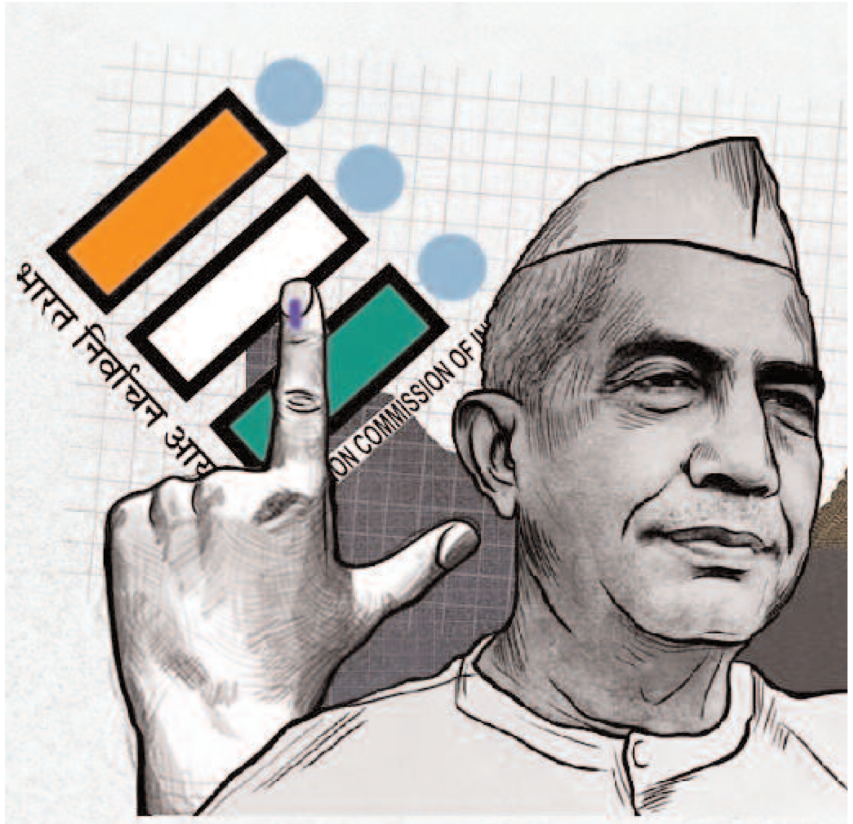

जब पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह चुनाव प्रचार के लिए आए थे भागलपुर

खूब पसंद आई थीं ये चीजें

अतीत के आईने से आज हम आपको बताने जा रहे हैं उस किस्से के बारे में जब भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने चुनाव प्रचार के लिए भागलपुर का दौरा किया था। उस दौरान उनको यहां की कुछ चीजें बेहद पसंद आई थीं। जानिए आज से कैसे अलग होता था उस वक्त का चुनावी माहौल।

लोकसभा चुनाव 1980 में भागलपुर संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस के भागवत झा आजाद और लोक पार्टी के जागेश्वर मंडल अपना भाग्य आजमा रहे थे। इमरजेंसी के बाद 77 में चुनाव तो हुआ पर सरकार ज्यादा दिनों तक नहीं चल पाई। इसके कारण 80 में पुन- लोकसभा चुनाव कराना पड़ा।

फेरी निकाल कर घर-घर मांगते थे वोट

झुनझुनवाला ने बताया कि उनका छोटा भाई स्व. श्याम बिहारी जिला युवा कांग्रेस का अध्यक्ष था। जिससे नेताओं का आना-जाना लगा रहता था। उस समय प्रभात फेरी निकालकर युवाओं की टोली मतदाताओं को वोट करने के लिए जागरूक करती थी। पहले चुनाव के बाद किसी तरह की आपसी रंजिश एवं वैमनस्यता नहीं रहती थी। चुनाव के बाद सभी उम्मीदवार एक-दूसरे से परिवार की तरह मिलते जुलते थे।

अपने-अपने नेताओं के प्रति समर्पित रहते थे कार्यकर्ता

अतीत की कहानी सुनाते हुए 75 वर्षीय सामाजिक कार्यकर्ता कुंज बिहारी झुनझुनवाला कहते हैं कि चुनाव को पहले एक उत्सव के रूप में मनाया जाता था। कार्यकर्ता अपने नेता को जिताने के लिए तन-मन-धन से समर्पित रहते थे। नेता से किसी प्रकार के धन की आशा नहीं होती थी। भागवत झा आजाद, चुनचुन यादव, प्रभात चंद्र तिवारी आदि नेताओं के समय रिक्शा और जीप से प्रचार-प्रसार होता था। गली-गली में चुनाव चिह्न वाले झंडे लग जाते थे। साल 1980 के एक चुनाव का किस्सा बताते हुए कुंज बिहारी कहते हैं कि लोकसभा चुनाव में लोक दल के जागेश्वर मंडल के चुनाव प्रचार के लिए भारत के कार्यवाहक प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह भागलपुर आए थे। तब उन्हें यहां के सिल्क के कपड़े और चादर खूब पसंद आए थे, उन्होंन इसकी काफी बड़ाई की थी। कुंज बिहारी ने कहा, मैंने उन्हें सिल्क की चादर एवं सिल्क के कुर्ते का कपड़ा भेंट किया था।

कौन हैं परमपाल कौर सिद्धू?

आईएएस पद से दिया इस्तीफा, भाजपा के टिकट पर लड़ सकती है लोकसभा चुनाव

पंजाब की महिला आईएएस अधिकारी परमपाल कौर सिद्धू ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि वो बीजेपी में शामिल हो सकती हैं और इस लोकसभा चुनाव में अपनी किस्मत आजमा सकती हैं। परमपाल कौर सिद्धू शिरोमणि अकाली दल के नेता सिकंदर सिंह मालूका की बहू हैं।

मीडिया की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दी गई जानकारी के मुताबिक, परमपाल कौर फिलहाल पंजाब राज्य औद्योगिक विकास कॉर्पोरेशन में मैनेजिंग डॉयरेक्टर के पद पर तैनात हैं। उन्होंने अपना इस्तीफा चीफ सेक्रेटरी अनुराग वर्मा को भेज दिया है। अगर सीएम भगवंत मान परमपाल कौर का इस्तीफा मंजूर कर लेते हैं तो यह केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को भेज दिया जाएगा।

कहां से चुनाव लड़ेंगी परमपाल कौर सिद्धू? मीडिया सूत्रों की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि शिरोमणि अकाली दल के नेता सिकंदर सिंह मालूका राज्य सरकार में शिक्षा मंत्री रह चुके हैं। वह शिरोमणि अकाली दल का टिकट पाने की प्रयास कर रहे थे लेकिन उन्हें टिकट मिलना काफी मुश्किल बताया जा रहा है। सिकंदर सिंह मालूका क्योंकि 75 साल के हैं, ऐसे में बीजेपी भी शायद ही उन्हें टिकट दे। इसी वजह से कयास लगाए जा रहे हैं कि परमपाल कौर सिद्धू बीजेपी के टिकट पर बठिंडा से लोकसभा का चुनाव लड़ सकती हैं।

2011 बैच की आईएएस अधिकारी हैं परमपाल कौर सिद्धू– परमपाल कौर सिद्धू 2011 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। वह इस साल अक्टूबर में रिटायर होने वाली थीं और इस समय पर लीव पर चल रही हैं। उन्हें न तो वर्तमान आप सरकार ने और न ही कांग्रेस सरकार ने अभी तक डिप्टी कमिश्नर के रूप में तैनाती दी है।

दिग्गजों की पसंद रही मुरादाबाद मंडल की चुनावी जमीन

मौलाना आजाद, मायावती और मुलायम से लेकर ये दिग्गज लड़ चुके चुनाव

मुरादाबाद मंडल की संभल लोकसभा सीट से सपा के संस्थापक व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव दो बार चुनाव लड़ चुके हैं। उन्होंने 1998 व 1999 में इस सीट से बड़े अंतर से जीत हासिल की थी। संभल लोकसभा सीट से ही भाजपा के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह 1999 में मुलायम सिंह के खिलाफ चुनाव लड़े थे। इसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

रामपुर से मौलाना आजाद, मुख्तार अब्बास नकवी, बिजनौर से मायावती और संभल से मुलायम सिंह यादव चुनाव लड़ चुके हैं। 1952 में मौलाना आजाद को 59.57 प्रतिशत वोट मिले थे। 1998 में मुलायम सिंह यादव ने 50.04 प्रतिशत मत पाए थे।

मंडल की जमीन सियासी दिग्गजों की पसंद रही है। यहां से चुनाव लड़ने के बाद कई नेताओं ने अपने राजनीतिक सफर में बुलंदियां हासिल कीं तो कुछ ने बुलंदियों पर रहते हुए मुरादाबाद मंडल से चुनाव लड़ा। इनमें भाजपा, सपा, बसपा व कांग्रेस चारों प्रमुख दलों के बड़े चेहरे शामिल रहे हैं। मुरादाबाद मंडल की संभल लोकसभा सीट से सपा के संस्थापक व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव दो बार चुनाव लड़ चुके हैं। उन्होंने 1998 व 1999 में इस सीट से बड़े अंतर से जीत हासिल की थी। संभल लोकसभा सीट से ही भाजपा के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह 1999 में मुलायम सिंह के खिलाफ चुनाव लड़े थे। इसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। मंडल की बिजनौर लोकसभा सीट से 1989 में बहुजन समाज पार्टी की वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती चुनाव लड़ चुकी हैं। इसमें उन्हें बड़े अंतर से जीत मिली थी। इसके अलावा 2019 में मुरादाबाद लोकसभा सीट से कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष शायर इमरान प्रतापगढ़ी चुनाव लड़ चुके हैं।

यहां उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा था। इन चारों दलों के नेताओं में यदि मुलायम सिंह यादव को छोड़ दिया जाए तो चुनाव के समय किसी के पास पार्टी में बहुत बड़ा पद नहीं था। जबकि मुरादाबाद मंडल से चुनाव लड़ने के बाद इनके राजनीतिक कद में बढ़ोतरी होती चली गई।

- **अबुल कलाम आजाद**– अबुल कलाम आजाद ने पहला लोकसभा चुनाव रामपुर से लड़ा। उन्होंने पहली लोकसभा के चुनाव में 108180 वोट पाए थे, जोकि 59.57 प्रतिशत थे। आजाद कांग्रेस के बड़े नेता थे। 1923 में वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सबसे कम उम्र के अध्यक्ष बने। 1940 और 1945 के बीच कांग्रेस के अध्यक्ष रहे।

रामपुर जिले से 1952 में सांसद चुने गए और भारत के पहले शिक्षा मंत्री बने। पहले लोकसभा चुनाव में बहुत कम प्रत्याशियों ने इतने बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी।

- **मुलायम सिंह यादव**– मुलायम सिंह यादव इन प्रत्याशियों में अकेले ऐसे नेता हैं, जो सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व दो बार मुख्यमंत्री रहते हुए संभल से चुनाव लड़े। 1998 में संभल लोकसभा सीट से उन्हें 376828 वोट मिले, जोकि 50.04 प्रतिशत थे। 1999 में फिर संभल लोकसभा से उन्हें सांसद चुना गया। इस बार 259403 वोटों पर उन्होंने कब्जा किया, जोकि 41.85 प्रतिशत थे। मुलायम सिंह यादव 1996 में एचडी देवगौड़ा की सरकार में देश के रक्षा मंत्री भी रह चुके हैं।

- **मायावती**– चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकीं मायावती के पास 1989 में बसपा में बड़ा पद नहीं था। उस समय कांशीराम पार्टी के अध्यक्ष थे। मायावती ने 1989 में बिजनौर सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा। उन्होंने 183189 वोट पाए और जनता दल के मंगलराम प्रेमी को हराया। मायावती को इस चुनाव में 37.96 प्रतिशत वोट मिले थे। इसके बाद उनका कद पार्टी में बढ़ता चला गया। आज वह बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।
- **चौधरी भूपेंद्र सिंह**– मुरादाबाद से ही ताल्लुक रखने वाले चौधरी भूपेंद्र सिंह ने 1999 में संभल लोकसभा सीट से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव के खिलाफ चुनाव लड़ा था। उस समय उनके पास भाजपा में बड़ा पद नहीं था। वह जीत नहीं सके लेकिन पार्टी में उनका कद बढ़ता गया। चौधरी भूपेंद्र सिंह योगी सरकार के दोनों कार्यकाल में कैबिनेट मंत्री रहे। पंचायती राज विभाग संभाला। बाद में पार्टी ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी।
- **इमरान प्रतापगढ़ी**– शायर इमरान प्रतापगढ़ी 2019 में कांग्रेस के लिए मुरादाबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़े थे। उस समय पार्टी में उनके पास कोई पद नहीं था। इमरान को चुनाव में 59198 वोट मिले थे, जोकि 4.62 प्रतिशत थे। इमरान ने 2019 के चुनाव में भावुक होकर कहा था कि मैं बाहरी नहीं हूं। करारी हार के बावजूद कांग्रेस में उनका कद तेजी से बढ़ता चला गया। आज वह राज्यसभा सांसद हैं और कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।

- **मुख्तार अब्बास नकवी**– मुख्तार अब्बास नकवी ने अपना पहला लोकसभा चुनाव 1998 में रामपुर से लड़ा और 265116 वोट पाकर जीत गए। ऐसा पहली बार हुआ था कि कोई मुस्लिम चेहरा भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनकर संसद पहुंचा हो। इसके बाद मुख्तार अटल बिहारी वाजपेई की सरकार में केंद्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री बन गए। नकवी 2010 से 2016 तक उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सदस्य रहे। 2014 की मोदी सरकार में अल्पसंख्यक मामलों और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री बने। 2016 में उन्हें अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार मिला। मई 2019 में मोदी कैबिनेट में शामिल हुए और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री बने।

ये दिग्गज भी मुरादाबाद मंडल से लड़ चुके हैं चुनाव - आचार्य जेबी कृपलानी, मीरा कुमार, रामगोपाल यादव, मोहम्मद अजहरुद्दीन, जयाप्रदा, आजम खां ।

नवरात्रि के 9 दिनों में क्या-क्या खरीदें, माता रानी हो जाए प्रसन्न

क्या आप जानते हैं कि नवरात्रि के पवित्र त्योहार पर ऐसी कौन-कौन-सी चीजें खरीदें जिससे सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाए। अगर नहीं तो आप भी जानिए और अवश्य खरीदें नवरात्रि में इन चीजों को.

- आरोग्य पाना चाहते हैं तो नवरात्रि के प्रथम दिन से लेकर अंतिम दिन तक कभी भी गाय का घी लाकर रखें।
- अपना घर चाहते हैं तो मिट्टी का छोटा सा घर लाकर पूजा स्थल में रखें।
- अगर विदेश यात्रा करना चाहते हैं तो 9 दिनों में कभी भी पताका (ध्वजा या परचम) खरीद कर नौ दिनों तक पूजा करें और नवमी के दिन किसी देवी मंदिर में अर्पित करें।
- आर्थिक कष्टों से मुक्ति के लिए चांदी की कोई भी शुभ सामग्री लाकर देवी को समर्पित करें।
- नौकरी में पदोन्नति चाहते हैं तो 3 नारियल लाकर पहले घर में रखें और नवमी के दिन मंदिर में चढ़ाएं।
- आकर्षण बढ़ाना चाहते हैं तो धूप, सुगंध, अगरबत्ती, रूई या चमकीली सफेद सामग्री खरीदें।
- नवरात्रि के दिन मौली खरीद कर उस पर नौ गांठ लगा कर देवी को समर्पित करें और फिर उसे सदा अपने पास रखने से हर कार्य में सफलता मिलती है।
- अपार धन संपत्ति के लिए इन नौ दिनों में किन्नर से पैसा लेकर तिजोरी या पर्स में रखें।
- सौभाग्य में वृद्धि के लिए समस्त सुहाग श्रृंगार सामग्री (कांच, काजल, कुमकुम, मंगलसूत्र, चूड़ी, कंघी, बिछिया, चुनरी) खरीदें और काली मां को नवमी के दिन चढ़ाएं।

नवरात्रि में चढ़ाएं ये फूल

नवरात्रि में मूर्ति स्थापना, घटस्थापना, कलश पूजा, व्रत, दुर्गा पूजा, हवन, कन्या भोज किया जाता है। इस दौरान यदि आप माता को प्रसन्न करने के लिए उनके मंदिर में जाकर उन्हें हर रोज एक फूल अर्पित करेंगे तो माता प्रसन्न होगी।

- स्कंदमाता : मां को पीले रंग के फूल बहुत पसंद हैं। इस दिन माता को यह फूल अर्पित करने से मां प्रसन्न होकर सुख और समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं।
- कात्यायनी : मां कात्यायनी को गेंदे का फूल और बेर के पेड़ का फूल पसंद है।
- कालरात्रि : सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा होती है। माता कालरात्रि को नीले रंग का कृष्ण कमल का फूल बहुत अधिक पसंद है। यदि ये फूल न मिले तो कोई भी नीले रंग का फूल भी अर्पित करेंगे तो माता प्रसन्न होगी।
- महागौरी : आठवें दिन महागौरी माता की पूजा की जाती है। माता महागौरी को मोगरे का फूल बेहद पसंद है। इस दिन मां के चरणों में यह फूल अर्पित करेंगे तो तो मां की कृपा हमेशा आपके घर-परिवार पर बनी रहेगी।
- सिद्धिदात्री : नौवें दिन माता सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। मां को चंपा और गुड़हल का फूल बेहद पसंद है। उनके चरणों में इस फूल को चढ़ाने से मां प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों को आशीर्वाद देती हैं।

अकाल मृत्यु से रक्षा करती है मां कालरात्रि

एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी तैलाभ्यक्तशरीरिणी।
वामपादोल्लसल्लोहलताकण्टकभूषणा।
वर्धनमूर्धध्वजा कृष्णा कालरात्रिर्भयंकरी।

नवरात्रि की सप्तमी के दिन माँ कालरात्रि की आराधना का विधान है। इनकी पूजा-अर्चना करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है व दुश्मनों का नाश होता है, तेज बढ़ता है। प्रत्येक सर्वसाधारण के लिए आराधना योग्य यह श्लोक सरल और स्पष्ट है। शारदीय नवरात्रि का सातवां दिन मां कालरात्रि को समर्पित होता है। मां कालरात्रि की अराधना से आकस्मिक संकटों से मुक्ति मिलती है। मां ने दैत्य रक्तबीज का वध करने के लिए माता पार्वती ने लिया था कालरात्रि रूप। मान्यता है कि मां कालरात्रि भक्तों को अभय वरदान देने के साथ ग्रह बाधाएं भी दूर करती हैं। मां कालरात्रि का शरीर अंधकार की तरह काला है। मां के बाल लंबे और बिखरे हुए हैं। माता के गले में पड़ी माला बिजली की तरह चमकती है। मां कालरात्रि के चार हाथ हैं। एक हाथ में माता ने खड्ग (तलवार). दूसरे में लौह शस्त्र, तीसरे हाथ वरमुद्रा और चौथे हाथ अभय मुद्रा में है। माँ जगदम्बे की भक्ति पाने के लिए उपरोक्त मंत्र कंठस्थ कर नवरात्रि में सातवें दिन इसका जाप करना चाहिए।

मान्यता है कि नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की विधि-विधान से पूजा करने वाले भक्तों पर माता रानी अपनी कृपा बरसाती हैं। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, मां कालरात्रि अपने भक्तों को काल से बचाती हैं। मतलब जो भक्त मां के इस स्वरूप की अराधना करते हैं उनकी अकाल मृत्यु नहीं होती है। मान्यता है कि मां को गुड़ का भोग चढ़ाने और दान करने से वह प्रसन्न होती हैं और सभी विपदाओं का नाश करती हैं। मां कालरात्रि को लाल रंग प्रिय है।

मां कालरात्रि का सिद्ध मंत्र-
ओम ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै
ऊं कालरात्रि दैव्ये नमः।

माँ दुर्गा की सातवीं शक्ति कालरात्रि के नाम से जानी जाती हैं। दुर्गा पूजा के सातवें दिन माँ कालरात्रि की उपासना का विधान है। इस दिन साधक का मन 'सहस्रार' चक्र में स्थित रहता है। इसके लिए ब्रह्मांड की समस्त सिद्धियों का द्वार खुलने लगता है। देवी कालात्रि को व्यापक रूप से माता देवी - काली, महाकाली, भद्रकाली, भैरवी, मृत्यिू, रुद्रानी, चामुंडा, चंडी और दुर्गा के कई विनाशकारी रूपों में से एक माना जाता है। रौद्री और धुमोरना देवी कालात्री के अन्य कम प्रसिद्ध नामों में हैं। माना जाता है कि देवी के इस रूप में सभी राक्षस,भूत, प्रेत, पिसाच और नकारात्मक ऊर्जाओं का नाश होता है, जो उनके आगमन से पलायन करते हैं। सिल्प प्रकाश में संदर्भित एक प्राचीन तांत्रिक पाठ, सौधिकागम, देवी कालरात्रि का वर्णन रात्रि के नियंत्रा रूप में किया गया है। सहस्रार चक्र में स्थित साधक का मन पूर्णतः माँ कालरात्रि के स्वरूप में अवस्थित रहता है। उनके साक्षात्कार से मिलने वाले पुण्य (सिद्धियों और निधियों विशेष रूप से ज्ञान, शक्ति और धन) का वह भागी हो जाता है। उसके समस्त पापों-विघ्नों का नाश हो जाता है और अक्षय पुण्य-लोकों की प्राप्ति होती है।

मां कालरात्रि की पूजा विधि

- पूजा शुरू करने के लिए मां कालरात्रि के परिवार के सदस्यों, नवग्रहों, दशदिक्पाल को प्रार्थना कर आमंत्रित कर लें।
- सबसे पहले कलश और उसमें उपस्थित देवी-देवता की पूजा करें।
- अब हाथों में फूल लेकर कालरात्रि को प्रणाम कर उनके मंत्र का ध्यान किया जाता है। मंत्र है- ''देव्या यया ततमिदं जगदात्मशक्तया, निश्शेषदेवगणशक्तिसमूहमूर्त्या ताम‍म्बिकामखिलदेवमहर्षिपूज्यां, भक्त नताः स्म विपादाधातु शुभानि सा नः''।
- पूजा के बाद कालरात्रि मां को गुड़ का भोग लगाना चाहिए।
- भोग लगाने के बाद दान करें और एक थाली ब्राह्मण के लिए भी निकाल कर रखनी चाहिए।

महिमा

माँ कालरात्रि का स्वरूप देखने में अत्यंत भयानक है, लेकिन ये सदैव शुभ फल ही देने वाली हैं। इसी कारण इनका एक नाम 'शुभंकारी' भी है। अतः इनसे भक्तों को किसी प्रकार भी भयभीत अथवा आतंकित होने की आवश्यकता नहीं है। माँ कालरात्रि दुष्टों का विनाश करने वाली हैं। दानव, दैत्य, राक्षस, भूत, प्रेत आदि इनके स्मरण मात्र से ही भयभीत होकर भाग जाते हैं। ये ग्रह-बाधाओं को भी दूर करने वाली हैं। इनके उपासकों को अग्नि-भय, जल-भय, जंतु-भय, शत्रु-भय, रात्रि-भय आदि कभी नहीं होते। इनकी कृपा से वह सर्वथा भय-मुक्त हो जाता है। माँ कालरात्रि के स्वरूप-विग्रह को अपने हृदय में अवस्थित करके मनुष्य को एकनिष्ठ भाव से उपासना करनी चाहिए। यम, नियम, संयम का उसे पूर्ण पालन करना चाहिए। मन, वचन, काया की पवित्रता रखनी चाहिए। वे शुभंकारी देवी हैं। उनकी उपासना से होने वाले शुभों की गणना नहीं की जा सकती। हमें निरंतर उनका स्मरण, ध्यान और पूजा करना चाहिए।

नवदुर्गा की आठवीं शक्ति माँ महागौरी

भूमण्डल में दैत्यों का उत्पात जब इस कदर बढ़ गया कि मानव क्या? देवता भी अपने यज्ञ भाग नहीं पाते थे और उनके भी स्थान राक्षसों द्वारा छीन लिए गए। इस अनीत व उत्पात को समाप्त करने के लिए देव समूहों ने अपने परम तेज से माँ दुर्गा को इस जगत में प्रकट किया था। जो देवासुर संग्राम में नव दिनों तक महिषासुरादि राक्षसों को विविध रूपो में प्रकट होकर संहार करती रही। जिससे सभी भूमण्डल वासियों का कल्याण हुआ और देवताओं को उनका स्थान व यज्ञ भाग प्राप्त हुआ। माँ दुर्गा भवानी के आठवे विग्रह को माँ गौरी के रूप में जाना व पूजा जाता है। यह आठवें दिन यानी अष्टमी को महागौरी के रूप में प्रकट हुई हैं। यह चंद्र और कुन्द के फूल की तरह गौर रंग में प्रतीत होती हैं। इन्होंने महान तपस्या करके इस गौरवर्ण को प्राप्त किया था, जिसके कारण इन्हें महागौरी देवी कहा जाता है। माँ चार भुजी है जिसमें दाहिने तरफ के ऊपर वाले हाथ में त्रिशूल धारण किए हुए है तथा नीचे वाले हाथ में वरदायनी मुद्रा है। बांये तरफ वाले ऊपर के हाथ में अभय मुद्रा को धारण किए है। तथा नीचे वाले हाथ में डमरू को धारण किए है। यह वृषभारूढ़ है अर्थात इनका वाहन नन्दी बैल है जो अतिपराक्रमी और धर्म भी प्रतीक है। माँ गौरी ने कठिन तपस्या करके भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त किया था। जिससे इन्हें शिवा भवानी भी कहा जाता है। इनकी आराधना से भक्तों को मनोवांछित फल प्राप्त होते हैं। तथा रोग, भय,पीड़ा आदि का नाश हो जाता है। और श्रद्धालु भक्त का सतत कल्याण हो रहता है।

महागौरी की पूजा का विधान

श्री माँ आदि शक्ति दुर्गा के इस आठवे विग्रह को महागौरी के नाम से इस जगत में जाना जाता है। इनकी माँ महागौरी की पूजा नवरात्रि के आठवें दिन करने का विधान होता है। इनकी पूजा अर्चना से पूर्व जन्म के संचित पाप भी धुल जाते हैं। अर्थात अपने कल्याण हेतु व्यक्ति को इनकी पूजा करनी चाहिए, पूजा का विधान पूर्ववत ही हैं। माँ महागौरी की पूजा में आठवें दिन महिलाएं अपने सुहाग की रक्षा अर्थात पति की कुशलता व परिवार की रक्षा के लिए चुनरी या साड़ी सहित विभिन्न प्रकार की सुहाग की वस्तुओं को चढ़ाती है। जिससे उन्हें सुहाग प्राप्ति की होती और जो सुगावती हैं उनके सुहाग की रक्षा होती रहती है। घर परिवार में सुख शांति होती है।

महागौरी के मंत्र

माँ माहगौरी के अनेक मत्र हैं जिसमें प्रमुख रूप से यह मंत्र है जिससे माँ की कृपा प्राप्त होती है। और भय, दोष सामाप्त होते है। तथा आश्रय हीन को आश्रय व घर प्राप्त होता है। तथा सौभाग्यकांक्षी स्त्रियों को मनवांछित पति की प्राप्ति होती है। इस मंत्र को ऋषियों व विद्वानों द्वारा जपा जाता है।
सर्वमंगलमगंले शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोस्तुते।।

महागौरी महात्म्य

माँ महागौरी का ध्यान, आवाहन, पूजन, स्मरण श्रद्धालु भक्तों का सभी तरह से कल्याण करता है। जिससे उन्हें जीवन पथ पर दुःख व पीड़ाओं से मुक्ति प्राप्त होती है। जीवन धन्य हो जाता है। अतः प्रत्यन्न पूर्वक सभी स्त्री पुरूषों को माँ जगत जननी की आराधना करनी चाहिए। क्योकि यह व्यक्ति को सद्बुद्धि, ज्ञान, धन, पुत्र व यश को देने वाली हैं।

माँ कालरात्रि
नवरात्रि का सातवाँ दिन

नवरात्रि में सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा का विधान है। ऐसी मान्यता है कि मां के इस स्वरूप की अराधना करने से व्यक्ति को सभी पापों से मुक्ति मिलती है और शत्रुओं का भी नाश हो जाता है। माता का रंग काला होने के कारण इन्हें कालरात्रि कहा गया है। इनके तीन नेत्र हैं। इनके हाथों में खड्ग और कांटा है। साथ ही इनका वाहन गधा है। मां दुर्गा का यह रूप बेहद आक्रामक व भयभीत करने वाला होता है। कहा जाता है कि इनकी पूजा से नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं।

माता कालरात्रि की पूजा नवरात्रि के सातवें दिन की जाती है। इन्हें देवी पार्वती के समतुल्य माना गया है। देवी के नाम का अर्थ- काल अर्थात मृत्यु/समय और रात्रि अर्थात रात है। देवी के नाम का शाब्दिक अर्थ अंधेरे को खत्म करने वाली है।

माता कालरात्रि का स्वरूप

देवी कालरात्रि कृष्ण वर्ण की हैं। वे गधे की सवारी करती हैं। देवी की चार भुजाएँ हैं, दोनों दाहिने हाथ क्रमशः अभय और वर मुद्रा में हैं, जबकि बाएँ दोनों हाथ में क्रमशः तलवार और खडग हैं।

पौराणिक मान्यताएँ

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार शुंभ और निशुंभ नामक दो दानव थे जिन्होंने देवलोक में तबाही मचा रखी थी। इस युद्ध में देवताओं के राजा इंद्रदेव की हार हो गई और देवलोक पर दानवों का राज हो गया। तब सभी देव अपने लोक को वापस पाने के लिए माँ पार्वती के पास गए। जिस समय देवताओं ने देवी को अपनी व्यथा सुनाई उस समय देवी अपने घर में स्नान कर रहीं थीं, इसलिए उन्होंने उनकी मदद के लिए चण्डी को भेजा। जब देवी चण्डी दानवों से युद्ध के लिए गईं तो दानवों ने उनसे लड़ने के लिए चण्ड-मुण्ड को भेजा। तब देवी ने माँ कालरात्रि को उत्पन्न किया। तब देवी ने उनका वध किया जिसके कारण उनका नाम चामुण्डा पड़ा। इसके बाद उनसे लड़ने के लिए रक्तबीज नामक राक्षस आया। वह अपने शरीर को विशालकाय बनाने में सक्षम था और उसके रक्त (खून) के गिरने से भी एक नया दानव (रक्तबीज) पैदा हो रहा था। तब देवी ने उसे मारकर उसका रक्त पीने का विचार किया, ताकि न उसका खून जमीन पर गिरे और न ही कोई दूसरा पैदा हो।

माता कालरात्रि को लेकर बहुत सारे संदर्भ मिलते हैं। आइए हम उनमें से एक बताते हैं कि देवी पार्वती दुर्गा में कैसे परिवर्तित हुईं? मान्यताओं के मुताबिक दुर्गासुर नामक राक्षस शिव-पार्वती के निवास स्थान कैलाश पर्वत पर देवी पार्वती की अनुपस्थिति में हमला करने की लगातार कोशिश कर रहा था। इसलिए देवी पार्वती ने उससे निपटने के लिए कालरात्रि को भेजा, लेकिन वह लगातार विशालकाय होता जा रहा था। तब देवी ने अपने आप को भी और शक्तिशाली बनाया और शस्त्रों से सुसज्जित हुईं। उसके बाद जैसे ही दुर्गासुर ने दोबारा कैलाश पर हमला करने की कोशिश की, देवी ने उसको मार गिराया। इसी कारण उन्हें दुर्गा कहा गया।

ज्योतिषीय संदर्भ

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार देवी कालरात्रि शनि ग्रह को नियंत्रित करती हैं। देवी की पूजा से शनि के बुरे प्रभाव कम होते हैं।
मंत्र- ऊं देवी कालरात्र्यै नमः

प्रार्थना मंत्र

एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी तैलाभ्यक्त शरीरिणी।
वामपादोल्लसल्लोह लताकण्टकभूषणा।
वर्धन मूर्धध्वजा कृष्णा कालरात्रिर्भयङ्करी।

स्तुति

या देवी सर्वभूतेषु माँ कालरात्रि रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

स्त्रोत

हीं कालरात्रि श्रीं कराली च क्लीं कल्याणी कलावती।
कालमाता कलिदर्पध्नी कमदीश कुपान्विता।
कामबीजजपान्दा कमबीजस्वरूपिणी।
कुमतिघ्नी कुलीनर्तिनाशिनी कुल कामिनी।
क्लीं ह्रीं श्रीं मन्त्रर्वर्णेन कालकण्टकघातिनी।
कृपामयी कृपाधारा कृपापारा कृपागमा।

नवरात्रि के आठवें दिन माँ महागौरी की पूजा की जाती है। माँ महागौरी अपने भक्तों की सभी इच्छाओं को पूरा करने के लिए जानी जाती हैं। उनके नाम का अर्थ हैः महा - महान / अपार और गौरी - श्वेत। चूंकि वह रंग में काफी गोरी है, इसलिए उन्हें 'महागौरी' नाम मिला।

माँ महागौरी
नवरात्रि का आठवाँ दिन

देवी महागौरी की चार भुजाएँ हैं और वे वृषभ की सवारी करती हैं। वे दाहिने एक हाथ से अभय मुद्रा धारण की हुई हैं, वहीं दूसरे दाहिने हाथ में त्रिशूल है और बाएँ एक हाथ में डमरू तथा दूसरे बाएँ हाथ से वे वर मुद्रा में है।

पौराणिक मान्याताओं के अनुसार देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए गर्मी, सर्दी और बरसात का बिना परवाह किए कठोर तप किया था जिसके कारण उनका रंग काला हो गया था। जब शिव जी ने उन्हें स्वीकार किया, तो उन्होंने गंगा नदी में अपने शरीर से सभी धूल और अन्य अशुद्धियों को साफ किया। तब, उनका असली रंग बाहर आ गया, जो बेहद सफेद था। इसलिए, उन्हें यह नाम 'महागौरी' मिला।

एक और मान्यता के अनुसार एक भूखा सिंह भोजन की तलाश में वहां पहुंचा जहां देवी ऊमा तपस्या कर रही होती है। देवी को देखकर सिंह की भूख बढ़ गई, लेकिन वह देवी के तपस्या से उठने का प्रतीक्षा करते हुए वहीं बैठ गया। इस प्रतीक्षा में वह काफी कमजोर हो गया। देवी जब तप से उठी तो सिंह की दशा देखकर उन्हें उस पर बहुत दया आ गई। उन्होने द्याभाव और प्रसन्न्ता से उसे भी अपना वाहन बना लिया क्योंकि वह उनकी तपस्या पूरी होने के प्रतीक्षा में स्वंय भी तप कर बैठा। कहते है जो स्त्री मां की पूजा भक्ति भाव सहित करती हैं उनके सुहाग की रक्षा देवी स्वंय करती हैं।
मंत्र- ऊँ देवी महागौर्यै नमः

प्रार्थना मंत्र

श्वेते वृषेसमारूढा श्वेताम्बरधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेव प्रमोददा।

स्तुति

या देवी सर्वभूतेषु माँ महागौरी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

ध्यान मंत्र

वन्दे वाञ्छित कामार्थे चन्द्रार्धकृतशेखराम।
सिंहारूढा चतुर्भुजा महागौरी यशस्विनीम।
पूर्णन्दु निभाम् गौरी सोमचक्रस्थिताम
अष्टमम महागौरी त्रिनेत्राम।
वराभीतिकरां त्रिशूल डमरूधरां महागौरी भजेम।
पटाम्बर परिधानां मृदुहास्या नानालङ्कार भूषिताम।
मञ्जीर, हार, केयूर, किङ्किणि, रत्नकुण्डल मण्डिताम।
प्रफुल्ल वन्दना पल्लवाधरां कान्त कपोलाम त्रैलोक्य मोहनम।
कमनीयां लावण्यां मृणालां चन्दन गन्धलिप्ताम।

स्त्रोत

सर्वसङ्कट हन्त्री त्वंहि धन ऐश्वर्य प्रदायनीम।
ज्ञानदा चतुर्वेदमयी महागौरी प्रणमाम्यहम।
सुख शान्तिदात्री धन धान्य प्रदायनीम।
डमरूवाद्य प्रिया अद्या महागौरी प्रणमाम्यहम।
त्रैलोक्यमङ्गल त्वंहि तापत्रय हारिणीम।
वददम चैतन्यमयी महागौरी प्रणमाम्यहम।

कवच मंत्र

ऊँकारः पातु शीर्षो माँ, हीं बीजम माँ, हृदयो।
क्लीं बीजम सदापातु नभो गृहो च पादयो।
ललाटम कर्णो हुं बीजम पातु महागौरी माँ नेत्रम घ्राणो।
कपोत चिबुको फट् पातु स्वाहा माँ सर्ववदनो।

नवरात्रि की अष्टमी और नवमी को ये ना खाएं

तिथियों का ज्ञान हमें ज्योतिष शास्त्र और पुराणों में मिलता है। किस तिथि में क्या खाना चाहिए और क्या नहीं इस संबंध में आयुर्वेद में भी उल्लेख मिलता है। नवरात्रि में व्रत रखा है तो कई घरों में सप्तमी, अष्टमी या नवमी को व्रत का समापन करते हैं। समापन के दौरान कई तरह के व्यंजन बनाते हैं। व्यंजन बनाते वक्त निम्नलिखित भोजन का ग्रहण करने से बचें। वैसे यह नियम सभी सप्तमी, अष्टमी और नवमी पर लागू होते हैं।

अष्टमी : अष्टमी के दिन नारियल खाना निषेध है, क्योंकि इसके खाने से बुद्धि का नाश होता है। इसके आवला तिल का तेल, लाल रंग का साग तथा कांसे के पात्र में भोजन करना निषेध है।

नवमी : नवमी के दिन लौकी खाना निषेध है, क्योंकि इस दिन लौकी का सेवन गौ-मांस के समान माना गया है। इस दिन कड़ी, पूरणपौल, खीर, पूरी, साग, भजिये, हलवा, कद्दू या आलू की सब्जी बनाई जा सकती है। नवमी के दिन दुर्गा सप्तशती का पाठ करके विधिवत समापन करें और कन्याओं को भोज कराएं।

संक्षिप्त समाचार

भारत से चीन को 90 प्रमुख उत्पादों का निर्यात बढ़ा, वाणिज्य मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन को निर्यात की जाने वाली कुल 161 वस्तुओं में से करीब 90 प्रमुख उत्पादों का निर्यात पिछले साल बढ़ा है। इनमें दूरसंचार उपकरण, लौह अयस्क और इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जे आदि शामिल हैं। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, भारत से चीन को निर्यात होने वाली कुल वस्तुओं में से इन 90 उत्पादों की हिस्सेदारी 67.7 फीसदी है। हालांकि, शेष 32.3 फीसदी हिस्सेदारी वाली बाकी 71 वस्तुओं के निर्यात में गिरावट आई है। भारत का चीन को दूरसंचार उपकरणों का निर्यात 2023 में 46.45 फीसदी बढ़कर 24.75 करोड़ डॉलर पहुंच गया।इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का निर्यात 6.75 फीसदी बढ़कर 15.65 करोड़ डॉलर पहुंच गया। भारत का चीन को निर्यात चार कमोडिटी स्तरों में पिछले साल 10 करोड़ डॉलर से अधिक बढ़ा है। ये कमोडिटी हैं...लौह अयस्क (216.8 फीसदी बढ़कर 3.33 अरब डॉलर), सूती धागा (542.6 फीसदी बढ़कर 61.11 करोड़ डॉलर), मसाले (19.4 फीसदी बढ़कर 13.22 करोड़ डॉलर) व प्रसंस्कृत खनिज (174.19 फीसदी बढ़कर 12.9 करोड़ डालर)।

मोदी सरकार नीलाम कर रही 30,000 करोड़ रुपये के सरकारी बांड

नईदिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार आज 30,000 करोड़ रुपये के सरकारी बांड नीलाम कर रही है। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को तीन अलग-अलग श्रेणियों में 30,000 करोड़ रुपये के सरकारी बांड की बिक्री की घोषणा की। इसे 12 अप्रैल यानी आज आरबीआई के मुंबई कार्यालय द्वारा नीलामी के लिए रखा गया है।

पहलाः बांड में प्राइस बेस्ड ऑक्शन प्राइस मेथड के माध्यम से 11,000 करोड़ रुपये की नोटिफाइड राशि के लिए 7.32 प्रतिशत गवर्नमेंट सिक्युरिटी 2030 शामिल है।

दूसराः मल्टीपल प्राइस मेथड का उपयोग करके यील्ड बेस्ड नीलामी के माध्यम से 10,000 करोड़ रुपये की न्यू गवर्नमेंट सिक्यूरिटी 2039

तीसराः मल्टीपल प्राइस मेथड का उपयोग करके प्राइस बेस्ड ऑक्शन के माध्यम से 9,000 करोड़ रुपये की राशि के लिए 7.30 प्रतिशत गवर्नमेंट सिक्यूरिटी 2053

सरकार के पास इनमें से हर सिक्युरिटी के बदले 2,000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त सब्सक्रिप्शन बरकरार रखने का विकल्प होगा। सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी में नॉन कंपटेटिव बिडिंग सुविधा की योजना के अनुसार प्रतिभूतियों की बिक्री की नोटिफाइड राशि का 5 प्रतिशत तक पात्र व्यक्तियों और संस्थानों को आवंटित किया जाएगा। नीलामी के लिए कंपटेटिव और नॉन-कंपटेटिव दोनों बोलियां 12 अप्रैल, 2024 को भारतीय रिजर्व बैंक कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (ई-कुबेर) सिस्टम पर इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में प्रस्तुत की जानी चाहिए। गैर-प्रतिस्पर्धी बोलियां सुबह 10:30 बजे से 11:00 बजे और प्रतिस्पर्धी बोलियां सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे के बीच प्रस्तुत की जानी चाहिए। वित्त मंत्रालय ने कहा कि ऑक्शन का रिजल्ट आज ही घोषित कर दिया जाएगा और सफल बोलीदाताओं द्वारा भुगतान 15 अप्रैल को किया जाएगा। प्रतिभूतियां केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में जब जारी लेनदेन पर दिशानिर्देशों के अनुसार आरबीआई ने कब इश्यू किया , व्यापार के लिए पात्र होंगी।

ब्रांडेड सामानों की मांग में आया उछाल

इनपुट कास्ट घटने से कीमतों में गिरावट आई

दाम कम होने से पैकेज्ड सामान ज्यादा खरीदे जा रहे

नईदिल्ली, एजेंसी। अब बाजार में रोजमर्रा की जरूरतों वाले सामानों के पैकेज्ड स्टेपल की मांग काफी बढ़ गई है। लोग कंपनियों के ब्रांडेड सामान खरीदना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इसकी वजह कीमतों में गिरावट है। दैनिक जरूरतों व रोजमर्रा के सामान बनाने वाली अडानी विल्मर, मैरिको, आईटीसी लिमिटेड और एलटी फूड्स जैसी बड़ी कंपनियों के मुताबिक, उपभोक्ता 2023-24 में खुली चीजों से ब्रांडेड पैकेज्ड स्टेपल खरीदने के लिए वापस आ गए हैं। इसकी मुख्य वजह कमोडिटी की कीमतों में गिरावट है। इससे पैकेज्ड स्टेपल की बिक्री की मात्रा या यूनिट की संख्या में वृद्धि हुई है। कीमतों में कमी आई है। इससे पहले वित्त वर्ष 22 और 23 के दौरान महंगाई के चलते लोग पैकेज्ड सामानों की जगह खुली चीजें खरीदना ज्यादा पसंद करने लगे थे। देश की सबसे बड़ी पैकेज्ड खाद्य तेल निर्माता अडानी विल्मर के प्रबंध निदेशक अंगशु मल्लिक के मुताबिक, जब खाद्य तेल की कीमतें बढ़ीं, तो उपभोक्ता ब्रांडेड से लूज या कम कीमत वाले ब्रांडों में चले गए थे। लेकिन अब कीमतों में गिरावट ने उपभोक्ताओं को हमारे साथ वापस ला दिया है। अब लोकप्रिय ब्रांड दूसरों की तुलना में तेजी से बढ़ रहे हैं। यह बदलाव ग्रामीण बाजारों में भी हो रहा है।

बिक्री में आया उछाल

अडानी विल्मर ने हाल ही में अपने चौथी तिमाही के परिणाम घोषित किए थे। इसमें वित्त वर्ष 24 में, खाद्य तेल की ब्रांडेड बिक्री में साल-दर-साल 10 फीसदी की ओवरऑल सेगमेंट ग्रो की तुलना में 15 फीसदी का इजाफा हुआ है। साल 2022 और 2023 की शुरुआत में रेकॉर्ड ऊंचाई के बाद खाद्य तेल की कीमतें लगभग कोविड-पूर्व स्तर पर वापस आ गई हैं। कंपनी के मुताबिक, बढ़ती मात्रा के बावजूद, पिछले वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 24 में खाद्य तेल की कीमतें कम थीं। इससे राजस्व कम हुआ है। अडानी विल्मर ने कहा है कि पिछले वित्त वर्ष में उसके खाद्य तेल व्यवसाय की मात्रा में 10 फीसदी का इजाफा हुआ है। जबकि मूल्य बिक्री में 15 फीसदी की गिरावट आई है।

कम हुईं कीमतें

आटा, दाल, चावल और चाय जैसी स्टेपल की कीमतें जहां कम हुई हैं। वहीं मसाले जैसे कुछ सेगमेंट में कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। उद्योग के अधिकारियों के मुताबिक, पैकेज्ड आटे में पिछले वित्त वर्ष में लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं पैकेज्ड चावल में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पैकेज्ड चावल की दावत रेंज बेचने वाली एलटी फूड्स के सीईओ और प्रबंध निदेशक अश्विनी अरोड़ा ने कहा कि वित्त वर्ष 23 की तुलना में वित्त वर्ष 24 में कंपनी की पैकेज्ड बासमती बिक्री में 11 प्रतिशत-12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि कंपनी को 2024-25 में भी इसी तरह की वृद्धि की उम्मीद है।

लोकसभा चुनाव के बाद 17 फीसदी तक महंगा हो जाएगा मोबाइल पर बात करना, एयरटेल को होगा सबसे ज्यादा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के बाद मोबाइल फोन पर बात करना महंगा हो जाएगा, क्योंकि दूरसंचार कंपनियां टैरिफ में 15-17 फीसदी तक बढ़ोतरी कर सकती हैं।इसका सबसे अधिक फायदा एयरटेल को होगा। लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से एक जून तक होंगे। चार जून को परिणाम आएगा। एंटिक स्टॉक ब्रोकिंग ने एक रिपोर्ट में कहा, दूरसंचार उद्योग ने टैरिफ में अंतिम बढ़ोतरी दिसंबर, 2021 में 20 फीसदी तक की थी। दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी एयरटेल की मौजूदा प्रति ग्राहक कमाई 208 रुपये है। 2026-27 के अंत तक यह 286 रुपये तक पहुंच सकती है। एयरटेल के ग्राहकों की संख्या सालाना दो फीसदी बढ़ सकती है। उद्योग की वृद्धि एक फीसदी है।

117 रुपये हो जाएगा 100 रुपये का रिचार्ज

अगर अभी आप कोई रिचार्ज 100 रुपये का करा रहे हैं। जून के बाद इसी 100 के लिए आपको 117 रुपये देने होंगे। अगर आप 84 दिन का कोई 700 रुपये का प्लान रिचार्ज करा रहे हैं तो इसके लिए अब आपको 819 रुपये का भुगतान करना होगा।

जल्द मिलेगा आयकर रिफंड, जब्त संपत्तियां भी होंगी वापस; अपील पर सुनवाई में तेजी की बन रही योजना

नईदिल्ली, एजेंसी। आप अगर टैक्स भरते हैं तो आपके लिए राहत की बात है। आयकर विभाग चालू वित्त वर्ष यानी 2024-25 से टीडीएस भुगतान और टैक्स से संबंधित अपील को जल्द-से-जल्द निपटाएगा। इससे आपको आयकर रिफंड भी जल्द मिल जाएगा।विभाग इसके लिए एक कार्ययोजना तैयार कर रहा है, जिसे शीघ्र ही लागू किया जाएगा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर विभाग से कहा है कि ऐसी कार्ययोजना बनाएं, जिससे टैक्स से जुड़े संभावित मामलों की पहचान कर उसका तुरंत निपटान किया जाए। इस योजना में जब्त की गई संपत्ति को फिर से वापस करने के लिए एक तय समय सीमा होगी। विभाग ने बताया कि ऐसी संपत्तियां 30 जून 2024 तक वापस कर दी जाएंगी। इसमें 31 मार्च, 2024 तक लंबित कंपाउंडिंग प्रस्तावों को अंतिम रूप देने और 30 जून तक कम-से-कम 150 अपीलों के निपटान का लक्ष्य रखा गया है। एक अप्रैल, 2020 से पहले दायर अपीलों के निपटान को प्राथमिकता विभाग ने बताया कि एक अप्रैल, 2020 से पहले दायर अपीलों के निपटान को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद एक अप्रैल, 2020 के बाद दायर अपीलों का निपटान किया जाएगा। यह फैसला प्रशासन दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ई-निवारण और सीपीजीआरएएम प्लेटफार्मों के माध्यम से शिकायतों के समाधान के लिए तत्काल उपाय शुरू किए गए हैं।

मूल्यांकन अधिकारी के समक्ष दाखिल कर सकते हैं मामला

आयकर विभाग के नए फैसले के तहत करदाताओं को अब लंबित रिफंड के लिए मूल्यांकन अधिकारी के समक्ष आवेदन दाखिल करना होगा। धारा 195/197/206सी के तहत शून्य/कम टीडीएस या टीसीएस प्रमाणपत्रों के आवेदनों के प्रसंस्करण में तेजी लाई जाएगी। एक अप्रैल, 2024 से आवेदन प्राप्ति के एक महीने के भीतर उनका समाधान कर दिया जाएगा। एकेएम ग्लोबल (साझेदार कर) संदीप सहगल का कहना है कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपनी अंतरिम कार्ययोजना जारी की है। यह कर प्रशासन दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वोडाफोन आईडिया का लॉन्च होने जा रहा एफपीओ

प्राइस बैंड 10 रुपये से लेकर 11 रुपये तय किया गया

कंपनी 18000 करोड़ रुपये जुटाने की कर रही तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। वाडाफोन आइडिया लिमिटेड की ओर से एफपीओ लाने का ऐलान किया गया है। कंपनी 18,000 करोड़ रुपये का एफपीओ लॉन्च करने जा रही है। ये एफपीओ 18 अप्रैल से लेकर 22 अप्रैल तक आम निवेशकों को लिए खुलेगा। एंकर निवेशकों के ऑफर को 16 अप्रैल को एप्रूव किया जाएगा। वोडाफोन आईडिया ने अपने एफपीओ के लिए प्राइस बैंड तय कर दिया है। इसका प्राइस बैंड 10 रुपये से लेकर 11 रुपये तय किया गया है। एक्सचेंज फाइलिंग में बताया गया है कि बोर्ड ने रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, गुजरात के साथ रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस को अपनाने और दाखिल करने को मंजूरी दे दी है।

इस एफपीओ का लॉट साइज 1298 शेयरों का है। ऐसे में निवेशकों को इस एफपीओ में निवेश के लिए कम से कम 14,278 रुपये की जरूरत होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी 15 अप्रैल से कंपनी रोड शो भी शुरू करेगी, जिसमें निवेशकों और एनालिस्ट से मुलाकात की जाएगी। ये रोड शो ऑफर की क्लोजिंग तक चलेगा। वोडाफोन आइडिया के एफपीओ को कंपनी के बोर्ड की ओर से 27 फरवरी को 20,000 करोड़ रुपये इक्विटी के जरिए जुटाने की मंजूरी मिली थी।

क्या होता है एफपीओ

एफपीओ यानी फॉलो ऑन पब्लिक ऑफर में कंपनी जो पहले से ही शेयर बाजार में लिस्टेड है वह प्रमोटरों को नए शेयर जारी करती है। कंपनी अपने इन नए शेयरों के जरिए बाजार से एक्स्ट्रा फंड जुटाती है। वहीं आईपीओ यानी इनीशियल पब्लिक ऑफर उस कंपनी का आता है जो शेयर बाजार में पहले से लिस्टेड नहीं होती है। हालांकि आप किसी भी आईपीओ या एफपीओ में निवेश से पहले एक बार अपने वित्तीय सलाहाकार से बात जरूर कर लें।

बढ़ेगी सैलरी, बढ़ेगा पीएफ, सरकार कर्मचारियों को बड़ी राहत देने की कर रही तैयारी

सरकार कर्मचारियों को बड़ी राहत देने की तैयारी कर रही है। इसके लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने की योजना है। इसके तहत पीएफ खाते में योगदान के लिए न्यूनतम वेतन सीमा यानी बेसिक सैलरी को 15 हजार से बढ़ाकर 21 हजार रुपये किया जा सकता है। इसका सीधा मतलब यह है कि पीएफ और पेंशन खाते में अधिक राशि जाएगी।

प्रस्ताव पर दोबारा विचार

पीएफ के लिए सैलरी लिमिट को बढ़ाने का प्रस्ताव पिछले कई वर्षों से लंबित है। इस मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि हम सभी विकल्पों का मूल्यांकन कर रहे हैं और नई सरकार द्वारा इस संबंध में निर्णय लिया जा सकता है। ऐसा करना सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्राप्त करने की दिशा में एक मजबूत कदम होगा। अधिकारी के अनुसार, वेतन सीमा बढ़ाने से सरकार और निजी क्षेत्र दोनों पर भारी वित्तीय प्रभाव पड़ेगा।

लाखों कर्मचारियों को होगा लाभ

अधिकारी ने बताया कि बढ़ी हुई वेतन सीमा से लाखों श्रमिकों को लाभ होगा, क्योंकि अधिकांश राज्यों में न्यूनतम मजदूरी 18,000 और 25,000 के बीच है। अभी जो सैलरी लिमिट है, उस वजह से वे किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा से वंचित हो जाते हैं।

2014 में हुआ था बदलाव

ईपीएफओ के तहत वेतन सीमा में आखिरी बार साल 2014 में बदलाव हुआ था। तब इसे 6,500 से बढ़ाकर 15,000 कर दिया गया था। हालांकि, इससे उलट कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) में भी वेतन की सीमा इससे ज्यादा है। वहां साल 2017 से ही 21,000 की उच्च वेतन सीमा है और सरकार के भीतर इस बात पर सहमति है कि दो सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत वेतन सीमा को एक जैसा किया जाना चाहिए। ईपीएफओ और ईएसआईसी दोनों श्रम और रोजगार मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।

अभी कितना योगदान

मौजूदा नियमों के तहत कर्मचारी और नियोक्ता दोनों ईपीएफ खाते में मूल वेतन, महंगाई भत्ता और प्रतिधारण भत्ता (यदि कोई हो) का 12-12 फीसदी का समान योगदान करते हैं। जहां कर्मचारी का पूरा योगदान भविष्य निधि खाते में जमा किया जाता है, वहीं नियोक्ता के योगदान का 8.33 फीसदी कर्मचारी पेंशन योजना में जाता है और शेष 3.67 फीसदी पीएफ खाते में जमा किया जाता है।

कितना फायदा होगा

अगर बेसिक सैलरी 21 हजार रुपये हो जाती है तो कर्मचारी का पीएफ में योगदान 2520 रुपये हो जाएगा, जो अभी 1800 रुपये है। वहीं, नियोक्ता भी इतना ही योगदान करेगा, जिसमें से 1749 रुपये पेंशन खाते में जाएंगे। शेष 771 रुपये पीएफ खाते में जमा होंगे।

सीआईआई प्रमुख का सुझाव- रोजगार प्रोत्साहन योजना लेकर आए सरकार, चार क्षेत्रों में सुधार जरूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष आर दिनेश ने सुझाव दिया कि सरकार उन उत्पादन से जुड़ी योजनाओं (पीएलआई) के अनुरूप रोजगार प्रोत्साहन योजना लेकर आए, जिन्हें उसने कई क्षेत्रों के लिए शुरू किया है। उन्होंने कहा कि रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना न केवल नौकरियां पैदा करेगी बल्कि पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा, आतिथ्य और रसद जैसे क्षेत्रों को भी बढ़ने में मदद करेगी। सीआईआई प्रमुख ने कहा, हम रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना का सुझाव दे रहे हैं, खासतौर पर पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा और रसद जैसे उच्च रोजगार पैदा करने वाले कुछ क्षेत्रों का समर्थन करने के लिए। चुनावी मौसम में दिनेश ने कहा कहा कि भारत के नीति घोषणापत्र में बड़ा सुधार होना चाहिए। भारत को मौटे तौर पर चार क्षेत्रों में बड़े सुधारों की जरूरत है- श्रम सुधार, कृषि सुधार, लघु, कुटीर एवं मध्यम उपक्रम (एमएसएमई) के क्षेत्र में सुधार और फिनटेक क्षेत्र में सुधार।

दिनेश ने कहा, कृषि और श्रम सुधारों के लिए केंद्र और राज्यों के बीच व्यापक सहमति की जरूरत है। कृषि और श्रम क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधारों के लिए केंद्र और राज्यों के बीच आम सहमति तक पहुंचने के लिए वस्तु एवं सेवा कर परिषद (जीएसटी काउंसिल) जैसी एक संस्था बनाई जानी चाहिए। यह संस्था इन सुधारों का उचित और समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित कर सकता है।

उन्होंने कहा, आज हमारे पास एमएसएमई हैं। उन्होंने औपचारिक अर्थव्यवस्था, बैंकों और फिनटेक से फंडिंग तक बेहतर पहुंच मिलनी चाहिए। जरूरत इस बात की है कि आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) को उनके समर्थन के लिए संस्थागत बनाया जा सकता है। ऐसा करने के लिए इसे एक रेटिंग एजेंसी के साथ गठजोड़ की आवश्यकता है। यह एमएसएमई के लिए रेटिंग को उपयुक्त बनाने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा, एमएसएमई की मुख्य चुनौती स्थिरता और हरित उर्चा में बदलाव के लिए धन प्राप्त करना है। इस मकसद के लिए एक कोष बनाया जाना चाहिए। दिनेश ने स्वास्थ्य और शिक्षा पर सरकारी खर्च बढ़ाने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का तीन और छह फीसदी स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जाना चाहिए।

सारे रिकॉर्ड ध्वस्त: सोना 73000 से 33 रुपये दूर, चांदी 84000 के करीब

नईदिल्ली, एजेंसी। एमसीएक्स के बाद सोना-चांदी आज सर्राफा मार्केट में भी उड़ान भर रहे हैं। सोना शुक्रवार को 1122 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा होकर 72967 रुपये के नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 1262 रुपये प्रति किलो की छलांग लगाकर 83605 रुपये पर पहुंच गई है। अप्रैल में सोना 5715 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो चुका है। जबकि, चांदी के रेट में 9478 रुपये प्रति किलो का उछाल आया है।

आईबीजेए के लेटेस्ट रेट के मुताबिक आज 23 कैरेट सोना 1140 रुपये चढ़कर 72675 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। दूसरी ओर 22 कैरेट सोने की कीमत 1048 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़कर 66838 रुपये पर पहुंच गई है। जबकि, 18 कैरेट सोना भी आज 858 रुपये चढ़कर 54725 रुपये पर पहुंच गया। जबकि,, 14 कैरेट गोल्ड का भाव 669 रुपये उछलकर 42686 रुपये पर पहुंच गया। आईबीजेए के ये रेट कई शहरों से लिए गए हैं। हो सकता है आपके शहर में सोने-चांदी के भाव में 1000 से 2000 का अंतर हो।

3 साल में 28048 रुपये बढ़ गया सोने का भाव

एक अप्रैल 2021 को सर्राफा मार्केट में 24 कैरेट सोने का भाव 44919 रुपये पर बंद हुआ था। आज यह 72967 रुपये पर पहुंच गया है। तीन साल में ही सोना 28048 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो गया। दूसरी तरफ चांदी की बात करें तो इन तीन सालों में चांदी 63737 रुपये प्रति किलो से 19868 रुपये उछलकर 83605 रुपये पर पहुंच गई।

एमसीएक्स पर पहली बार सोना 72500 और चांदी 84000 के पार : एमसीएक्स के बाद सोना-चांदी आज सर्राफा मार्केट में भी उड़ान भर रहे हैं। सोना आज 1122 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा होकर 72967 रुपये के एक नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है और चांदी1262 रुपये प्रति किलो की छलांग लगाकर 83605 रुपये पर पहुंच गई है। अप्रैल में सोना 5715 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो चुका है। जबकि, चांदी के रेट में 9478 रुपये प्रति किलो का उछाल आया है।

आईबीजेए के लेटेस्ट रेट के मुताबिक आज 23 कैरेट सोना 1140 रुपये चढ़कर 72675 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। दूसरी ओर 22 कैरेट सोने की कीमत 1048 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़कर 66838 रुपये पर पहुंच गई है। जबकि, 18 कैरेट सोना भी आज 858 रुपये चढ़कर 54725 रुपये पर पहुंच गया। जबकि,, 14 कैरेट गोल्ड का भाव 669 रुपये उछलकर 42686 रुपये पर पहुंच गया। आईबीजेए के ये रेट कई शहरों से लिए गए हैं। हो सकता है आपके शहर में सोने-चांदी के भाव में 1000 से 2000 का अंतर हो।

3 साल में 28048 रुपये बढ़ गया सोने का भाव : एक अप्रैल 2021 को सर्राफा मार्केट में 24 कैरेट सोने का भाव 44919 रुपये पर बंद हुआ था। आज यह 72967 रुपये पर पहुंच गया है। तीन साल में ही सोना 28048 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो गया। दूसरी तरफ चांदी की बात करें तो इन तीन सालों में चांदी 63737 रुपये प्रति किलो से 19868 रुपये उछलकर 83605 रुपये पर पहुंच गई। इसी 28 मार्च को 24 कैरेट सोने का भाव 67252 रुपये के ऑल टाइम हाई पर पहुंचा था। इसके बाद एक अप्रैल को सोना रिकॉर्ड 68964 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। 3 अप्रैल को यह फिर नए शिखर 69526 पर और अगले दिन ही 69936 के ऑल टाइम हाई पर पहुंचा। 8 अप्रैल को सोना 71279 रुपये पर पहुंच गया।

संक्षिप्त समाचार

एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप

सिंधू-प्रणय हार, टूर्नामेंट में भारत की चुनौती समाप्त

निंगबो (चीन)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और एचएस प्रणय के यहां अपने प्री-क्वार्टर फाइनल में बाहर होने से एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। पेरिस ओलंपिक से पहले फॉर्म में लौटने की कोशिश में जुटी सिंधू ने एक घंटे और नौ मिनट तक कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन अंत में छठी वरीयता प्राप्त चीन की हान युए से 18-21, 21-13 17-21, से हार गईं।

सातवीं वरीयता प्राप्त प्रणय को चीनी ताइपे के गैर वरीय लिन चुन यि से महज 43 मिनट में 18-21, 11-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। भारतीयों के एक अन्य नतीजे में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की युगल जोड़ी प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान की नामी मातसुयामा और चिहारू शिडा की तीसरी वरीय जोड़ी से 17-21, 12-21 से पराजित हो गईं। निर्णायक गेम में युए 17-10 से आगे हो गईं। सिंधू ने हालांकि कुछ अंक जुटाकर अंतर 20-17 किया। सिंधू ने दो गेम प्वाइंट बचाए, लेकिन अंत में उनकी प्रतिद्वंद्वी ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं, प्रणय अपने मुकाबले के दौरान आत्मविश्वास से भरे हुए नहीं दिखे जबकि एक समय दोनों खिलाड़ी पहले आठ अंक में बराबरी पर थे।

फैंस से शिकायत नहीं कर सकते...

हार्दिक पांड्या की हो रही आलोचना पर ईशान किशन का बयान, कही यह बात

मुंबई। मुंबई इंडियंस के लिए वानखेड़े स्टेडियम में एक और मैच, साथ ही एक और अवसर जहां कप्तान हार्दिक पांड्या की हूटिंग की गई। टूर्नामेंट की शुरुआत के बाद से ही यही कहानी रही है। फैंस रोहित शर्मा की जगह हार्दिक को मुंबई का नया कप्तान बनाए जाने से नाराज हैं।

गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली तक को हार्दिक के समर्थन में आना पड़ा और फैंस से हार्दिक को परेशान करना बंद करने के लिए कहा। मैच के बाद एमआई के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बारे में बात की। ईशान को लगता है कि हार्दिक को उनकी कड़ी मेहनत के लिए कभी न कभी मैदान के अंदर और बाहर फैंस से सराहना मिलेगी। उन्होंने कहा, हार्दिक पंड्या को चुनौतियां पसंद हैं। वह पहले भी इस स्थिति में रहे हैं और वह अभी भी उसी स्थिति में है। वह ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो सामने आएंगे और इस बारे में बात करेंगे। मुझे पता है कि वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो मैदान के बाहर वास्तव में कड़ी मेहनत करता है। मैदान पर वह बहुत अलग स्तर पर होते हैं। ईशान ने कहा- मुझे पता है कि वह इसका आनंद उठा रहे होंगे। मैंने उनके साथ काफी समय बिताया है। उन्हें मजा आ रहा होगा। वह चुनौतियों के लिए तैयार रहते हैं क्योंकि आप फैंस से शिकायत नहीं कर सकते। वे अपनी उम्मीदों के साथ आएंगे, वे अपनी बात रखेंगे। लेकिन साथ ही मुझे पता है कि हार्दिक पांड्या कैसे सोचते हैं।

बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से हटाए जाने और रणजी ट्रॉफी विवाद पर ईशान किशन ने तोड़ी चुप्पी

ब्रेक के दौरान मेरी मानसिकता बदली

मुंबई। आईपीएल 2024 के 25वें मैच में मुंबई इंडियंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को सात विकेट से हरा दिया। ईशान ने 34 गेंद में 69 रन बनाकर मुंबई को 197 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में मदद की। मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए ईशान ने आईपीएल शुरू होने से कुछ हफ्ते पहले हुए विवादों पर से पर्दा हटाया। दरअसल, ईशान को बीसीसीआई ने केंद्रीय अनुबंध से हटा दिया था। साथ ही बीसीसीआई की चेतावनी के बावजूद वह रणजी ट्रॉफी नहीं खेले थे। ऐसे में भारतीय टीम में उनका भविष्य सवालों के घेरे में था। ईशान मानसिक थकान के कारण दक्षिण अफ्रीका सीरीज बीच में छोड़कर वापस लौट गए थे। इसके बाद न तो अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज और न ही इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए खुद को उपलब्ध बताया था। ऐसे में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने ईशान को भारतीय टीम में वापसी के लिए रणजी ट्रॉफी खेलने की सलाह दी थी। हालांकि, ईशान ने इसकी अनदेखी की और कप्तान हार्दिक पांड्या के साथ आईपीएल की तैयारी करने का फैसला किया। बीसीसीआई ने फिर ईशान के साथ-साथ श्रेयस अय्यर को बीसीसीआई के वार्षिक अनुबंध से बाहर कर दिया था। अब इस पूरे विवाद पर ईशान किशन ने बयान दिया है। उन्होंने कहा, मैं अभ्यास कर रहा था। जब मैंने खेल से थोड़ा खुद के लिए समय निकाला तो लोग काफी बातें कर रहे थे। सोशल मीडिया पर कई बातें आईं, लेकिन आपको यह भी महसूस करना चाहिए कि कई चीजें खिलाड़ियों के हाथ में नहीं होती हैं।

ब्रेक के दौरान मेरी मानसिकता में आया बदलाव

ब्रेक के दौरान ईशान की मानसिकता में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने खेल के प्रति अपने दृष्टिकोण में बदलाव किया है। इसमें खास तौर पर करियर में सबकुछ बिगड़ जाने पर खुद को कैसे संभाला जाए, वह भी सीखा है। ईशान ने कहा, केवल एक चीज जो आप कर सकते हैं, वह है समय का सही उपयोग। साथ ही यह कि इस खास स्थिति में अगर पिछला वाला ईशान किशन होता तो उसकी मानसिकता क्या होती। मैं पहले दो ओवरों में कभी भी गेंद नहीं छोड़ता था। भले ही वे कितनी भी अच्छी गेंदबाजी कर रहे हों।

एक टीम के रूप में कैसे खेलना है, यह मैंने सीखा

ईशान ने कहा- अब समय के साथ मैंने सीखा है कि 20 ओवर भी बड़ा मैच है। आप अपना समय ले सकते हो और आप आगे बढ़ सकते हो। भले ही हम मैच हार गए हों, लेकिन हम एक टीम के रूप में मिलकर काम करना चाहते हैं। मेरे अंदर बदलाव आए हैं जैसे कि अगर मैं प्रदर्शन नहीं कर रहा हूं और अगर मुझे पता है कि कोई और प्रदर्शन नहीं कर रहा है, तो मैं उनसे बात करता हूं। मैं जानना चाहता हूं कि वे क्या सोच रहे हैं। इसलिए इन चीजों ने ब्रेक के दौरान मेरी मदद की।

बुमराह ने की आरसीबी के खिलाफ बेस्ट बॉलिंग

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन में आरसीसबी को लगातार चौथी हार मिली। मुंबई इंडियंस ने 197 रन का टारगेट 15.3 ओवर में हासिल कर लिया। टीम ने चौथी बार 190 से ज्यादा का टारगेट 17 ओवर से पहले हासिल किया, मुंबई ऐसा करने वाली पहली ही टीम बनी। मुंबई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने महज 21 रन देकर 5 विकेट लिए। वह आरसीबी के खिलाफ 5 विकेट लेने वाले पहले बॉलर बने।

टॉप रिकॉर्ड्स...

1. **बुमराह ने दूसरी बार 5+ विकेट लिए-** जसप्रीत बुमराह ने आईपीएल में दूसरी बार पारी में 5 विकेट लिए। इससे पहले उन्होंने 2022 में कोलकाता के खिलाफ महज 10 रन देकर 5 विकेट ले लिए थे। बुमराह आईपीएल में 2 बार 5+ विकेट लेने वाले मुंबई के पहले ही बॉलर बने। ओवरऑल वह आईपीएल में ऐसा करने वाले चौथे प्लेयर बने। उनसे पहले जेम्स फॉकनर, जयदेव उनादकट और भुवनेश्वर कुमार ऐसा कर चुके हैं।
2. **4+ विकेट लेने में भी टॉप पर पहुंचे बुमराह-** जसप्रीत बुमराह ने आईपीएल में चौथी बार पारी में 4 या उससे ज्यादा विकेट लिए। इस मामले में भी वह मुंबई के पहले ही बॉलर बने। ओवरऑल 4 भारतीय प्लेयर्स ऐसा कर चुके हैं। बुमराह के अलावा लक्ष्मीपति बालाजी, मोहित शर्मा और भुवनेश्वर कुमार ने ऐसा 4-4 बार किया है।
3. **3+ विकेट लेने में चहल से आगे निकले बुमराह-** जसप्रीत बुमराह ने आईपीएल में 21वीं बार पारी में 3 या उससे ज्यादा विकेट लिए। इस मामले में भी वह पहले नंबर पर पहुंचे, उन्होंने आर आर के युजवेंद्र चहल को पीछे छोड़ा। जिनके नाम 20 बार पारी में 3 या उससे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड है।
4. **आरसीबी खिलाफ 5 विकेट लेने वाले पहले बॉलर बने बुमराह-** जसप्रीत बुमराह ने आरसीबी के खिलाफ 21 रन देकर 5 विकेट लिए। वह आरसीबी के खिलाफ पारी में 5 विकेट लेने वाले पहले ही गेंदबाज बने। उन्होंने आशीष नेहरा का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2015 में सीएसके से खेलते हुए 10 रन देकर 4 विकेट लिए थे।
5. **आरसीबी के खिलाफ टॉप विकेट टेकर बने बुमराह-** 5 विकेट लेने के साथ जसप्रीत बुमराह के आरसीबी के खिलाफ 29 विकेट हो गए। इसी के साथ वह आईपीएल में आरसीबी के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर भी बन गए। उन्होंने आरआर के संदीप शर्मा को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 26 विकेट हैं।

मोंटे कार्लो मास्टर्स में विश्व नंबर सात से कड़े संघर्ष में हारे नागल

दो घंटे तक चला मैच

मोंटे कार्लो (फ्रांस)। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में विश्व नंबर सात डेनमार्क के होल्गर रूने से तीन सेटों के संघर्ष में हार गए। उन्हें दो घंटे 11 मिनट में 3-6, 6-3, 2-6 से हार मिली। बुधवार को दोनों के बीच मुकाबला रुक गया था। उस वक्त रूने 6-3, 3-5 से आगे थे।

गुरुवार को सुमित ने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए दूसरा सेट अपने नाम कर लिया। तीसरे सेट में दोनों 2-2 से बराबर थे, लेकिन यहां से रूने ने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन करते हुए बाकी चार गेम जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचने के साथ सुमित का एटीपी रैंकिंग में करियर की श्रेष्ठ 80वीं रैंकिंग पर पहुंचना तय हो गया है। वह अभी 93वीं रैंकिंग पर हैं। यही नहीं सुमित को फ्रेंच ओपन के मुख्य ड्रॉ में भी प्रवेश मिल गया है। इससे पहले 2019 में प्रजनेश गुणेश्वरन फ्रेंच ओपन के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाले अंतिम भारतीय थे।

स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीट को 41 लाख रुपये देने की घोषणा की

नीरज चोपड़ा ने प्रशंसा की

पेरिस। स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स के पेरिस ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले सभी एथलीट को 50,000 डॉलर (करीब 41.60 लाख रुपये) का पुरस्कार देने के फैसले की प्रशंसा की। उन्होंने यह भी कहा कि वह चाहेंगे कि अन्य वैश्विक प्रतियोगिताओं में भी इसी तरह का प्रोत्साहन मिले।

यह पहली बार होगा कि जब इस साल पेरिस ओलंपिक की 48 एथलेटिक्स स्पर्धाओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को विश्व एथलेटिक्स द्वारा भारी राशि दी जाएगी। विश्व एथलेटिक्स ने अपने इस दायरे को बढ़ाने का वादा किया है कि 2028 लास एंजिलिस चरण में सभी तीनों पदक विजेताओं को शामिल किया जाएगा।

परिवार को मिल रही आराम की जिंदगी- चोपड़ा ने खिलाड़ियों के लिए वित्तीय सुरक्षा की जरूरत पर बात करते हुए कहा, 'हम जो कमाई करते हैं, वो खिलाड़ियों के लिए पर्याप्त है। इससे हमें आराम की जिंदगी जीने में मदद मिल रही है, हमारे परिवार को आराम की जिंदगी मिल रही है।'

ट्रैक एवं फील्ड एथलीट का मुख्य योगदान- विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा कि ओलंपिक पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि देना लंबे समय से लंबित था क्योंकि ओलंपिक खेलों में जो भारी राजस्व मिलता है, उसमें ट्रैक एवं फील्ड एथलीट का मुख्य योगदान होता है। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से फैसले पर चर्चा नहीं की जिसके अंतर्गत ओलंपिक खेल आयोजित होते हैं। यह दोनों के बीच तनाव का कारण हो सकता है।

90 मीटर फेंक सकता हूं भाला- नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक से पहले 90 मीटर दूर भाला फेंकने का लक्ष्य बनाए हैं और उनका कहना है कि जिस तरह से उनकी तैयारी चल रही है, यह किसी भी समय हो सकता है। चोपड़ा ने अपना 89.94 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 2022 स्टॉकहोम डायमंड लीग के दौरान फेंका था। ट्रेनिंग में वह 90 मीटर दूर भाला फेंक चुके हैं, लेकिन प्रतियोगिता में वह अभी तक इसकी बराबरी नहीं कर पाए हैं।

टेनिस या फुटबॉल से नहीं की जा सकती तुलना

नीरज ने कहा, पैसे के मामले में एथलेटिक्स में उस तरह की राशि नहीं है जैसे टेनिस या फुटबॉल और अन्य खेलों में है। विश्व एथलेटिक्स का पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता एथलीट के लिए पुरस्कार राशि की घोषणा करने का फैसला अच्छी शुरुआत है। यह अच्छा फैसला है। विश्व एथलेटिक्स बहुत सक्रिय होता जा रहा है। आने वाले समय में मुझे लगता है कि वे डायमंड लीग जैसी प्रतियोगिताओं में भी वित्तीय प्रोत्साहन देंगे, जो अच्छा होगा।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप

उदित को रजत, फाइनल में जापान के पहलवान से हारे

बिश्केक (किर्गिस्तान)। भारत के उदीयमान पहलवान उदित को पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा के फाइनल में जापान के केंटो यूमिया के हाथों 4-5 से पराजय के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अभिमन्यु ने 70 किग्रा के फ्रीस्टाइल में उज्बेकिस्तान के बेजिजोन कुल्दाशेव को 6-5 से हराकर कांस्य पदक जीता। वहीं, विक्की ने 97 किग्रा में किर्गिस्तान के आंद्रेइ रोमानोविच अरोनोव को 10-1 से मात दी। ट्रायल में बजरंग पूनिया को हराने वाले

रोहित कुमार 65 किग्रा में जापान के मासानोसुके ओनो से 3-5 से हार गए। परविंदर सिंह एकमात्र भारतीय पहलवान थे जो पदक दौर में नहीं पहुंच सके। वह 79 किग्रा स्पर्धा में क्वालीफिकेशन में जापान के रियुनोसुके कामिया से 0-3 से हारकर बाहर हो गए।

यह सीनियर स्तर पर उदित का दूसरा पदक है। उन्होंने 2022 में ट्यूनीशिया में यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज में रजत पदक जीता था। उदित के लिए पहले दौर का यह मुश्किल मुकाबला रहा जिसमें उन्होंने ईरान के प्रतिद्वंद्वी इब्राहिम माहदी खरी को 10-8 से शिकस्त दी।

हार्दिक ने बुमराह-सूर्या की तारीफ की

कप्तान ने हार के लिए सिराज एंड कंपनी को ठहराया कसूरवार

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फाफ डुप्लेसिस को लगता है कि उनकी टीम के गेंदबाजी विभाग में ज्यादा आक्रामकता नहीं है और इसलिए बल्लेबाजों को आईपीएल में आगे बढ़ने के लिए इस कमजोरी की भरपाई करनी होगी। आरसीबी को गुरुवार को छह मैचों में पांचवीं हार का सामना करना पड़ा। यह उनकी लगातार चौथी हार रही। डुप्लेसिस ने मैच के बाद कहा, बल्लेबाजी के नजरिए से मुझे लगता है कि हमें 200 रन बनाने होंगे। हमारी गेंदबाजी में उतनी धार नहीं है, तो पूरी जिम्मेदारी बल्लेबाजों पर आ जाती है। उन्होंने कहा, गेंदबाजी के लिहाज से देखा जाए तो हमारे पास उतनी मजबूती नहीं है। हमें पावरप्ले में दो या तीन विकेट गिराने होंगे। डुप्लेसिस ने मुंबई इंडियंस से सात विकेट की हार के बाद कहा, हमें लगता है कि पहले चार ओवर के बाद हम बैकफुट पर ही रहते हैं. डुप्लेसिस का मानना है कि आरसीबी जीत के स्कोर से कुछ रन दूर था क्योंकि ओस ने दूसरी पारी में बड़ी भूमिका निभाई।

हमारी गेंदबाजी अच्छी नहीं हुई

डुप्लेसिस ने कहा- इस हार को पचाना बेहद मुश्किल है। मैदान गीला था। किसी भी तरह टॉस जीतना अच्छा होगा। मुंबई इंडियंस को श्रेय जाता है कि उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और हमारे गेंदबाजों ने काफी गलतियां कीं। मुंबई से जो भी बल्लेबाजी के लिए आया, उसने काफी अच्छे शॉट्स लगाए। हमने इसके बारे में (ओस) बात की। हमें पता था कि ओस बड़ी भूमिका निभाएगी। हमें 215-220 रन चाहिए थे। 190 रन काफी नहीं थे। कुछ स्थानों पर यह बड़ी बात है। जब ओस जम जाती है, तो इस स्कोर को बचाया बहुत कठिन था। हमने कई बार गेंद बदली। यह एकमात्र ऐसा खेल है जहां परिस्थितियों में बदलाव से अंतर पैदा होता है।

डुप्लेसिस ने कहा-

बुमराह असली अंतर- जसप्रीत बुमराह (21 रन देकर पांच विकेट) के शानदार स्पैल के बारे में पूछने पर डुप्लेसिस ने कहा, वह दो पारियों में अंतर पैदा कर रहे हैं। हमने उन्हें दबाव में रखा, लेकिन एक व्यक्ति जो मैदान पर रहता है वह हमें दबाव में डाल देता है। आप उन्हें दबाव में रखना चाहते हैं, लेकिन उनके पास काफी वेरिएशन है जो उन्हें अलग बनाती है।

हार्दिक ने बुमराह-

सूर्या की तारीफ की- विजेता कप्तान हार्दिक पांड्या भी बुमराह के प्रदर्शन से प्रभावित दिखे। उन्होंने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि बुमराह मेरी टीम में हैं। वह बार-बार ऐसा करते हैं और हर बार जब भी मैं उन्हें गेंदबाजी सौंपता हूं, वह विकेट लेते हैं। वह नेट्स में काफी अभ्यास करते हैं। उनके पास इतना अनुभव और आत्मविश्वास है।

बॉक्स ऑफिस पर ईद 2025 में भाईजान का बजेगा डंका

सलमान बनेंगे सिकंदर

सलमान खान और फिल्म निर्माता एआर मुरुगादॉस ने अपनी अपकमिंग फिल्म का एलान सोशल मीडिया पर ईद-उल-फितर 2024 के खास मौके पर कर दिया है।

सलमान खान की नई फिल्म सिकंदर की अनाउंसमेंट के बाद उनके फैंस इस मूवी को देखने के लिए अभी से काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। वहीं 2025 ईद के मौके पर बॉक्स ऑफिस पर सलमान खान धमाका करने वाले हैं। भाईजान ने साल 2010 से 2023 तक लगातार अपने फैंस को ईद पर अपनी के साथ खूब एंटरटेन किया है। वहीं इस साल उनकी कोई भी फिल्म नहीं रिलीज हुई, लेकिन 2025 में ईद के दिन बॉलीवुड स्टार की फिल्म रिलीज होगी।

सलमान खान की नई फिल्म का हुआ एलान

ईद-उल-फितर के मौके पर सुपरस्टार सलमान खान ने सिकंदर नाम के अपकमिंग बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा करते हुए फैंस को ईदी के तौर पर बहुत ही प्यार सरप्राइज दिया है। इस साल की शुरुआत में, अभिनेता ने जाने-माने फिल्म निर्माता एआर मुरुगादॉस के साथ अपनी नई फिल्म की घोषणा करते हुए रिलीज डेट के साथ-साथ पोस्टर भी शेयर किया है।

एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर सलमान खान ने अपने प्रशंसकों को ईद की शुभकामनाएं दीं और उनसे इस ईद पर बड़े मियां छोटे मियां और मैदान देखने और 2025 में ईद पर सिकंदर देखने को कहा है।

इस दिन रिलीज होगी भाईजान की सिकंदर

फिल्म सिकंदर के मेकर साजिद नाडियाडवाला और सलमान खान बहुत अच्छे दोस्त हैं। दोनों ने फिल्म का पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, इस ईद बड़े मियां छोटे मियां और मैदान को देखो और अगली ईद सिकंदर से आ कर मिलो..., आप सभी को ईद मुबारक!

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म सिकंदर ईद 2025 पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म

सिकंदर, किक, जुड़वा और मुझसे शादी करोगी जैसी फिल्मों में अपने ब्लॉकबस्टर काम के बाद सलमान खान और साजिद नाडियाडवाला एक बार फिर साथ में काम करने के लिए तैयार हैं। बता दें कि एआर मुरुगादॉस ने गजनी से हिंदी में डेब्यू किया, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था। उन्होंने अक्षय कुमार की फिल्म हॉलीडे- ए सोल्जर इज नेवर ऑफ ड्यूटी का भी निर्देशन किया था।

नागिन 7 में एंट्री की खबरों के बीच कनिका मान ने करवा डाला बोल्ड फोटोशूट

एकता कपूर के शो नागिन 7 का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दावा है कि कनिका मान नई नागिन बन सकती हैं। इन सब खबरों के बीच कनिका ने एक बोल्ड फोटोशूट करवाया है, जो धड़ल्ले से वायरल हो रहा है।

टीवी एक्ट्रेस कनिका मान इन दिनों सीरियल नागिन 7 को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। दावा किया जा रहा है कि कनिका मान एकता कपूर की नई नागिन बन सकती हैं। उनकी और नागिन 7 के मेकर्स के बीच बातचीत चल रही है।

इन सब खबरों के बीच कनिका एक के बाद एक बोल्ड फोटोशूट करवा रही हैं, जो इंटरनेट पर तहलका मचा रहे हैं। अब कनिका ने कोट के बटन खोलकर एक फोटोशूट करवाया है, जिसकी फोटोज ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। इन फोटोज में कनिका की अदाएं देखने लायक हैं। दरअसल, कनिका मान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वह काफी हसीन लग रही हैं। इन फोटोज में कनिका ने कोट पहना हुआ है, जिसके बटन खोले हुए हैं।

अब सिंगल से मिंगल होने को तैयार हैं कार्तिक

कार्तिक आर्यन अपने चार्म से फीमेल फैंस को दीवाना बनाते आए हैं। अपनी एक्टिंग के साथ ही वो अपने गुड लुक्स से भी लोगों का दिल जीतते रहे हैं। एक्टर का नाम उनकी को-एक्ट्रेसेज के साथ भी कई बार जुड़ चुका है। कभी सारा अली खान तो कभी जाह्नवी कपूर के साथ उनकी डेटिंग रूमर्स सामने आईं, लेकिन अब काफी वक्त से भूल भुलैया 2 एक्टर किसी को डेट नहीं कर रहे हैं, वो लव रिलेशन से पूरी तरह दूर हैं, लेकिन हाल में ही उन्होंने रिलेशनशिप में आने का मन बना लिया है और ऐलान कर दिया है कि वो अब किसी को अपनी लाइफ में स्पेशल जगह देने के लिए पूरी तरह तैयार हो गए हैं और उन्होंने इसके लिए एक बी-टाउन हसीना को बड़ा जिम्मा भी सौंपा है।

अब इश्क लड़ाने को तैयार हैं कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड स्टार कार्तिक आर्यन शो नो फिल्टर नेहा के फिनाले एपिसोड में नजर आए। नो फिल्टर नेहा सीजन 6 के एक मजेदार सेगमेंट में नेहा ने कार्तिक से पूछा कि क्या वह सिंगल हैं और रिलेशनशिप के लिए तैयार हैं, इस पर एक्टर ने कहा, फिलहाल मैं पूरी तरह से सिंगल हूं। काफी समय हो गया है मैं किसी भी तरह के रिश्ते से दूर हूं। मतलब यह थोड़ा सा घिसा-पिटा जवाब है, लेकिन वास्तव में मैं अपनी फिल्म चंदू चैंपियन पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं और उसमें बहुत सारे फोकस की जरूरत है। शो में पहुंचे एक्टर ने कहा, फिल्म इंडस्ट्री में कई सालों की भागदौड़ के बाद अब मुझे प्यार करने के लिए समय मिल गया है। मैंने शो की होस्ट नेहा धूपिया से भी अपने लिए किसी को ढूंढने के लिए कहा है।

नेहा को दी जिम्मेदारी

कार्तिक ने कहा, जिस तरीके की चीजें इस फिल्म में थी वह मैंने पहले कभी नहीं की थी। मैंने दो साल तक इसकी तैयारी की। समय ही नहीं मिला, मैं हर चीज बहुत नीरस और एक रोबोटिक जीवनशैली में जी रहा था, लेकिन अब मेरे पास प्यार करने के लिए समय है। मेरे लिए कोई ढूंढो, नेहा। इस पर नेहा धूपिया भी एक्टर द्वारा दी गई जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाती नजर आई।

इन फिल्मों से धमाका करेंगे कार्तिक आर्यन

बता दें, डायरेक्टर अनीस बज्मी की हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 में कार्तिक नजर आने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस साल दिवाली के मौके पर फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नोरा फतेही ने खोला इंडस्ट्री का राज

मैं बाकी लड़कियों जैसी नहीं हूं, जो...

अभिनेत्री नोरा फतेही अक्सर अपने डांस और लुक की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। लोग उनके डांस को खूब पसंद करते हैं। नोरा फतेही एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। उन्होंने फिल्म उद्योग में अपने साथ हुए बुरे व्यवहार को लेकर बात की है। इसे जानकार उनके प्रशंसकों को धक्का लगा है। नोरा फतेही को हाल ही में रणवीर इलाहाबादिया के पॉडकास्ट में देखा गया था। इसमें उन्होंने फिल्मी दुनिया के लोगों द्वारा किए गए उनके अपमान पर खुलकर बातचीत की। नोरा ने बताया कि कभी-कभी उनका सामना ऐसे लोगों से होता है, जो उन्हें अजीब सा महसूस कराते हैं। उन्होंने इसकी वजह बताते हुए कहा कि उन लोगों के इरादे ठीक नहीं होते हैं।

मैं बाकी लड़कियों जैसी नहीं हूं

नोरा फतेही ने पॉडकास्ट में खुलासा करते हुए कहा कि वे अक्सर अपने साथ ऐसा होते हुए देखती रहती हैं। उनके साथ हाल ही में एक बार फिर से ऐसा व्यवहार किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को यह बात समझ नहीं आती है। लोग सोचते हैं कि यह लड़की यहां कैसे आ गई? हमारी लड़की क्यों नहीं आ पाई? उन्होंने बताया कि लोग इस बात से बहुत नाराज हो जाते हैं। नोरा ने अपने बारे में बताया कि वे बाकी लड़कियों जैसी नहीं हैं, जो पुरुष कलाकारों के सामने विनम्र होकर बात करेंगी।

गड़बड़ दिखेगी है तो बोल दूंगी

नोरा ने कहा कि अगर मुझे ऐसा महसूस होता है कि कहीं कुछ गड़बड़ है, तो मैं इस बारे में जरुर बोल दूंगी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को यह पसंद नहीं आता है। कुछ लोगों को इस तरह की लड़कियां अच्छी लगती है, जो चुपचाप रहती हों, विनम्र हों और ऐसी नजर आती हों कि उन्हें काम चाहिए। नोरा ने कहा कि वे किसी को भी ऐसा करने का अधिकार नहीं देती। उन्होंने कहा कि इसके बाद लोग इस तरह की बातें कहते हैं कि ये लड़की कुछ भी नहीं है। इसमें कोई प्रतिभा नहीं है। ये लड़की फिल्मी दुनिया में क्यों है?

अंकिता-विक्की ने वैवाहिक जीवन के 6 साल पूरे होने का मनाया जश्न

अंकिता लोखंडे और उनके पति विक्की जैन ने अपने वैवाहिक जीवन के छह साल पूरे कर लिए हैं। अंकिता ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की छठी सालगिरह के जश्न की कुछ झलकियां शेयर की। तस्वीरों में पति-पत्नी सफेद रंग में दिख रहे हैं। कैप्शन में लिखा, पिछली रात हमने वैवाहिक जीवन के छह साल पूरे होने का जश्न मनाया। हमें अभी भी यकीन नहीं है कि हम यहां कैसे पहुंचे, लेकिन हम इस तरह के प्यार को पसंद करते हैं। अंकिता 2010 में दिवंगत स्टार सुशांत सिंह राजपूत को डेट कर रही थीं। 2016 में उन्होंने अपने रास्ते अलग कर लिए। 2019 में उन्होंने कहा कि वह विक्की जैन के साथ रिश्ते में हैं। दोनों ने दिसंबर 2021 में शादी कर ली। अंकिता और विक्की बिग बॉस 17 में बतौर कंटेस्टेंट नजर आए थे। दोनों अब ला पिला दे शराब नाम से एक म्यूजिक वीडियो लेकर आए हैं, जिसमें अभिनेता सौरभ सचदेव भी हैं।

दोहरी भूमिका में नजर आएंगे विजय

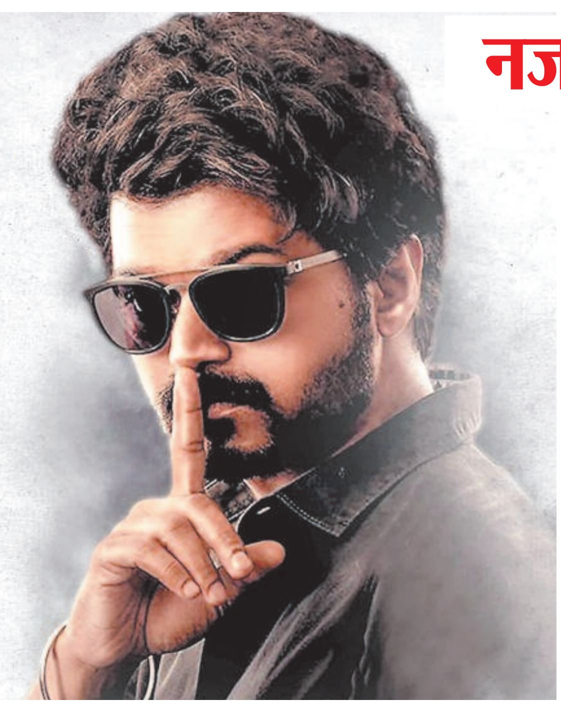

बॉक्स ऑफिस पर पिछली ब्लॉकबस्टर फिल्म लियो देने वाले अभिनेता थलापति विजय इन दिनों अपनी अगली फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को लेकर खासी सुर्खियों में हैं। गुरुवार को इस फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म के प्रदर्शन तिथि की घोषणा की। विजय की यह फिल्म लंबे समय से सुर्खियों में हैं।

गुरुवार को फिल्म के निर्माताओं में से एक, ऐश्वर्या कल्पथी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की। इसके साथ उन्होंने फिल्म का एक पोस्टर भी साझा किया। पोस्टर में थलापति विजय दमदार लुक में नजर आ रहे हैं। ऐश्वर्या ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में जानकारी देते हुए बताया कि फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' 5 सितंबर, 2024 को रिलीज होगी। यह फिल्म बेहद खास होने वाली है। फिल्म के नए पोस्टर में विजय एकदम अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में एक विस्फोट होता हुआ भी दिखाई दे रहा है। हाल ही में, थलापति विजय का फिल्म के सेट से एक वीडियो भी वायरल हुआ था.

अजय देवगन की मैदान को मिल रही तारीफ

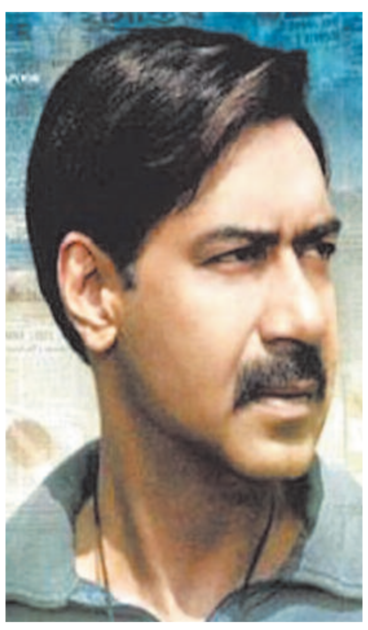

बॉक्स ऑफिस पर ईद के मौके पर रिलीज हुई मैदान कमाई की रेस में बड़े मियां छोटे मियां से पिछड गई है। फिल्म की एडवांस बुकिंग महज 1 करोड़ रुपये है, जबकि सुबह और दोपहर के शोज में दर्शकों की संख्या भी कम देखी गई है। जानिए पहले दिन यह फिल्म कितनी कमाई करेगी।

अजय देवगन की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म मैदान आखिरकार ईद के मौके पर रिलीज हो गई है। यह भारतीय फुटबॉल के गोल्डन बॉय कहे जाने वाले सैयद अब्दुल रहीम की बायोपिक है। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से तारीफ तो खूब मिल रही है, लेकिन ओपनिंग डे पर कमाई की रेस में यह बड़े मियां छोटे मियां से पिछड़ गई है। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म की तरह ही मैदान की एडवांस बुकिंग भी बेदम रही है। जबकि बुधवार शाम से फिल्म के कुछ पेड प्रीव्यू शोज रखे गए थे, इस कारण भी ओपनिंग डे की कमाई पर असर पड़ना स्वभाविक है।

अब अंताक्षरी शो के होस्ट बनेंगे कपिल शर्मा

साल 2006 में पहली बार टेलीविजन पर पंजाबी रियलिटी शो 'हंसदे हंसादे रवो' में कैमरे के सामने आए कॉमेडियन कपिल शर्मा का नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रहा शो रंग जमाने में नाकाम रहा। नेटफ्लिक्स प्रबंधन अब इस कोशिश में है कि कैसे तरह इस शो के बचे हुए एपिसोड के लिए दर्शकों की रुचि बरकरार रखी जाए। इस बारे में दर्शकों की राय जानने के लिए बाकायदा सर्वे हो रहे हैं। इस बीच पता चला है कि कपिल शर्मा अब फिर से टेलीविजन पर एक शो होस्ट की तरह लौटने के जुगाड़ में हैं। अमेरिकी ओटीटी नेटफ्लिक्स के लिए कपिल शर्मा ने खुद ही अपनी कंपनी के बैनर तले एक साप्ताहिक कॉमेडी शो बनाया है, 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो'। इस शो के अब तक दो एपिसोड प्रसारित हो चुके हैं और दोनों ही एपिसोड से उनके प्रशंसक खासे निराश हुए हैं। इस शो को 10 लेखकों की टीम मिलकर लिख रही है लेकिन मामला जम नहीं पा रहा।

- साभार एजेंसी